सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर - 12

लोक सभा राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार- 12

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपीन सहमत - 13

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी : गंभीर- 14

आज का मौसम
31.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.36
सूर्यास्त 06.52

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी 02:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 6 अगस्त 2025, वर्ष 3, अंक 347, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही, 4 की मौत

धराली में खीर गंगा में आई बाढ़, 50 से अधिक लापता, कई मकान, दुकान और होटल बहे

- धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे, 8-10 सैनिक लापता

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए।

अमृत विचार : उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में लगातार अतिवृष्टि के बीच उत्तरकाशी में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मची है। खीरगंगा नदी में आई बाढ़ का रौद्र रूप पूरे धराली बाजार को बहा ले गया। कई मकान, दुकान, होटल, होमस्टे आदि तबाह होने से हाहाकार मचा है। 50-60 लोगों के लापता होने की खबर है जबकि चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे और 8-10 सैनिक लापता बताए गए हैं। इस बड़ी आपदा में लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार हाई अलर्ट पर है। सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। एसडीआरएफ अभी तक 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले की भटवाड़ी तहसील में हर्षिल के नजदीक खीरगंगा में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे के आसपास जलस्तर बढ़ने से धराली बाजार में भारी मलबा आ गया। कुछ ही मिनट में मलबा कई भवनों, होटलों एवं दुकानों को बहा ले गया। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने इस आपदा में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। आपदा में कई लोगों के दबे होने और मारे जाने की आशंका है। धराली बाजार में कई होटल, दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान मलबे में दबे हैं। कई घर भी इस आपदा में तबाह हो गए हैं। एम्स ऋषिकेश तथा देहरादून के कई चिकित्सालयों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं और एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेज दी गई हैं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया

उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की दुखद घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गहरा दु:ख जताया है। प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में हुए जन-धन की हानि पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य सरकार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कहा कि प्रभावितों को शीघ्र राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

25-35 के मलबे में दबे होने का अंदेशा

आपदा के बाद उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने घटनास्थल के सामने स्थित मुखानी गांव के लोगों द्वारा बनाए गए विभिन्न वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। 25-30 होटल, दुकानें मलबे में बहने की आशंका है। हर्षिल में शाम करीब चार बजे आर्मी कैम्प में अचानक मलबा आने के कारण कैम्प के एक हिस्से और हर्षिल हेलीपैड में भारी नुकसान हुआ है। कैम्प में रुके 8-10 जवान लापता हैं जबकि 100 से अधिक जवान धरासू में रेस्क्यू में जुटे हैं। आयुक्त गढ़वाल मंडल, विनय शंकर पांडे ने बताया कि हर्षिल की घटना के बाद सुक्खी टॉप में भी बादल फटने की खबर है।

दौरा बीच में छोड़ आंध्र प्रदेश से लौटे सीएम

मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दौरे पर गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दौरा बीच में ही छोड़कर देहरादून लौट आए। उन्होंने सीधे देहरादून स्थित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहुंचकर आपदा की तात्कालिक स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन एवं केंद्रीय आपदा प्रबंधन की टीमें जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। वह वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है।

उप्र में थम नहीं रहा नदियों का जलस्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना समेत अन्य नदियों का जलस्तर थम नहीं रहा है। बाढ़ का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, ऐसे में हालात विकराल हैं। कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ का संकट जारी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

जौनपुर में गोमती नदी का जलस्तर जहां खतरे के निशान से ऊपर है तो वहीं गाजीपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांव पानी में डूब गए। वहीं, बांदा में केन और यमुना नदी में बाढ़ आने के कारण कई गांव पानी में डूब गए। प्रयागराज में भी गंगा नदी के उफान से निचले इलाके जलमग्न हैं। तीन दिनों से हो रही मानसूनी बारिश से प्रयागराज, वाराणसी समेत लगभग 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मंगलवार को बिजनौर में प्रदेश में सर्वाधिक 248 मिमी बारिश दर्ज की गई। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार से मानसूनी बारिश के थमने के आसार हैं।

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की धीरज वधावन की बेल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कई करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) कंपनी के पूर्व प्रवर्तक धीरज वधावन को दी गई जमानत(बेल) मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया और वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने वधावन के स्वास्थ्य के आधार पर नौ सितंबर, 2024 को जमानत देते हुए कहा था कि वह एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर यह आदेश जारी किया।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। डेरे के प्रवक्ता और वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। सिंह ने सिरसा पहुंचने के बाद एक वीडियो संदेश में अपने अनुयायियों से डेरे में न आने और डेरे के वरिष्ठ लोगों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। गुरमीत सिंह 15 अगस्त को 58 साल का हो जाएगा।

अंदर देखें... रंगोली

अमृत विचार रंगोली
यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

अनिल अंबानी से 10 घंटे पूछताछ

- बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में ईडी के समक्ष हुए थे पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। अनिल अंबानी सुबह करीब 10:50 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और रात 9 बजे से कुछ पहले बाहर निकले।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी अनिल अंबानी (66) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंबानी से लगभग एक दर्जन सवाल पूछे गए। ऐसा माना जा रहा है कि अंबानी ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया और कहा कि उनकी कंपनियों ने नियामकों के समक्ष अपनी वित्तीय स्थिति के बारे में समय पर खुलासा किया है। उन्होंने जांच अधिकारियों को यह भी बताया कि सभी वित्तीय निर्णय संबंधित कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिए गए थे। हालांकि, ईडी के जांच अधिकारी इस बात से आश्वस्त नहीं हैं और उन्हें दोबारा तलब किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अंबानी ने प्रमुख वित्तीय निर्णयों से संबंधित कुछ दस्तावेज ईडी को सौंपने के लिए लगभग 10 दिन का समय भी मांगा है। यह समन एजेंसी द्वारा 24 जुलाई को मुंबई में 50 कंपनियों और उनके व्यापारिक समूह के अधिकारियों सहित 25 लोगों के 35 परिसरों की तलाशी के बाद जारी किया गया।

ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का दोपहर 1:12 बजे यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया।

वह लंबे समय से अस्पताल की आईसीयू में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। वे मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा : मुख्यमंत्री

योगी ने अलीगढ़ और आगरा से देशवासियों को किया सचेत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। हमारा पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, अव्यवस्था और विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने में इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने त्योहारों पर स्वदेशी सामान खरीदने और उपहार में देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की विकास योजनाओं और आगरा में अटल पुरम की सौगात देने के बाद आयोजित कार्यक्रमों में देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए सचेत किया। कहा कि जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश दंगों और अराजकता से जूझ रहे थे। आज बेहतर कानून व्यवस्था के कारण विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आज बरेली और मुरादाबाद में देंगे अरबों की सौगात

बरेली/मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मंडलीय समीक्षा कार्यक्रम के तहत बरेली और मुरादाबाद में रहेंगे। इस दौरान दोनों मंडलों के 9 जिलों के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के साथ ही अरबों रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे, जबकि मुरादाबाद में रात्रि विश्राम भी करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर दोनों ही जिलों में मंगलवार को दिन भर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। मुख्यमंत्री बुधवार को समीक्षा दौरे पर बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे सुबह 10:30 बजे बरेली पहुंचेंगे और सर्किट हाउस में मंडल भर के जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसके बाद बरेली कॉलेज मैदान पर रोजगार मेले में शिरकत करने के साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। वह बरेली मंडल में 2262 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। 10 छात्र-छात्राओं को टैबलेट, पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र और किसान दुर्घटना बीमा के कई पात्रों को चेक भी देंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1:30 बजे मुरादाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री बरेली से राजकीय हेलीकॉप्टर से मुरादाबाद जिले की बिलारी तहसील के ग्राम पीपली के लिए उड़ान भरेंगे। वहां नवनिर्मित अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। साथ ही करोड़ों रुपये की योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

जज के आपराधिक मामले सुनने पर सुप्रीम रोक, कहा- न्याय का मजाक बना दिया

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम
- संबंधित जज पर सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक, पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को कार्यकाल समाप्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब न्यायाधीश ने एक दीवानी विवाद में त्रुटिपूर्वक आपराधिक प्रकृति के समन को बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उनकी सेवानिवृत्ति तक उनके रोस्टर से आपराधिक मामलों को हटाने का निर्देश दिया और उन्हें एक खंडपीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का कार्य सौंपा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने एक कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट के समन आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। इस कंपनी पर दीवानी प्रकृति के एक व्यापारिक लेनदेन में शेष राशि का भुगतान न करने का आरोप था।

यह अज्ञानता या कोई बाहरी प्रभाव

पीठ ने कहा, न्यायाधीश ने न केवल खुद के लिए अपमानजनक स्थिति उत्पन्न की है, बल्कि न्याय का मजाक भी बना दिया है। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय के स्तर पर भारतीय न्यायपालिका के साथ क्या समस्या है। कभी-कभी हमे आश्चर्य होता है कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी प्रभाव में दिए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और त्रुटिपूर्ण आदेश पारित करना अक्षम्य है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'मेसर्स शिखर केमिकल्स' द्वारा वाणिज्यिक लेनदेन के एक मामले में समन आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस मामले में, शिकायतकर्ता (ललिता टेक्सटाइल्स) ने 'शिखर केमिकल्स' को 52 .34 लाख रुपये मूल्य का धागा बेचा था, जिसमें से 47 .75 लाख रुपये का भुगतान किया गया लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ललिता टेक्सटाइल्स ने शेष राशि की वसूली के लिए एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया और एक मजिस्ट्रेट अदालत ने आवेदक के खिलाफ समन जारी किया। 'मैसर्स शिखर केमिकल्स' ने इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया और तर्क दिया कि यह विवाद पूरी तरह से दीवानी प्रकृति का है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने आवेदक की याचिका खारिज कर दी।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि शिकायतकर्ता को राशि वसूलने के लिए दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना अनुचित है, क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि शिकायतकर्ता को शेष राशि की वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश उनके न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल के दौरान देखने में आया सबसे खराब और सबसे त्रुटिपूर्ण आदेशों में से एक था।

सत्यापन का भी अब शुल्क लेगा यूपी बोर्ड

प्रयागराज। यूपी बोर्ड अंकपत्र, प्रमाणपत्र के सत्यापन का अब शुल्क लेगा। बोर्ड के पांच क्षेत्रीय कार्यालय में प्रतिवर्ष 10 लाख से ज्यादा अंकपत्र, प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। जिस भी विभाग में यूपी बोर्ड के विद्यार्थी नौकरी पाते हैं। उनके प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रारुप तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है, मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा।

बौखलाहट

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

ट्रंप बोले-24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अड़चन यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। अब मैं यह कहूंगा कि भारत अब तक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा। लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

भारत के पलटवार से तिलमिलाए ट्रंप

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया। भारत ने आलोचना को पुरजोर तरीके खारिज करते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए दोहरे मानदंड अपनाने की बात कही है।

रूस ने भारत के अधिकार का किया समर्थन

मास्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार और आर्थिक सहयोग में अपने साझेदार चुनने का अधिकार है। रूस ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद कही है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पर कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार साझेदार स्वयं चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापार और आर्थिक सहयोग के तरीकों को निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए।

पीडीए की पाठशाला नहीं सिलेबस पर हो रहा घमासान

वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है बवंडर, एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग कर रही समाजवादी पार्टी

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार: पीडीए पाठशाला को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक घमासान है। सपा नेता पाठशाला लगाने से पीछे नहीं हट रहे तो वहीं व्यवस्था ऐसे नेताओं पर मुकदमा ठोकने से भी नहीं चूक रही। सपा अपने इस अभियान से प्राथमिक स्कूलों के मर्जर पर विरोध जता रही है, वहीं भाजपा सरकार इस तरीके को असमाजिक, कानून विरोधी ठहरा रही है। दोनों तरफ की कवायद राजनीति से परे नहीं लेकिन समझना यह है कि ऐसी पाठशाला कितनी कानून सम्मत है और गैरकानूनी है तो क्यों?

• आखिर कितनी कारगर है भाजपा सरकार की एफआईआर से काट

दरअसल, लड़ाई पीडीए की पाठशाला की नहीं, बल्कि इसमें पढ़ाए जाने वाले सिलेबस की है। घमासान भी वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है। पाठ पढ़ाया जा रहा है ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल। इतना तो तय है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सपा एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग करने पर आमादा है। वहीं, राज्य सरकार का तर्क है कि पीडीए पाठशाला के जरिए सरकार विरोधी सामग्री का प्रचार किया जा रहा है। बच्चों की भावनाओं से राजनीतिक खेल किया जा रहा है जो कि कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में एफआईआर तो होनी ही है।

"हमारी पार्टी यह अभियान राइट टू एजुकेशन के समर्थन में चला रही है। प्राथमिक स्कूलों का मर्जर कर सरकार इस कानून उल्लंघन कर रही है। यह लोकतंत्र, संविधान विरोधी है। हम परंपरागत अर्थ के बजाय वर्णमाला की पहचान सिखा रहे हैं। ए फॉर अखिलेश पढ़ाना क्हां से गलत है। हमारा अभियान गैरकानूनी कतई नहीं।

– डॉ. रागिनी सोनकर, सपा विधायक

"प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के नाम पर पीडीए पाठशाला पूरी तरह सतही नाटक है, जो गैरकानूनी तो है ही, समाज में फूट डालने और अराजकता फैलाने का कुत्सित प्रयास है। सरकार सर्व शिक्षा अभियान चला रही है और ये पीडीए पाठशाला के नाम पर राजनीतिक षड्यंत्र कर रहे हैं। ए से अखिलेश पढ़ाकर, आप कैसा सन्देश देना चाहते हैं।

– डॉ. नीरज बोरा, भाजपा विधायक

एफआईआर के विरोध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अंग्रेजों ने भी कभी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं लिखवाई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस हमारी पाठशाला बंद करा देगी। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बच्चों और नौनिहालों के मन में राजनीति घुसाना घोर अपराध है। उन्होंने सपा पर बच्चों को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि आने वाले समय में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इतना तो तय है कि पीडीए पाठशाला की सरगर्मी से उत्साहित सपा इस अभियान को आगे भी बढ़ाएगी। सपा इसको विधानसभा चुनाव के मैनिफेस्टो में शामिल कर सकती है।

समाजवादी पार्टी का तर्क समझें तो पाएंगे कि प्राथमिक स्कूलों में ज्यादातर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग से बच्चे पढ़ते हैं। स्कूलों के मर्जर से इनकी शिक्षा प्रभावित होगी, इसलिए उन्हें न्याय दिलाने को हम गांव-गांव, गली-गली पाठशाला लगा रहे हैं। इस तर्क से साफ है कि यूपी में स्कूल मर्जर के विरोध में शुरू की गई सपा की पाठशाला पीडीए वर्ग में पैठ बनाने का जरिया है। अब भाजपा इस अपने मुख्य विपक्षी दल के इस नये राजनीतिक हथियार की काट कैसे निकालती है यह तो वक्त ही बताएगा?

गांव में भी आशियाना बनाने को मिलेगा ऋण

अमृत विचार, लखनऊ : गांव में भी अपना आशियाना बनाने को ऋण मिलेगा। राजस्व, वित्त और न्याय समेत सभी संबंधित विभागों ने घरौनी कानून के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इस प्रस्ताव को अब मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। इसके तहत आबादी के भीतर अविवादित जमीन पर ग्रामीणों को मालिकाना हक दिया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, आबादी की ऐसी जमीन, जिस पर कोई विवाद नहीं है, लेखपाल मालिकाना हक को लेकर अपनी रिपोर्ट लगाएंगे। राजस्व रिकॉर्ड में इसे कानूनगो की लिखित स्वीकृति से दर्ज करवाया जा सकेगा। उत्तराधिकार, बैनामा, गिफ्ट डीड, और न्यायालय की डिक्री के आधार पर कानूनगो घरौनी तैयार कर सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

ओबीसी छात्रावासों की मरम्मत को 4.99 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने पिछड़े वर्ग के जर्जर पड़े छात्रावासों को चमकाने के लिए शासन की ओर चार करोड़ 99 लाख रुपये स्वीकृत किये गए हैं। मरम्मत कार्य के तहत राजधानी स्थित राजकीय महिला पॉलीटेक्निक समेत प्रदेश के 10 छात्रावासों में कार्य होगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ, इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रयागराज, राजकीय पॉलीटेक्निक हंडिया प्रयागराज, वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा, राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा, सर्वोदय इंटर कॉलेज मिहीपुरवा बहराइच, राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद, काशीनरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर संत रविदासनगर 24 लाख और फैज-ए-आम इंटर कॉलेज मेरठ में मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

बिजली दरों के प्रस्ताव पर जवाब तलब

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों की जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की आपत्ति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन समेत सहायक वितरण निगमों से जवाब तलब किया है। आयोग ने सप्ताह भर में बिंदुवार जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। बिजली दरों के निर्धारण को लेकर आयोग ने पिछले दिनों सभी निगमों के स्तर पर जनसुनवाई की थी। इस दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में बढ़ोतरी व निजीकरण के प्रस्ताव का सख्त विरोध किया था। उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा निगमों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रही धनराशि के एवज में दरों में कमी किये जाने की मांग की थी। उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश के सभी वितरण निगमों में बिजली दरों में एक मुश्त 45 प्रतिशत की कमी या अगले पांच वर्षों तक 9 प्रतिशत की कमी किये जाने की मांग रखी थी।

जटिल कैंसर का इलाज गोरखपुर में भी संभव

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर पीड़ितों को अब सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटाया है।

बारिश बाद सड़कें होंगी गड्ढामुक्त ठेकेदार पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने आगरा मंडल के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आगरा मंडल के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व विधान परिषद सदस्यों के साथ विकास कार्यों से संबंधित मंडलीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को परखा। बनते ही सड़कों के टूटने और बदहाली के मुद्दे पर विधायकों समेत अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कहा कि बारिश बाद सड़कें गड्ढामुक्त करने की तैयारी शुरू कर दें। गारंटी में सड़कें टूटने और कार्य में लापरवाही पर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

मंडलायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में आगरा मंडल के चार जिलों, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी हर विधायक से उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं, जन अपेक्षाओं और विकास प्राथमिकताओं पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। कहा कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभवों को विकास कार्यों में शामिल करना है। विकास कार्यों के लिए धन के अभाव से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर उनसे प्रस्ताव लें और विकास कार्यों के लिए प्राप्त संपूर्ण धनराशि का व्यय करें। उन्होंने चेताया कि समय से कार्य योजना, प्रस्ताव और स्वीकृति न होने पर कई विभागों का बजट वापस चला जाता है, जो सरकार की मंशा के खिलाफ है।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा विधानसभावार प्रस्तावित सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाइपास और इंटर-स्टेट बॉर्डर कनेक्टिविटी के कार्यों को कार्ययोजना में शामिल किया जाए। उन्होंने बरसात के बाद युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की तैयारी अभी से पूर्ण करने को कहा।

• जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ को विकास में शामिल करने पर जोर

आगरा को मिली अटल पुरम की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा में विकास को नई दिशा देते हुए 'अटल पुरम टाउनशिप' की शुरुआत की। यह परियोजना आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा 36 वर्षों बाद विकसित की जा रही सबसे बड़ी आवासीय योजना है। यह योजना आगरा इनर रिंग रोड के पास 340 एकड़ भूमि पर बनाई जा रही है, जो सरकार की शहरी विस्तार और आधुनिक विकास की नीति का एक बड़ा प्रमाण है। तीन चरणों और 11 सेक्टरों में टाउनशिप विकसित होगी।

योगी ने बाढ़ क्षेत्रों का किया हवाई सर्वे कहा- सरकार पीड़ितों के साथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित, तेजी से चल रहे राहत व बचाव कार्य

• मुख्यमंत्री ने औरैया में और टीम-11 ने जिलों में वितरित की बाढ़ राहत सामग्री

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को आगरा में आयोजित कार्यक्रमों के बाद औरैया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पीड़ितों को राहत सामग्री और धनराशि देते हुए योगी ने कहा कि पूरी सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। बताया कि यूपी के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। सभी जगह तेजी से राहत-बचाव कार्य चल रहे हैं। एनडीआरएफ की 16, एसडीआरएफ की 18 और पीएसी फ्लड यूनिट की 31 टीमें तैनात की गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार कहा कि पिछले 10-15 दिन के अंदर अत्यधिक बरसात के कारण प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण और राहत कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ प्रभावी ढंग से सकुशल संचालन करने के लिए हर प्रभारी मंत्रियों की तैनाती की गई है। मंत्री अपनी देखरेख में जिला व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे है।

सीएम ने कहा कि सरकार की संवेदना हर बाढ़ पीड़ित के साथ है। सरकार हर सहयोग करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। उसके सर्वेक्षण के भी आदेश दिए गए हैं। रिपोर्ट आते ही तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम ने नागरिकों से अपील की कि अभी अगस्त का प्रथम सप्ताह है, इसलिए अलर्ट मोड पर रहना होगा, क्योंकि बाढ़ की आशंका सितंबर तक बनी रहती है।

बाढ़ में विलीन मकानों के मालिकों को मिलेंगे नए घर

सीएम योगी ने कहा कि जनहानि होने पर परिवार को आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये, किसी परिवार का मकान बहने या नदी में विलीन होने पर मुख्यमंत्री आवास योजना से आच्छादित करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पशुधन की हानि पर मुआवजा दिया जा रहा है। जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किए गए हैं। इस सीजन में एंटी रैबीज वैक्सीन, सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम की भी व्यवस्था सीएचसी, जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं।

लाल किले पर ध्वजारोहण की साक्षी बनेंगी 14 लखपति दीदियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी इन महिलाओं को केंद्र सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया जाएगा। देशभर से आ रही 700 से अधिक महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व यूपी का रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप प्रदेश की लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं। ये महिलाएं घर पर ही घी, अचार, पापड़, नमकीन के उद्यम स्थापित करते हुए अन्य घरेलू उत्पाद तैयार कर न केवल अपना बल्कि अन्य महिलाओं का भी जीवन संवार रही हैं। इन्हीं प्रेरणादायक महिलाओं में से चयनित 14 लखपति दीदियां 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर दिल्ली में लाल किले पर होने वाले समारोह की साक्षी बनेंगी।

मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि प्रत्येक लखपति दीदी को उनके पति या किसी एक सहयोगी के साथ दिल्ली भेजा जाएगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से ठहरने और भोजन की पूरी व्यवस्था की जाएगी।

16 करोड़ रुपये से कालिंजर किला बनेगा पर्यटन हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 16 करोड़ रुपये की योजनाओं से कालिंजर किला पर्यटन हब बनेगा। बांदा स्थित कालिंजर का किला देशी-विदेशी पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है, जिसे राज्य सरकार और विकसित करने जा रही है। लगभग 800 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह किला न केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि भारत के सबसे विशाल और मजबूत किलों में भी गिना जाता है।

राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कालिंजर किले में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 12 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कालिंजर-पन्ना एवं कालिंजर-बांदा मार्ग पर डेकोरेटिव पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए 4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दोनों परियोजनाओं के लिए कुल 16 करोड़ रुपए राशि की स्वीकृति मिली है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कालिंजर किला देखने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 में कालिंजर आने वालों की संख्या 1,35,566 थी, जो 2023 में बढ़कर 4,54,177 हो गई। साल 2024 में पर्यटकों की संख्या लगभग 6,25,000 रही, तो मौजूदा वर्ष 2025 के जनवरी से जुलाई तक करीब 4,03,012 रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर लखनऊ में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धंजलि अर्पित करते पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य। अमृत विचार

प्रदेशभर में मनाई गई जनेश्वर मिश्र की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों एवं अन्य राज्यों में भी मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम मंगलवार को गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ। यहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट स्थित उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर नमन किया गया।

जर्जर स्कूल भवनों के ध्वस्तीकरण का अभियान तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• योगी की चेतावनी के बाद हर जिले में जर्जर भवनों की पहचान, मूल्यांकन व तत्काल ध्वस्तीकरण की तैयारी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थित जर्जर भवनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए मंत्री संदीप सिंह और शासन के आला अधिकारियों ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर सत्यापन, मूल्यांकन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता दें।

विभिन्न जिलों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जर्जर भवनों की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक जिले में जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर तकनीकी समिति को सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु सूची सौंपी जाएगी। यह कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। पूर्व में चिह्नित ढांचों के भी शीघ्र सत्यापन और रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। कहा गया है कि जिन्हें ध्वस्त न किया जा सके, उन्हें 'निष्प्रयोज्य' घोषित कर सील किया जाएगा। छतों की सफाई और जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी जर्जर भवन के गिरने या किसी प्रकार की दुर्घटना की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे उत्तरदायी मानते हुए उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सुरक्षित वैकल्पिक स्थानों पर होगी पढ़ाई

तकनीकी समिति द्वारा जर्जर घोषित किए गए भवनों में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं की जाएंगी। विद्यार्थियों के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था अन्य सुरक्षित कक्षों, विद्यालय भवनों, पंचायत भवनों या ग्राम सचिवालय आदि में कराना जाना अनिवार्य किया गया है।

जर्जर भवनों से प्रभावित हुई छवि

निर्माण यूनिट के विशेषज्ञ श्यामकिशोर तिवारी ने कहा कि कई विद्यालय परिसरों में अब भी ऐसे ढांचे मौजूद हैं, जो अत्यंत जर्जर हो चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। इससे बच्चों और शिक्षकों की जान को गंभीर खतरा बना रहता है। हालांकि, शासन स्तर से इस संबंध में पूर्व में कई निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरों ने विभाग की छवि को प्रभावित किया है।

तैयारी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों को गति देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

यूपी में डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक का तैयार हो रहा मसौदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

• 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान किए जाएंगे समाप्त

• प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवाएं व प्रक्रियाएं होंगी सरल

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए दो ऐतिहासिक 'डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक' का मसौदा तैयार कर रही है, जिनके माध्यम से राज्य और समवर्ती सूची के अधिनियमों में 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान समाप्त किए जाएंगे। ऐसे में व्यवसाय से जुड़े कानून इस कदर शिथिल कर दिए जाएंगे कि किसी व्यवसायी को अधिकांश प्रकरणों में जेल जाने की नौबत न आए। माना जा रहा है कि यह उत्तर प्रदेश को एक प्रगतिशील और व्यापार-अनुकूल विधिक ढांचा प्रदान करेगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को और अधिक सुगम एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'अनुपालन न्यूनीकरण एवं विनियमन शिथिलीकरण 2025' पहल की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सुधारों की दिशा में हुई प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया।

मुख्य सचिव ने समयबद्ध, समन्वित कार्रवाई और फीडबैक आधारित सुधारों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल व्यवस्थाएं ही सुधार नहीं रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए पुनर्परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सुधारों को वर्षांत तक निवेश मित्र 3.0 के साथ पूर्ण रूप से एकीकृत किया जाए, ताकि निवेशकों को समग्र और सरल अनुभव मिल सके।

उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाने पर मंथन

बैठक में कुछ दूरदर्शी सुझावों पर भी चर्चा हुई, जैसे- भवन उपविधियों में संशोधन कर भूमि की बर्बादी रोकना, उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाना और फैक्ट्री, व्यापार लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। साथ ही द्विभाषी फॉर्म, डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो ट्यूटोरियल्स, रिस्पॉन्सिव कॉल सेंटर और जागरूकता अभियान जैसे सुधारों पर भी जोर दिया गया।

बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

सीईओ इनवेस्ट यूपी विजय किरण आनंद ने राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली 'निवेश मित्र 3.0' के उन्नत संस्करण पर प्रस्तुतीकरण दिया, जो वर्ष अंत तक शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह पोर्टल 44 से अधिक विभागों की 525 सेवाएं प्रदान करता है। नए संस्करण के माध्यम से सेवा प्रदायगी की समय सीमा में 30 प्रतिशत की कमी, आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा दस्तावेजों की आवश्यकता को आधा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-केंद्रित अनुभव मिलेगा।

कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर हटाए गए मुख्य अभियंता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिजली उपभोक्ता को 40 किलोवाट का कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर गाजियाबाद के मुख्य अभियंता अशोक कुमार को हटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष ने इस प्रकरण से संबंधित अन्य कार्मिकों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

अध्यक्ष को उपभोक्ता के जरिये गाजियाबाद में बिजली आपूर्ति की तकनीकी खराबी समय पर दूर न कराये जाने व बिजली कनेक्शन देने में विलंब की शिकायत मिली थी। बताया गया कि बीती 30 अप्रैल को 40 किलोवाट के कनेक्शन के लिये आवेदन किया गया। इसके लिए 27,615 रुपये जमा कराये गए। भुगतान करने के बाद भी कनेक्शन नहीं दिया गया। साथ ही, लाल कुआं बिजली उपकेंद्र में बीती 24-25 जुलाई को रात में आई तकनीकी खराबी को दो दिन तक ठीक नहीं कराया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोग निरंतर बिजली संकट का सामना करते रहे। दोनों घटनाओं पर अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई। मुख्य अभियंता को पर्यवेक्षकीय शिथिलता का दोषी पाया गया। उन्हें प्रशासनिक आधार पर गाजियाबाद से स्थानांतरित कर पावर कॉरपोरेशन से सम्बद्ध किया गया है।

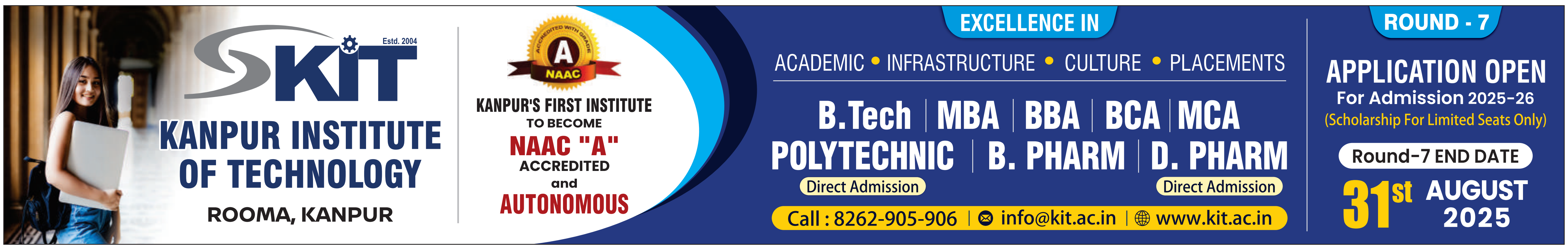

न्यूज ब्रीफ

झींझक में ट्रेन से कटकर युवक की मौत

मंगलपुर। थाना क्षेत्र के कस्बा झींझक में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची जीआरपी ने छानबीन की। डेरापुर थाना क्षेत्र के अंतापुर गांव निवासी शैलेंद्र बाबू (22) सोमवार रात झींझक में रेलवे लाइन पार करते समय खंभा नंबर 1081/32 के पास डाउन लाइन पर किसी ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची जीआरपी चौकी पुलिस झींझक ने शव को कब्जे में लेकर जांच की और सूचना परिजनों को दी। जिसपर परिजनों में कोहराम मच गया। जीआरपी चौकी इंचार्ज झींझक अर्पित तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

फाइलेरिया उन्मूलन पर प्रेसवार्ता आज

कानपुर देहात। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम से संबंधित प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन आज दोपहर 12 बजे कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी माती सभागार में किया जाएगा। यह जानकारी सीएमओ डॉ. एके सिंह ने देते हुए बताया कि इस दौरान फाइलेरिया के लक्षण, बचाव व उन्मूलन संबंधी जानकारी दी जाएगी।

पुलिस ने वांछित को किया गिरफ्तार

पुखरायां। चौकी इंचार्ज पुखरायां शोभित कटियार ने बताया कि भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 अहरौली शेख निवासी हर्ष प्रताप उर्फ रजत कई मामलों में वांछित चल रहा था। मंगलवार को उन्हें सूचना मिली कि वह कहीं भागने की फिराक में भोगनीपुर चौराहे पर खड़ा है। जिसपर उन्होंने पुलिस बल के साथ उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेजा है।

ऐतिहासिक धरोहर के आसपास अतिक्रमण

कानपुर देहात। अकबरपुर नगर पंचायत के ऐतिहासिक शुक्ल तालाब के मुख्य गेट के आसपास जिम्मेदारों की अनदेखी से अवैध रूप से दुकानदार व ठेलियां संचालकों का अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। जिससे वहां पूरा दिन जाम की स्थिति रहती है। साथ ही कटरा ऐमा, भुगनियापुर, जमालपुर, बलभद्रापुर समेत दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में दिक्कत उठानी पड़ती है। यह दुकानदार नगर पंचायत को बिना कर अदा किए लोगों ने खाद्य पदार्थों की बिक्री में मनमाने रुपये वसूलते हैं। इसके बावजूद नगर पंचायत के जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित गांव में सभी व्यवस्थाएं की जाएं दुरुस्त : प्रभारी मंत्री

- प्रभारी मंत्री ने बाढ़ प्रभावित गांवों में वितरित की राहत सामग्री
- कहा, पशुओं के लिए चारा व चिकित्सा व्यवस्था का रखें ध्यान

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। शासन के निर्देश पर जिले के प्रभारी मंत्री ने दूसरे दिन भी बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर लोगों से संवाद किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित गांवों में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की।

मंगलवार को जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने भोगनीपुर तहसील अंतर्गत बाढ़ प्रभावित ट्योगा, क्योंटरा, बाढ़ शरणालय केंद्र क्योटरा व तहसील सिकंदरा के बैजामऊ गांव का दौरा कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ पीड़ित परिवारों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को जाना और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को शीघ्र एवं पर्याप्त राहत उपलब्ध कराई जाए और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने बाढ़ आपदा से बचाव के लिए डीएम कपिल सिंह को निर्देश दिए। डीएम ने जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में प्रभरी मंत्री को विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार आपदा की घड़ी में जनता के साथ खड़ी है और किसी भी पीड़ित को असहाय नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रभावित परिवार को खाद्य सामग्री, स्वच्छ पेयजल एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। राहत शिविरों में साफ-सफाई, शौचालय एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था रहे। बच्चों, वृद्धों एवं महिलाओं की विशेष देखभाल की जाए। पशुओं के लिए चारा व चिकित्सा की व्यवस्था पूर्ण रहें। इसमे लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रभारी मंत्री ने घर-घर जाकर राहत किट वितरित करने पर क्षतिग्रस्तघरों की सूची तैयार कर मरम्मत कराने समेत अन्य निर्देश दिए। इस दौरान एसपी अरविंद मिश्र, सीडीओ लक्ष्मी एन., एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने बैजामऊ में जाना बाढ़ पीड़ितों का हाल

- **राजपुर।** जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने मंगलवार शाम को सिकंदरा तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित बैजामऊ बांगर का निरीक्षण कर वहां के हालात का जायजा लिया और प्रभावित लोगों की समस्याओं को जाना। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से कहा कि अब जलस्तर कम हो रहा है। इससे बीमारी होने का खतरा ज्यादा है। सभी लोग पानी को उबालकर पिएं। उन्होंने सिकंदरा एसडीएम शालिनी उत्तम से प्राथमिकता के आधार पर बाढ़ पीड़ितों की फसल व आवास के नुकसान का आंकलन कराने को कहा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान आदि मौजूद रहे।

बाढ़ पीड़ितों से जानकारी लेते प्रभारी मंत्री डॉ. संजय निषाद। अमृत विचार

ट्रैक्टर-ट्रॉली में गृहस्थी के सामान के साथ सवार वृद्धा।

बाढ़ प्रभावित गांव का जायजा लेते सीएमओ डॉ. एके सिंह व अमरौधा पीएचसी प्रभारी डॉ. अरुणेंद्र प्रताप। अमृत विचार

बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुआ घर। अमृत विचार

5 दिनों से बाढ़, नहीं मिल रहा राशन

घरों में बाढ़ का पानी भरने से लोगों का जीवन दूभर, दहशत और दर्द के बीच दिन-रात काट रहे पीड़ित

संवाददाता राजपुर

अमृत विचार। यमुना नदी की तलहटी पर बसे जैसलपुर व महदेवा गांव के लोग हर साल बाढ़ का दर्द झेलते हैं, लेकिन इस बार त्रासदी की सारी हदें टूट गईं। चारों तरफ से पानी से घिरा गांव और घरों में बाढ़ का पानी भरने से लोगों का जीवन दूभर हो गया है। एक तरफ जहरीले कीड़े-मकोड़ों व मकान ढहने की दहशत और दूसरी तरफ भीगने से खाद्य सामग्री और कपड़ों के सड़ने से खाने-पहनने की किल्लत हो गई है। जिसके बीच बाढ़ पीड़ितों दहशत और दर्द के बीच दिन-रात कट रहे हैं।

यमुना नदी में बाढ़ से जैसलपुर व महदेवा गांव में करीब 70 घरों में बाढ़ का पानी भर गया था। यमुना का जलस्तर घटने पर पानी भरे रहने से महदेवा व जैसलपुर में करीब 25 घर ढह गए हैं। लोग खुद तो छत पर समय काट रहे हैं, लेकिन मवेशियों को रहने के लिए जगह नहीं है। कमोबेश यही हाल गौहानी, बैजामऊ व भुपैय्यापुर गांव का है। इन गांवों में भी बीस से अधिक मकान बाढ़ के पानी से घिरे रहने से गिरने लगे हैं। जैसलपुर गांव की सुनीता, विनीता, विलासा, शीतला, गुडडू, माया आदि ने बताया कि बस्ती के 20 परिवारों के करीब 120 लोग बाढ़ की दुश्वारियां झेल रहे हैं।

कच्चे मकानों में रखी गृहस्थी पूरी तरह तबाह हो गई है। अनाज, राशन, कपड़े व खाने-पीने का सामान नष्ट हो गया है। उनको सरकारी इमदाद के नाम पर महज खानापूरी की जा रही है। गृहस्थी को दोबारा कैसे बसाएंगे, यही चिंता बाढ़ पीड़ितों को रात दिन सताए जा रही है।

गंदगी और बदबू से परेशान बाढ़ पीड़ित

- जैसलपुर व महदेवा गांव में बाढ़ के घिरे रास्तों का पानी उतरने पर कीचड़ की समस्या हो गई है। बाढ़ में बहकर आई गंदगी से दुर्गंध उठ रही है। ग्रामीणों को बीमारियां फैलने का डर सता रहा है। महदेवा गांव के रामऔतार, शैलेंद्र, अंगूरी देवी, अनीता, प्रमोद बाबू ने बताया कि अभी सफाई कार्य नहीं कराया गया है। जिससे चारों ओर उठ रही सड़ांध से बीमारियां फैलने का अंदेशा है।

गृहस्थी के साथ बाढ़ में उजड़ गए सपने

- जैसलपुर गांव में करीब 30 घर बाढ़ के पानी से भरे थे। अब घरों व बस्तियों से पानी उतरने के बाद बाढ़ पीड़ित लोग बहे अपने बर्तनों व अन्य सामान को ढूंढ रहे हैं। यह लोग भीगा गेहूं-चावल तो सुखा रहे हैं, लेकिन काला पड़ चुका यह अनाज अब खाने योग्य नहीं रहा है। बाढ़ में बहने या अधिकतर हिस्से के क्षतिग्रस्त होने के कारण झोपड़ियां भी अब रहने लायक नहीं रह गई हैं। इन्हें दोबारा बनाने में समय और पैसे दोनों की जरूरत है। लोगों को अभी शासन-प्रशासन से किसी प्रकार की मदद तो दूर आश्वासन तक नहीं मिला है। जैसलपुर गांव की दलित बस्ती की गनेशी देवी, गुडडी, शीतला, सुनीता, विलासा देवी आदि ने बताया कि बाढ़ के पानी में गृहस्थी के साथ ही उनके सपने में डूब गए हैं। राहत शिविर दूसरे गांव महदेवा में बनाया गया है। उन्हें प्रशासन की ओर से भोजन और राहत सामग्री नहीं मिली है। हालांकि बस्ती में अधिकारी आते हैं। शुरू में बाढ़ चौकी से दिन में तीन दिन तक लंच पैकेट मिले थे, लेकिन अब उसके लिए भी मोहताज हैं। ऐसे में परिवार का पेट नहीं भर पा रहा है। आसपास के लोगों से कुछ राशन लाकर बच्चों के पेट भर रहे हैं।

गंदा पानी पीने को मजबूर दलित बस्ती के वाशिंदे

- जैसलपुर गांव के बाल कृष्ण ने बताया कि बाढ़ की चपेट में आने से हैंडपंप से दूषित पानी आ रहा है। जल जीवन मिशन के तहत महदेवा गांव में बनाई गई पानी की टंकी से पूरे गांव के लोगों के कनेक्शन कर दिए गए, लेकिन दलित बस्ती में अभी कनेक्शन नहीं किए गए हैं। जिससे गंदा पानी पीना पड़ रहा है।

खड़े ट्राला में भिड़ा ट्रक एक घंटे जाम रहा हाईवे

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार। हाईवे पर रनियां पड़ाव पर कानपुर-इटावा लेन पर ट्रक चालक के अचानक ब्रेक लगाने पर पीछे से दूसरा ट्रक भिड़ गया। जिससे भिड़ने वाले ट्रक का चालक घायल हो गया। हादसे के चलते हाईवे पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। जिससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

जनपद लखनऊ के महिलाबाद निवासी दशरथ यादव ट्रक में भाड़ा लादकर झांसी की ओर जा रहा था। तभी मंगलवार सुबह रनियां पड़ाव पर नेशनल हाईवे की कानपुर से इटावा जाने वाली लेन पर आगे चल रहे ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक मार दी। जिससे पीछे चल रहा ट्रक उसमे भिड़ गया। जिससे ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने थाना पुलिस व डायल 112 पर सूचना दी, लेकिन रनियां पुलिस काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंच सकी। वहीं डायल 112 पुलिस ने मौके पर जाकर घायल चालक को हाईवे एंबुलेंस से मेडिकल कालेज अकबरपुर भेजा। हादसे के चलते हाईवे की इटावा लेन पर यातायात बाधित हो गया और वाहनों की लंबी-लंबी कतार लग गई। जिससे चालकों व यात्रियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। बाद में रनियां थाना पुलिस ने मौके पर जाकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हाईवे किनारे कराया। जिसपर करीब एक घंटे बाद यातायात फिर से सुचारू हुआ। थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि ट्रक को किनारे कराकर यातयात सुचारू करा दिया गया है।

हाईवे पर जाम में फंसे वाहन।

थाना पुलिस घटना से रही अंजान

- भिड़ंत के बाद हाईवे पर जाम से जहां एक ओर लोग बेहाल नजर आए। वहीं दूसरी तरफ एसओ समेत पूरा थाना घटना से अंजान नजर आए। डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस तो तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन थाना पुलिस अंजान बनी रही। उच्चाधिकारियों से लेकर मीडिया को सटीक जानकारी होने में घंटों समय लगा। रनियां एसओ मौके के इतर सहकर्मियों से जानकारी लेकर अफसरों को सूचना देते रहे।

खराब सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त कराएं

कानपुर देहात। पुखरायां में व्यापारी के घर हुई चोरी का खुलासा होने व अन्य समस्याओं का निराकरण करने के लिए उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने एसपी से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस के सराहनीय कार्य पर एसपी का फूल-माला व प्रतीक चिंह देकर सम्मानित किया। मंगलवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार के प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश संगठन मंत्री नीरज मिश्रा, जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू, सिकंदरा नगर अध्यक्ष अजय बाजपेयी व नगर अध्यक्ष व्यापार मंडल पुखरायां (पीड़ित व्यापारी) नितेश गुप्ता तथा जिलाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल अनुभव अग्रवाल अन्य व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी अरविंद मिश्र के साथ बैठक की। इस दौरान पुलिसिंग व ट्रैफिक व्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृंण करने के लिए सुझाव मांगे और व्यापारियों को अपने सीसीटीवी कैमरों को दुरस्त रखने की सलाह दी गई।

ट्रेनी डॉक्टर की लापरवाही से महिला की जाते बची जान

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात ट्रेनी डाक्टर की लापरवाही से सर्पदंश की शिकार वृद्ध महिला की जान पर बन गई। महिला के परिजनों ने ट्रेनी डाक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है।

राजपुर क्षेत्र के खोजारामपुर गांव निवासी श्रीप्रकाश की पत्नी चमेली (48) को घर में काम करने के दौरान सांप ने डस लिया था। बेटा सुमित सिंह मां को लेकर राजपुर पीएचसी पहुंचा। जहां ट्रेनी डाक्टर मनोज सर्राफ ने करीब बीस मिनट तक शिकार महिला को बैठाए रखा। उसके बाद करीब 15-20 मिनट तक ट्रेनी डॉक्टर महिला के दोनों हाथों में वीगो लगाने का प्रयास करतीं रहीं, लेकिन नाकाम रहीं। जिससे महिला की हालत बुरी तरह से बिगड़ गई। मौके की नजाकत भांप ट्रेनी डॉक्टर ने महिला को आनन-फानन मेडिकल कालेज अकबरपुर रेफर कर अपनी जान छुड़ाई। ट्रेनी डॉक्टर की लापरवाही की जानकारी पर लोगों में भारी आक्रोश दिखा। बता दें कि राजपुर पीएचसी में पिछले कई महीनों से अव्यवस्थाएं हावी हैं और डॉक्टरों की मनमानी जारी है। ऐसे में लोगों में आक्रोश बना हुआ है।

सरसों तेल, सोनपापड़ी के भरे नमूने

कानपुर देहात। खाद्य विभाग की टीम ने दूसरे दिन भी दुकानों में छापेमारी अभियान चलाया। डेरापुर व झींझक क्षेत्र की चार दुकानों से सरसों तेल, सोनपापड़ी, मिल्क केक, सेवई समेत अन्य खाद्य पदार्थों का नमूना भरा गया। 27 लीटर सरसों तेल सीज किया गया।

मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश चंद्र, सुबोध कुमार व अरविंद कुमार गौड़ की टीम ने मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार पांडेय के साथ डेरापुर तहसील क्षेत्र के मुंगीसापुर में मे. अजय किराना स्टोर पर छापेमारी कर नमूने भरे। वहीं रतनियापुर में कारोबारी जय सिंह के यहां से सरसों तेल, रिफाइंड पॉमोलीन व सोनपापड़ी का नमूना भरते हुए मिलावट की आशंका 27 लीटर सरसों तेल सीज किया। झींझक क्षेत्र के करियाझाला में कारोबारी देवेश सिंह की मिठाई दुकान से मिल्क के व झींझक के द्वारिकागंज में कारोबारी अमित पोरवाल के यहां से सेवई का नमूना भरा गया।

बैठक

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर सीडीओ ने बैठक में दिए निर्देश

तिरंगा वितरण की डोर-टू-डोर बनाएं योजना

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। हर घर तिरंगा अभियान को जनपद स्तर पर प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिए विकास भवन में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सीडीओ ने कहा कि हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना व स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ को गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक बनाना है।

मंगलवार को बैठक में सीडीओ लक्ष्मीं एन. ने निर्देश दिए कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। पंचायत स्तर पर तिरंगा वितरण के लिए डोर-टू-डोर योजना बनाएं। झंडा निर्माण में स्थानीय भागीदारी, स्वयं सहायता समूह व कुटीर उद्योगों को जोड़ा जाए। जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले। प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान के लिए रैलियां, प्रभात फेरी, पोस्टर, बैनर, सोशल मीडिया पोस्ट, जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी को भारतीय ध्वज संहिता के नियमों की जानकारी देकर यह सुनिश्चित किया जाए कि तिरंगे का प्रयोग सम्मानजनक तरीके से हो। तिरंगा वितरण के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत, वार्ड, विद्यालय एवं कार्यालय के लिए नोडल अधिकारी नामित किए जाएं, वितरण, संकलन एवं सत्यापन का कार्य देखेंगे। सभी परिषदीय, माध्यमिक एवं निजी विद्यालयों में तिरंगा गीत, भाषण, निबंध लेखन की स्पर्धा कराई जाएं।

तिरंगा यात्रा को लेकर बैठक करतीं सीडीओ लक्ष्मीं एन.। अमृत विचार

लापता किशोर को लखनऊ पुलिस ने परिजनों को सौंपा

रूरा (कानपुर देहात)। थाना क्षेत्र के अंबरपुर गांव के रहने वाले रामपाल गौतम उड़ीसा में रहकर मजदूरी करते हैं। करीब दो माह पूर्व उनका बारह वर्षीय पुत्र शिवा घर से बिना बताए कहीं लापता हो गया था।

जिसकी उन्होंने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बीती 18 जुलाई को शिवा थाना हजरतगंज जनपद लखनऊ को मिला। जिसपर हजरतगंज पुलिस ने उसे चाइल्ड हेल्प केयर को सुपर्द कर दिया था। मंगलवार को लखनऊ से पहुंची चाइल्ड हेल्प केयर टीम ने किशोर को अंबरपुर गांव में उसके चाचा धर्मेंद्र व नन्हे के सुपर्द कर दिया।

जिला जज के हाईकोर्ट का न्यायमूर्ति बनने पर बुके देते अधिवक्ता। अमृत विचार

हाईकोर्ट न्यायमूर्ति बनने पर जिला जज को दी गई बधाई

कानपुर देहात। माती जिला एवं सत्र न्यायालय के जिला जज तेज प्रताप तिवारी को न्यायमूर्ति इलाहाबाद हाईकोर्ट बनाए जाने पार मंगलवार को एकीकृत बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने फूल-माला पहनाकर बधाई व भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर राजपाल यादव, देवेंद्र मिश्रा, भोला, गौरव यादव, प्रसून सचान, लोकेंद्र सिंह, योगेंद्र सिसोदिया, विजय मिश्रा, विजय लक्ष्मी, संजीव यादव, राममूर्ति कुशवाहा, प्रदीप विश्वकर्मा, अंशु बाजपेयी, उदय दत्त शुक्ला, अदीप गौतम समेत अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

युवक ने फंदा लगा कर दी जान

संवाददाता पुखरायां। पुखरायां कस्बा के पानी की टंकी के समीप एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने छानबीन की। वहीं फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए।

भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बा में जल निगम की पानी टंकी के पीछे खड़े पेड़ों पर एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुखरायां चौकी इंचार्ज शोभित कटियार ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल की और जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई।

मतदाता सूची से अपात्र लोगों के नाम हटाये जायें : एसडीएम

बीएलओ की शिकायत नहीं होगी बर्दाश्त, हर घर से जोड़े जायेंगे नए मतदाता

संवाददाता बिल्हौर

- एसडीएम बिल्हौर ने मातहतों के साथ बैठक कर दिये निर्देश
- त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन को लेकर तैयारियां शुरू

मातहतों को निर्देशित करते उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित। अमृत विचार

अमृत विचार। मंगलवार को बिल्हौर उपजिलाधिकारी कार्यालय में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2026 की तैयारियों को लेकर उपजिलाधिकारी कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिहीन ढंग से संपन्न कराना सुनिश्चित करना रहा। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा हुई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करें: बैठक में सभी मतदान केंद्रों की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई। उप जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि केंद्रों पर बिजली, पानी, शौचालय, रैंप और फर्नीचर जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त हों। यदि कहीं कोई कमी है, तो उसे तत्काल प्रभाव से दूर किया जाए । उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें । उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव की तैयारियों में किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। इस मौके पर नायाब तहसीलदार रंजीत यादव ,बीडीओ यशवीर सिंह , एडीओ पंचायत राकेश दीक्षित ,भीष्म नरायन सिंह , मुकेश कुमार , बीईओ रवि कुमार सिंह ,कमलेश गुप्ता आदि अधिकारी गण मौजूद रहे ।

बीएलओ की नियुक्ति के दिये निर्देश

- उप जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की आधारशिला माने जाने वाले बीएलओ की नियुक्ति जल्द से जल्द कर ली जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि नियुक्त किए गए बीएलओ कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

सूची का पुनरीक्षण कार्य ठीक से करें

- इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य पूरी तरह से पारदर्शी और सही होना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल हो और अपात्र लोगों के नाम हटा दिए जाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए।

बिल्हौर में सपाइयों ने जयंती पर छोटे लोहिया को किया याद

संवाददाता बिल्हौर

समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाते सपाई। अमृत विचार

अमृत विचार । सपा के दिग्गज नेता जनेश्वर मिश्र की जंयती पर जगह जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद सपाइयों ने उनके बताये रास्ते पर चलते का आह्वान किया।

सपा नेता जनेश्वर मिश्र की जंयती पर एक समारोह का आयोजन किया गया। यहां पर तमाम सपाई मौजूद रहे । सपाइयों ने जनेश्वर मिश्र के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन किया। वहीं सपा के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सभा को संबोधित किया। इस दौरान सैकड़ों कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, युवाओं और समाज के प्रबुद्ध जनों ने भाग लिया। अपने संबोधन में विनय यादव ने कहा कि जनेश्वर मिश्र ने देश की राजनीति को नई दिशा दी। वे गरीब, मजदूर, किसान, पिछड़े और वंचित वर्गों के सच्चे हितैषी थे, जिन्होंने संसद से सड़क तक जनता के हक की लड़ाई लड़ी। उन्होंने लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं को आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। विनय यादव ने कार्यकर्ताओं से जनेश्वर मिश्र के विचारों को आत्मसात कर समाजवादी आंदोलन को सशक्त बनाने और उनके पदचिह्नों पर चलते हुए समाजसेवा व जनकल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

- सपाइयों ने जनेश्वर मिश्र के चित्र पर किया माल्यार्पण
- कार्यकर्ताओं ने उनके पदचिह्नों पर चलने का लिया संकल्प

वहीं बिल्हौर में समाजवादी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भी 'छोटे लोहिया' जनेश्वर मिश्र की जयंती पूर्व जिलाध्यक्ष निर्भय सिंह यादव की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम सभी समाजवादियों और नौजवानों को जनेश्वर मिश्र से सीखना चाहिए कि वे बड़े पदों पर रहते हुए भी निस्वार्थ भाव से हमेशा सिखाने का काम करते रहे। साथ ही, निर्भय सिंह यादव ने जनेश्वर मिश्र को देश का एक महान नेता बताया।

उन्होंने जनेश्वर जी को सच्चा समाजवादी, जनसंघर्ष का प्रहरी बताया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर यादव जी, साहिर हुसैन ज़ाफ़री, शैलेन्द्र सिंह यादव, आशीष सिंह चटरू प्रदेश सचिव, कुलदीप यादव, नवीन यादव, अरशद सिद्दीकी नगर अध्यक्ष सहित कई अन्य प्रमुख समाजवादी साथी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

आदर्श बिक्र फील्ड में रुद्राभिषेक आज

घाटमपुर। श्रावण मास के पवित्र महीने में रेउना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आदर्श बिक्र फील्ड में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आज रुद्राभिषेक व भंडारे का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम संयोजक उत्कर्ष सचान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रुद्राभिषेक के साथ महा भंडारे का आयोजन किया गया है। भंडारे व रुद्राभिषेक में क्षेत्र के सभी शिव भक्तजन शामिल होंगे। साथ ही रुद्राभिषेक के बाद महाप्रसाद भी ग्रहण करेंगे। इस भंडारे और रुद्राभिषेक का आयोजन समाजसेवी आदर्श सचान व उनकी धर्मपत्नी के द्वारा किया जाता है। उन्होंने क्षेत्र के सभी शिव भक्तों से रुद्राभिषेक व भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए आने की अपील की है।

धोखाधड़ी के आरोपी दंपती गिरफ्तार

बिधनू। गोपाल नगर निवासी शिवम यादव ने 10 जुलाई 2024 को स्वर्ण जयंती विहार निवासी सागर सिंह व उनकी पत्नी रत्ना के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। उसने आरोप लगाया था कि आरोपित दंपती ने उससे मकान बेचने के नाम पर 24 लाख 17 हजार रुपये ले लिए थे। इसके बाद वे दोनों मकान की रजिस्ट्री किये बिना फरार हो गए थे। पीड़ित उनके घर गोविंद नगर पहुंचा तो उनकी मां और भाई ने कोई जानकारी देने से इंकार कर दिया। खुद के संग धोखाधड़ी की आशंका होने पर मुकदमा दर्ज कराया था। रविवार को पुलिस ने आरोपित दंपती को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया।

युवती नकदी, जेवर लेकर फरार

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे के धर्मेश्वर बाबा मोहल्ला निवासी एक युवती नकदी, जेवर लेकर दोस्त के साथ फरार हो गई है। युवती की मां की तहरीर पर पुलिस ने युवती को भगाकर ले जाने का मुकदमा दर्ज किया है। धर्मेश्वर बाबा मोहल्ला निवासी एक महिला ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री घर में रखे एक लाख नब्बे हजार रुपये एवं 800 ग्राम चांदी, 10 ग्राम सोने के जेवरात लेकर बांदा जिले के पैलानी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवक के साथ फरार हो गई है।

किशोरी को अज्ञात युवक भगा ले गया

बिवांर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी की मां ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि सपरिवार दिल्ली में रहकर मजदूरी करने का कार्य करते हैं। मंगलवार को दोपहर को मौका के मिलने पर अज्ञात युवक उसकी 17 वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। किशोरी को गायब पाकर तलाश किए जाने पर सुराग नहीं लग रहा है। परेशान होकर मां ने अज्ञात युवक के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। महिला कांस्टेबल ने बताया कि दोनों की तलाश कर अज्ञात युवक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवक को आधा दर्जन युवकों ने पीटा

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के कुर्रा रोड पर घूम रहे एक युवक को आधा दर्जन युवकों ने जमकर पीटा। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। कस्बे के फरसौलियाना मोहल्ला निवासी विकास पुत्र चंद्रशेखर ने बताया कि सोमवार की शाम करीब 6 बजे वह वह कुर्रा रोड पर घूम रहा था। उसी दौरान आधा दर्जन युवकों ने उसे रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। जब उसने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जमकर पीटा। जिससे उसके शरीर पर चोटों के निशान आ गए।

अस्पताल में खड़ी घास-फूस। अमृत विचार

बिधनू स्वास्थ्य केंद्र में चारों ओर अव्यवस्थाएं

संवाददाता बिधनू

अमृत विचार। बिधनू स्वास्थ्य केंद्र के मरीजों का इलाज करने वाले अस्पताल में खुद अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। अस्पताल में पर्ची काउंटर से लेकर जच्चा-बच्चा वार्ड तक गंदगी ही गंदगी फैली हुई है। जोकि स्वच्छता के दावों को फेल साबित कर रही है।

बिधनू स्वास्थ्य केंद्र में चारों तरफ फैली गंदगी फैली हुई है। इसके चलते अस्पताल आने वाले मरीजों के साथ-साथ उनके तीमारदारों पर भी संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद भी अस्पताल प्रबंधन इससे अंजान बना हुआ है। बिधनू अस्पताल में हर रोज लगभग 600 से अधिक मरीज पहुंचते हैं। अस्पताल में फैली गंदगी मरीजों की मुश्किल बढ़ा रही है। मंगलवार को अमृत विचार की टीम अस्पताल में सफाई व्यवस्था की पड़ताल करने पहुंची। इस दौरान इमरजेंसी वार्ड के शौचालयों का सीवर नाली में बहता मिला। इससे उठने वाली दुर्गंध से मरीजों का हाल बेहाल है। वहीं जच्चा-बच्चा वार्ड के बाहर पीछे की तरफ बिखरे और सड़ रहे कूड़े से नवजात और प्रसूताओं में संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है।

मालौं क्रॉसिंग के निकट गड्ढे बने मुसीबत

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार । कस्बे की मालौं रेलवे क्रॉसिंग के समीप हुए बड़े-बड़े गड्ढे राहगीरों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। बारिश के चलते गड्ढों में पानी भर जाने से लोग इनकी गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं । परिणामस्वरूप राहगीर प्रतिदिन गिरकर चोटहिल हो रहे हैं। समस्या को देखते हुए लोगों ने गड्ढों की भरपाई यथाशीघ्र कराये जाने की मांग उच्चाधिकारियों से की है। वहीं जिम्मेदार आंखें मूंद कर बैठे हुए हैं।

जीटी रोड से जुड़े मालौं सहज्योरा संपर्क मार्ग पर कस्बे में रेलवे क्रॉसिंग के निकट काफी समय से बड़े बड़े गड्ढे बन गये हैं। वहीं बारिश के चलते इन गड्ढों में पानी भर गया है। इसके चलते इन गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता है। ऐसे में दो पहिया वाहन चालक प्रतिदिन इन गड्ढों में गिरकर चोटहिल हो रहे हैं। वहीं राहगीरों की समस्याओं को नजरअंदाज करते हुए जिम्मेदार अधिकारी अपनी आंखें मूंदकर बैठे हुए हैं।

पानी व कीचड़ भरे गड्ढे से गुजरता बाइक सवार। अमृत विचार

- गड्ढों में गिरकर आयेदिन राहगीर हो रहे चोटहिल,जिम्मेदार बेखबर

समस्या के बाबत ओम नगर निवासी मनोज अग्निहोत्री, गोपालू शुक्ला, बृजमोहन सिंह, प्रशांत चौरसिया, मालौं निवासी गुड्डू मिश्रा, गजेनपुर के शिव कुमार त्रिपाठी,सरायं छीतम के कालिका प्रसाद अवस्थी आदि ने बताया कि उक्त रेलवे क्रॉसिंग से क्षेत्र के ओम नगर, बजरहा पुरवा, मालौं, गजेनपुर ,देवपालपुर,नाढ़ूपुर,निवादा, सरैयां, उमरी ,सहज्योरा व रघुनाथपुर आदि दर्जनभर से अधिक गांवों के लोगों का प्रतिदिन आवागमन रहता है। इसके अलावा इन गांवों से बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं पढ़ने के लिए कस्बा स्थित विद्यालयों में साइकिल द्वारा आते जाते हैं।

ऐसे में पानी भरे गड्ढे बच्चों के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं। समस्या को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय लोगों ने गड्ढों को जल्द से जल्द भरवाने की प्रशासन से गुहार लगाई है।

बकाया भुगतान को लेकर राइस मिलर्स करेंगे प्रदर्शन

संवाददाता, चौबेपुर

- 13 अगस्त को पीसीएफ मुख्यालय पर होगा प्रदर्शन

अमृत विचार । प्रदेश के किसी भी जनपद में राइस मिलर्स के विभिन्न मदों का भुगतान न किये जाने को लेकर मिल संचालक परेशान हैं। बकाया भुगतान को लेकर राइस मिलर्स आगामी 13 अगस्त को लखनऊ स्थित पीसीएफ मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे।

विनय शुक्ला।

उक्त जानकारी देते हुए द यूपी राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष व क्षेत्र के गौरी लक्खा गांव निवासी विनय शुक्ला ने बताया कि जिला प्रशासन के दबाव में राइस मिलर्स से धान कुटाई का कार्य लिया जाता है। भुगतान मांगने पर पीएससी के अधिकारी आनाकानी करते हैं। जबकि मिल संचालकों का समस्त भुगतान एफसीआई द्वारा पीएससी को समय पर प्राप्त हो जाता है। भुगतान न हो पाने से राइस मिलर्स विगत 10 वर्षों से नुकसान उठा रहे हैं। समस्या को लेकर संगठन द्वारा कई बार पीसीएफ अधिकारियों से अपनी पीड़ा बताई गई, लेकिन नतीजा सिफर रहा।

विनय शुक्ला ने कहा कि धान सुखाई, कुटाई परिवहन आदि विभिन्न मदों का भुगतान न हो पाने से मिलों का संचालन कर पाना अब बेहद मुश्किल हो रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि यदि एक दिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद 8 दिन के अंदर बकाया भुगतान नहीं किया गया तो, राइस मिलर्स अनिश्चितकालीन तक धरना प्रदर्शन करने को विवश होंगे, जिसकी जिम्मेदारी पीसीएफ विभाग की होगी।

फसलों में लगने वाले रोगों के बारे में बताया

संवाददाता , चौबेपुर

किसानों को संबोधित करते अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। क्षेत्र के चंपतपुर गांव स्थित राजकीय पौधशाला में वन ब्लॉक वन क्रॉप योजना के तहत मंगलवार को कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दे, किसानों से इसका लाभ लेने की बात कही।

चंपतपुर गांव स्थित राजकीय पौधशाला में आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कानपुर मंडल के उपनिदेशक मुकेश कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। उद्यान विभाग के माध्यम से वन ब्लॉक वन क्राप योजना के तहत उत्पादित फसल को बाहर बेचकर उचित मूल्य हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने किसानों से इसका लाभ लेने की बात कही। वहीं कार्यक्रम में मौजूद कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के उद्यान वैज्ञानिक अरुण कुमार ने कृषि विभाग द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं पर चर्चा कर किसानों को खेती किसानी के गुर सिखाए। इस दौरान फसलों में लगने वाले तरह तरह के रोगों व उसके समाधान के बाबत पूछे गए सवालों के जवाब भी किसानों को दिए। कार्यक्रम में उद्यान निरीक्षक अखिलेश मिश्रा,पशुधन प्रसार अधिकारी अनिल कुमार ,राम जी व प्रधान प्रतिनिधि विनोद कठेरिया सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

अपात्र समूहों को राशन दुकान से जोड़ने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। मौदहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिसोलर के सदस्यों ने रिक्त सरकारी राशन दुकान के चयन प्रक्रिया में अपात्र समूहों द्वारा कार्यवाही रजिस्टर में छेड़छाड़ करने व फर्जी दस्तावेज तैयार करने का आरोप लगाते हुए डीएम को ज्ञापन देकर जांच करने की मांग की है।

ग्राम पंचायत सिसोलर के सदस्य गोकुल, दीपक, सीता देवी, मलखान प्रजापति, जीतेन्द्र, हेमंत, सुनील, शिवबरन, बाबूराम, वेद प्रकाश आदि ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि उनके ग्राम सिसोलर में रिक्त सरकारी राशन की दुकान के चयन के लिए सोमवार को खुली बैठक की गई थी। जिसमें चयन प्रक्रिया में रजिस्टर्ड समूह को वरीयता दी जानी चाहिए, लेकिन खुली बैठक में अपात्र समूहों के भी आवेदन लिए गए। समूह द्वारा कार्यवाही रजिस्टर में छेड़छाड़ कर सदस्यों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें समूह में जोड़ा है। प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

मंदिर को लेकर दो पक्षों में खींचतान

बिवांर (हमीरपुर)। विकासखंड मुस्करा के महेरा गांव में देवी मंदिर की देखरेख किए जाने के लिए गांव की कमेटी बनी हुई है। जिसमें गांव का शत्रुघ्न पुत्र दिबिया राजपूत अध्यक्ष है। वहीं विपक्ष ने दूसरी कमेटी बनाकर रजिस्ट्रेशन कराकर गांव के भरत कुमार राजपूत को अध्यक्ष बना दिया है। दोनों पक्ष मंदिर में अपना वर्चस्व जता रहे हैं। पहले पक्ष ने मामले को अदालत में ले गया है। मंदिर में अधिकार के जमाने को लेकर मामला थाने की चौखट में पहुंच गया। पुलिस ने बताया किए दोनों पक्ष को मंदिर की देखरेख की सहमति दी गई है।

परेशानी

जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से दो सौ साल पुरानी बाजार के दुकानदारों की चौपट हो रही दुकानदारी

अतिक्रमण व जलभराव से जूझ रहे कहिंजरी बाजार के दुकानदार

कार्यालय संवाददाता कानपुर देहात

अमृत विचार। करीब दो सौ वर्ष पुरानी कहिंजरी बाजार का अतिक्रमण और गंदगी से भरी नालियां दुकानदारों के लिए अभिशाप बनी हुई हैं। कई बार शिकायत के बावजूद अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिससे परेशान दुकानदारों ने डीएम से समस्या समाधान कराने की मांग की है।

रसूलाबाद-कानपुर रोड स्थित कहिंजरी कस्बे में करीब दो वर्षों से बाजार लगती चली आ रही है। आसपास ग्रामीण अंचलों से जुड़े होने के कारण इस बाजार में आभूषण, कपड़े, परचून, मोबाइल समेत अन्य जरूरत की दुकानें हैं, लेकिन बाजार में अतिक्रमण व गंदगी से पटी नालियां व सड़कों पर बहते गंदे पानी से आने वाले ग्राहकों को परेशानी होती है। साथ ही दुकानदारों की बिक्री प्रभावित होती है। दुकानदारों ने कई बार समस्या को अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकल सका। व्यापारी किसनचंद्र गुप्ता, कृष्ण गोपाल गुप्ता, छुन्नू शर्मा, राजा गुप्ता, सोनू, रवींद्र गुप्ता, राघव अग्निहोत्री, रामजी गुप्ता, पंकज सविता, पप्पू गुप्ता, आशीष सोनी, दीपक सोनी, लालजी गुप्ता आदि ने बताया कि कहिंजरी बाजार के मुख्य मार्ग में पूरे वर्ष पानी से भरा रहता है। वहीं बारिश के समय तो घुटनों तक पानी भर जाता है। जिससे ग्राहकों का आना-जाना मुश्किल हो जाता है। अगर सड़क को ऊंचा कर बनवा दिया जाए और नालियों से अतिक्रमण हटावा कर सफाई करा दी जाए तो जलभराव नहीं होगा। इस बावत बीडीओ विपुल विक्रम सिंह ने कहा कि एडीओ पंचायत व सचिव से बात कर निर्देशों का पालन न करने के बावत जानकारी की जाएगी। समस्या का समाधान कराया जाएगा।

कहिंजरी बाजार में कीचड़ व जलभराव से निकलते राहगीर। अमृत विचार

एक साल पहले मिली थी आश्वासन की घुट्टी

- क्षेत्रीय दुकानदारों ने बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व 22 जुलाई 2024 को एडीओ पंचायत जयप्रकाश शुक्ला ने कहिंजरी का निरीक्षण करते हुए गंदगी हटवाने व बाजार की नालियों की साफ-सफाई कराने का आश्वासन दिया था। उन्होंने ग्राम प्रधान इसरोज को अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी करने के लिए कहा था, लेकिन अभी तक न अतिक्रमण हट सका और न ही किसी को नोटिस जारी हुई।

फूड अधिकारी ने व्यापारी को जड़ा थप्पड़

कार्यालय संवाददाता इटावा

- व्यापारियों ने अधिकारियों की गाड़ी घेर कर किया हंगामा

अमृत विचार : थाना ऊसराहार तिराहे पर मिठाई का नमूना लेने के दौरान असिस्टेंट कमिश्नर फूड ने दुकानदार को कालर पकड़कर खींचा फिर थप्पड़ जड़ दिया, जिससे व्यापारियों में रोष व्याप्त हो गया और व्यापारियों ने उन्हें घेर लिया लेकिन वे मौका पाकर भाग गए।

मिठाई की दुकान पर नमूना भरने गए असिस्टेंट कमिश्नर फूड से व्यापारी ने उनका परिचय पूछ लिया। इससे नाराज असिस्टेंट कमिश्नर फूड ने मिठाई व्यापारी को थप्पड़ जड़ दिया। व्यापारी की पिटाई से नाराज सैकड़ों व्यापारियों ने असिस्टेंट कमिश्नर फूड की कार को घेर लिया और उन्हे थाने ले जाने के लिए कार के सामने खड़े हो गए। मौके पर पहुची पुलिस ने भी उन्हे थाने चलने के लिए कहा लेकिन वह सभी अपनी कारो को मौके से लेकर निकल गए। पीड़ित व्यापारी ने मारपीट करने को लेकर थाने में मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है।

मंगलवार को अस्सिटेंट कमिश्नर फूड राजेश द्विवेदी अपनी कार के साथ दो अन्य प्राईवेट कारों से ऊसराहार में चेकिंग करने पहुंचे। तिराहे पर राजीव कौशल की मिठाई की दुकान पर पहुंचते ही सभी ने राजीव की दुकान को घेर लिया। इससे पहले दुकानदार कुछ समझ पाता और उसको अपना परिचय दिये बिना उसके काउंटर से मिठाई निकाल ली। इसपर दुकानदार ने पूछा आप कौन हैं। इतना सुनते ही अस्सिटेंट कमिश्नर का पारा चढ़ गया। इसके बाद उन्होंने कालर पकड़ कर दुकानदार को बाहर खींच लिया और उसके थप्पड़ जड़ दिया। सरे बाजार हुई इस घटना से व्यापारीयो मे आक्रोश फैल गया। जानकारी होते ही ऊसराहार थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने भी उनसे थाने चलने के लिए कहा, राजेश द्विवेदी ने थाने चलने के लिए कहा तो गाड़ी के आगे खड़े लोगों ने रास्ता दे दिया रास्ता मिलते ही राजेश द्विवेदी थाने न जाकर मौके से भाग गए जिसके बाद नाराज व्यापारियों ने थाने पहुंचकर पूरे मामले में पिटाई करने व धमकाने को लेकर असिस्टैंट कमिश्नर व सहयोगियों के विरुद्ध तहरीर दी। व्यापार मंडल अध्यक्ष संतोष चौहान ने कहा व्यापारी को पीटने का हक किसी को नहीं है।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

आवास विकास के प्लाट लेने का मौका

आवेदन शुरू, कानपुर मंडल की अलग-अलग योजनाओं में लॉटरी के माध्यम से ले सकेंगे प्लाट

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। यूपी आवास विकास परिषद अपनी योजनाओं में खाली पड़े प्लॉट को ई-नीलामी से बेचेगा। विभाग ने कानपुर मंडल की अलग-अलग योजना में 113 प्लॉट निकाले हैं। जिसके लिए मंगलवार से ऑनलाइन आवेदन भी शुरू हो गए। शहर में अंबेडकरपुरम योजना 3, योजना नंबर 2 में आवासीय, एचआईजी और सिंगल स्टोरी प्लॉट शहरवासी ले सकेंगे। इसके अलावा मंडल में इटावा और झांसी में भी योजना में एमआईजी और उससे छोटे आवासीय प्लॉट खरीद सकेंगे। 21 अगस्त तक आवासीय योजना के लोग विभाग की वेबसाइट पर पंजीकरण कराकर 22 अगस्त को ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे।

यूपी आवास एवं विकास परिषद की पिछले दिनों हुई बोर्ड की बैठक में शहर की फ्लैट योजना में 40 फीसदी छूट देने की घोषणा की गई थी। जिसके बाद वर्षों से खाली पड़े फ्लैटों को बेचने की तैयारी शुरू हुई है। वहीं, अब फ्लैट के अलावा खाली प्लॉट को भी बेचने की शुरुआत हो गई है। आवास विकास के अधिकारियों ने अपनी योजनाओं में खाली प्लॉट को सूचीबद्ध किया था। अब इनको बेचने के लिए लॉटरी प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है।

113 कुल प्लॉट हैं अलग-अलग शहरों में | **83** सर्वाधिक प्लॉट हैं इटावा की योजना में | **21** अगस्त तक पंजीकरण कराने का मौका

3, 2 और स्टडी टाइप टू फ्लैट भी खाली

- आवास विकास परिषद ने गंगा एन्क्लेव में 3 बीएचके टाइप 1, टाइप 2, 2 बीएचके टाइप 1 और स्टडी टाइप टू फ्लैट निर्मित किए हैं। जिनकी अधिकतम कीमत 56 .42 लाख और न्यूनतम कीमत 42 .79 लाख है। इसी तरह ब्रह्मावर्त अपार्टमेंट में टाइप एफ-82 2 बीएचके भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल और तृतीय तल प्रकार के फ्लैट बनाए गए। जिनकी अधिकतम कीमत 54 .41 लाख और न्यूनतम 47 .11 लाख रुपये थी। अब जल्द ही नई योजना के तहत इस कीमत में 40 फीसदी तक छूट मिल सकती है।

शहर की दो योजनाओं में खाली 2 दर्जन प्लॉट

आवास विकास की अंबेडकरपुरम योजना 3, योजना नंबर 2 में 2 दर्जन आवासीय प्लॉट निकाले गए हैं। इसमें 135 से 242 स्क्वॉयर मीटर तक के प्लॉट हैं। जिसमें एचआईजी, सिंगल स्टोरी, रेजीडेंसियल प्लॉट शामिल हैं। कीमत की बात करें तो 41 लाख से 3 .53 करोड़ तक प्रॉपर्टी की कॉस्ट है। जो नीलामी प्रक्रिया में बढ़ भी सकती है।

इटावा की स्पिनिंग योजना में सबसे ज्यादा प्लॉट

आवास विकास परिषद के कानपुर मंडल में आने वाले इटावा और झांसी में भी आवासीय प्लॉट के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इटावा की स्पिनिंग योजना में सबसे ज्यादा 83 प्लॉट निकाले गए हैं। वहीं, झांसी की भूमि विकास एवं ग्रहस्थान योजना 3 में सबसे कम 13 प्लॉट निकाले गए हैं। अधिकारियों के अनुसार यदि ई-नीलामी में एक बोली आती है तो फिर से ई नीलामी प्रक्रिया होगी।

पिता के अंतिम दर्शन न कर पाया तो ट्रेन के आगे कूदा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाने के गम में युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। दो दिन पहले नौबार में शामिल होने युवक गांव आया था। बाल मुड़वाने के बाद परिजनों से बिना बताए घर से चला गया और फतेहपुर रेलवे लाइन पर ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। युवक की पांच माह पहले ही 22 फरवरी को शादी हुई थी। उसकी पत्नी बेसुध हो गई। घर में 15 दिन के अंदर दूसरी मौत से परिवार में मातम छा गया।

अनिल साहू।

नर्वल के सिकठिया गांव निवासी 25 वर्षीय अनिल साहू मुंबई में एल्युमिनियम फैक्ट्री में काम करता था। 22 फरवरी को साढ़ के बरईगढ़ की रहने वाली सेजल से उसकी शादी हुई थी। शादी के 20 दिन बाद वह पत्नी को लेकर मुंबई चला गया था। गांव में मां शारदा, पिता रामपाल व दो बड़े भाई नीरज और मुकेश रहते हैं। भाई मुकेश के अनुसार 26 जुलाई को उसके पिता की अचानक मौत हो गई थी। पिता के निधन की सूचना अनिल को दी गई थी, इस पर उसने एक दिन बाद पहुंचने की बात कही थी। लेकिन परिजनों व रिश्तेदारों ने शव रोकने से मना किया और अंतिम संस्कार कर दिया गया था। इसकी खबर पाकर अनिल तीन अगस्त को नौबार से एक दिन पहले गांव आया। सोमवार को बाल मुड़वाने के बाद बिना किसी को कुछ बताए शाम चार बजे घर से निकल गया। साढ़े पांच बजे उसके ट्रेन के आगे कूदने की खबर मिली। हादसे की खबर पाकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पति का शव देखकर सेजल बेसुध हो गई। परिजनों ने बताया कि पिता के अंतिम दर्शन न करने पाने के कारण अनिल दुखी थी।

घटना की जानकारी देते परिजन।

- 26 जुलाई को पिता की व नौबार के दिन बेटे की मौत से कोहराम

सिटी ब्रीफ

जाजमऊ चेकपोस्ट पर लोडर खराब, लगा जाम

कानपुर। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर मंगलवार शाम लखनऊ जा रहा एक लोडर जाजमऊ चेकपोस्ट पर खराब हो गया। जिससे जाम लग गया। करीब एक घंटे बाद लोडर ठीक हुआ तो यातायात सुचारू हो सका। लोडर जाजमऊ से लखनऊ जा रहा था। अचानक चेकपोस्ट के पास खराब होने पर बीच सड़क पर खड़ा हो गया। धीरे-धीरे वाहनों की लाइन लगने लगी। सर्विस लेन की तरफ से आने वाले वाहनों को भी जाम से जूझना पड़ा। सूचना पर जाजमऊ पुलिस पहुंची और वाहनों को निकलवाना शुरू किया।

अतिक्रमण व अवैध विज्ञापन हटाए

कानपुर। नगर निगम ने मंगलवार को शहर के सभी जोनों में अतिक्रमण और अवैध विज्ञापन हटाने का अभियान चलाया। जोन 1 में कैनाल रोड, नरौना चौराहा, घसियारी मंडी से घंटाघर चौराहे तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया। बेनाझाबर पुलिया चौकी से चुन्नीगंज बस स्टेशन तक एवं वशीरगंज ढाल से लक्कर मंडी तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया। दोनों ही जगह स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण एवं नों वेडिंग जोन में लगे ठेले, टीन शेड, गुमटी, टूटर, पक्की दुकानों को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही जुर्माना भी वसूला गया।

ट्रेन के इंजन पर बैठकर रील बनाई, वीडियो वायरल

कानपुर। हत्या के प्रयास व लूट के आरोपी ने ट्रेन के इंजन में बैठकर रील बनाया, यह वीडियो सोशल मीडिया पर मंगलवार को वायरल हुआ। आरोपी युवक अंकित सिंह शास्त्रीनगर का है जो आपराधिक प्रवित्त का बताया गया है। आरोपी के खिलाफ इलाके के ही रहने वाले युवक ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की है।

शास्त्रीनगर निवासी अंकित सिंह चंदौली का मंगलवार को एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह ट्रेन का इंजन आपरेट करते व चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। उसने इसकी रील बनाई है। वायरल वीडियो की शिकायत शास्त्रीनगर के ही भारतेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है। भारतेंद्र का कहना है कि देश में इतने रेल हादसे हो रहे हैं, ऐसे में आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति ट्रेन के इंजन में बैठकर रील बना रहा है। काकादेव थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है।

फर्जीवाड़े से डेढ़ करोड़ का ट्रांजेक्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आरोपी सगे भाइयों ने बंद फर्म के फर्जी कागजात तैयार कर खोला था बैंक खाता
- इनकम टैक्स का नोटिस आने पर फर्म मालिक ने डीसीपी सेंट्रल से की शिकायत

अमृत विचार। रायपुरवा में फर्म मालिक ने दो पार्टनरों पर बंद हो चुकी फर्म के फर्जी कागजात तैयार कर बैंक में खाता खोलकर करोड़ों के लेनदेन का आरोप लगाया है। इनकम टैक्स का नोटिस आने पर मामले की जानकारी हुई। फर्म मालिक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रायपुरवा के तेजाब मिल कैंपस निवासी वरुण जायसवाल के अनुसार 2011 में उन्होंने मेसर्स सैंड स्टोन इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म खोली थी। जिसमें उनके अलावा फर्म के तीन और पार्टनर शीला जायसवाल, रेलबाजार के फेथफुलगंज निवासी सगे भाई विनोद कुमार शर्मा और अतुल थे। उन्होंने बताया कि उस समय फर्म का कोई भी खाता नहीं खुला था। फर्म खुलने के दो माह बाद ही विनोद और अतुल के व्यवहार में बदलाव आने लगा। इस पर उन्होंने वाणिज्य कर विभाग में जाकर फर्म का पंजीकरण निरस्त करा दिया और फर्म बंद कर दी। बीती 28 मई को उनके पास इनकम टैक्स का नोटिस आया। तब उन्हें पता चला कि विनोद और अतुल ने बंद फर्म के फर्जी कागजात तैयार कर बैंक खाता खोला था। वर्ष 2020-21 में उससे 1.46 करोड़ का ट्रांजेक्शन किया है। उन्होंने शिकायत डीसीपी सेंट्रल से की। रायपुरवा थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

ADVERTISEMENT

समाज के स्वास्थ्य हेतु समर्पित 27 साल

डॉ. उमेश पालीवाल
प्रबन्ध निदेशक
पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा.लि.

जीवन की सबसे अनमोल चीज हैं 'खुशियां और सेहत'। इन दोनों ही चीजों को संभालकर रखना बेहद मुश्किल काम है। आज की भागमभाग जिंदगी में दिन-रात मशीन की तरह काम करके इंसान परिवार के लिए छोटी-छोटी खुशियां तो जुटा लेता है, लेकिन इस बीच अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाता है। पिछले 27 वर्षों से समाज की सेहत की जिम्मेदारी को काफी हद तक बखूबी अपने कंधों पर उठा रहा है 'पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा० लि०'। महंगी होती चिकित्सा सेवाओं के दौर में भी पालीवाल डायग्नोस्टिक्स स्वस्थ समाज के महत्व को ध्यान में रखते हुए आम आदमी के बजट में उच्च कोटि की डायग्नोस्टिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रतिदिन 24 घंटे उपलब्ध करा रही है।

27 वर्ष, 24 लैब, 250+ कलेक्शन सेंटर व 270+ पिकअप पॉइंट्स के साथ सभी प्रकार की जॉचें:

एक छत के नीचे अधिकतर जांचों की उच्च श्रेणी की बेहतर सुविधा दी जा सके, इसलिए डॉ. मृदुला पालीवाल आरआईए लैब की स्थापना के पहले भाभा एटॉमिक सेंटर, मुंबई प्रशिक्षण लेने गयीं और ऐसी जांचों के लिए शहर की पहली लैब की स्थापना की। इसके बाद प्रदेश में पहली बार पूर्णतः ऑटोमेटिक केमिल्यूमिनीसेंस तकनीक वाली मशीन लगायी गई। इसी प्रकार कई मशीनें तथा तकनीक शहर व प्रदेश में पहली बार पालीवाल डायग्नोस्टिक में उपयोग की गई। रक्त पैथोलॉजी, बायोप्सी, साइटोलॉजी, मल, मूत्र, वीर्य, बलगम आदि की अधिकांश जांचों के साथ एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, डॉप्लर, सीटी स्कैन, ईसीजी, टीएमटी, इकोकार्डियोग्राफी, ईईजी, ऑडियोमेट्री, बेरा, पीएफटी, विजन जांच, ओ.सी.टी. आदि जांचों को अपनी नयी लैब जे.के. मंदिर के सामने, पांडु नगर में स्थापित कर शुरू की। दूर-दराज के लोगों को तथा घर के निकट गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएं कम समय व कम कीमत में उपलब्ध कराने हेतु पालीवाल डायग्नोस्टिक द्वारा कानपुर एवं अन्य जिलों में अब तक 24 लैब व 250 से अधिक कलेक्शन सेंटर व 270 से अधिक पिकअप पॉइंट्स स्थापित किए जा चुके हैं।

सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा:

पहला सुख निरोगी काया' एवं 'हेल्थ इज वेल्थ' की कहावत का महत्व सभी को विदित है। भारतवासी हमेशा से सेहत के लिए बेहद सजग थे, लेकिन चिंता का विषय है कि विकसित देशों की जीवनशैली वाली बीमारियों जैसे हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर आदि ने अब भारत में भी अपने पैर पसार लिए हैं और भारत इन बीमारियों का विश्व में केंद्र बनता जा रहा है। अधिक उम्र में होने वाली ये बीमारियां अब कम उम्र में होने लगी हैं। पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड में लगभग सभी तरह के स्वास्थ्य परीक्षण उपलब्ध हैं, यहां की खास बात यह भी है कि न सिर्फ रक्त व अन्य बॉडी सैम्पल बल्कि एक ही छत के नीचे डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, ई.सी.जी., टीएमटी., कार्डियक डॉप्लर उपलब्ध है। इनके द्वारा पूरे शरीर जैसे हृदय, किडनी, लिवर, थायरॉइड, फेफड़े तथा विटामिन, डायबिटीज, कैंसर आदि बीमारियों के बारे में पहले से पता लगाया जा सकता है। यह सभी जांच काफी छूट पर (लागत दाम पर भी) सर्वसुलभ हैं।

सर्वोच्च गुणवत्ता हमारी प्राथमिकता:

चिकित्सा क्षेत्र में जरा सी चूक बहुत भारी पड़ सकती है। कुछ वर्ष पहले तक डॉक्टर नाड़ी, आला, शारीरिक परीक्षण तथा मरीज की तकलीफ पूछकर ही अधिकतर बीमारियों की पहचान कर इलाज करते थे, परंतु आधुनिक युग में अनेक नयी बीमारियों के आने से नयी जांचों द्वारा ही बीमारी का इलाज संभव है। जांचों की सहायता से इलाज का समय भी कम हो गया है तथा गंभीर बीमारियों में त्वरित निर्णय लेना भी संभव हुआ है। इन दिनों इलाज के लिए चिकित्सक जांचों पर काफी कुछ निर्भर है। ऐसे में जाचों की गुणवत्ता भी बहुत जरूरी हो गई है, क्योंकि इसमें कमी होने पर इलाज में कमी रह सकती है और इलाज गलत भी हो सकता है। अतः प्रारंभ से ही पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने गुणवत्ता को निरंतर बढ़ाने तथा उसे बनाये रखने का पूरा प्रयास किया है। इसके लिए सभी क्वालिटी कंट्रोल जैसे इंटरनल क्वालिटी कंट्रोल, इंटरलैब क्वालिटी कंट्रोल तथा एक्सटरनल क्वालिटी कंट्रोल का उपयोग भली प्रकार किया गया है। बायोरेड जैसे विश्व के सर्वश्रेष्ठ एक्सटर्नल क्वालिटी कंट्रोल प्रोग्राम में भागीदारी भी प्रदेश में पहली बार पालीवाल डायग्नोस्टिक द्वारा की गई है, जिससे रिपोर्ट को लगातार क्वालिटी में विश्व की सर्वश्रेष्ठ लैबों के समकक्ष रखने में सहायता मिली। लैब ने अपनी गुणवत्ता के प्रमाणन व स्थायित्व के लिए काफी वर्ष पहले ही आईएसओ (ISO) तथा एनएबीएल (NABL) भी करा लिया था।

आजकल देखने में आया है कि कई ऐसी लैब भी खुल गई हैं, जो बिना मानक पूरे किये, पेशेवर रवैया न अपनाते हुए केवल व्यवसाय ही कर रही हैं। अतः जांच कराने से पहले हमें यह परख लेना चाहिए कि लैब प्रमाणित हो, जैसे एनएबीएल (NABL) तथा पैथोलॉजिस्ट द्वारा ही चलायी जा रही हो अथवा पैथोलॉजिस्ट की पर्याप्त उपलब्धता हो।

24 घंटे सेवा उपलब्ध:

पालीवाल डायग्नोस्टिक्स निरंतर प्रतिदिन 24 घंटे समाज की सेवा के लिए उपलब्ध रहती है। हर समय उपलब्धता के कारण मरीजों को इससे बहुत फायदा मिला है, खासकर गंभीर मरीजों को इसका बहुत अधिक लाभ मिल रहा है, क्योंकि अधिकतर बीमारियों की गंभीरता की पहचान जांचों द्वारा समय पर ही हो पाती है। सामाजिक जिम्मेदारी के तहत रात्रि में या अर्जेंट रिपोर्ट में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त आपात स्थिति में भी शुल्क नहीं लिया जाता है।

सबके विश्वास से प्राप्त कर रहे हैं लक्ष्य:

डॉ. उमेश व डॉ. मृदुला पालीवाल हमेशा यह मान कर जाँचें करते हैं कि उनकी अपनी या अपने प्रिय लोगों की जाँचें हो रही हैं अथवा उन्हें खुद इन्ही जाँचों के आधार पर मरीजों का इलाज करना है। इस प्रकार इलाज करने वाले चिकित्सकों को रिपोर्ट का पैटर्न व गुणवत्ता पसंद आयी तथा उनका एवं मरीजों का विश्वास बढ़ता गया। आप लोगों के शुभाशीष से 27 वर्षों से हर वर्ष कम्पनी ने प्रगति की व अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। विगत 8 वर्षों से कम्पनी भारत सरकार द्वारा सीएसआर कम्पनी के रूप में चिन्हित है और अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है और आगे भी करती रहेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि.
117/एच-1/02 पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर के सामने, कानपुर

27 स्वर्णिम वर्ष 1997-2025
27 साल से अधिक आपका विश्वसनीय हेल्थ मित्र
24 घंटे लैब सेवा
पालीवाल डायग्नोस्टिक्स (प्रा.) लि. सहयोग डॉ. लाल पैथलैब्स

पालीवाल
डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य लैब : 117/एच-1/02, पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर के सामने, कानपुर-05
फोन : 0512-2335500, 2235821, 2232962

"बुखार से परेशान"?
इन्तजार नहीं, जाँच करवाएं
घर से सैम्पल कलेक्शन 60 मिनट में
• सही निदान के लिए डॉक्टर से परामर्श अवश्य करायें •

मलेरिया और टाइफाइड — फीवर पैनल बेसिक
मलेरिया, टाइफॉइड, डेंगू और अन्य वायरल बुखार — फीवर पैनल प्लस

विश्वस्तरीय क्वालिटी आकर्षक दरों पर किफायती स्वास्थ्य परीक्षण
24 उत्कृष्ट लैब्स | 250+ कलेक्शन सेंटर्स | 270 + पिकअप पॉइंट्स | 10 लाख कुल पेशेंट प्रतिवर्ष (2024-25) में

हमारी व्यापक रेंज
Fever PANELS
मात्र ₹ 650/- से आरम्भ

परीक्षण में शामिल
डेंगू | मलेरिया | वायरल | यूरीन आर/ई | मियादी बुखार
● समय पर रिपोर्ट ● समय पर घर से नमूना-संग्रह ● एन.ए.बी.एल. प्रमाणित

स्वस्थ पैनल करायें, टैक्स बचायें
टैक्स बेनिफिट अन्डर सेक्शन 80 डी
हमारे विभिन्न किफायती हेल्थ पैकेजेस में से आज ही चुनें, अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाईन नं. पर संपर्क करें।
होम कलेक्शन/हेल्पलाईन नं.
9305028499, 7311130006, 9336843141

सभी जाँचें एक छत के नीचे
सुविधाएं
NABL & ISO CERTIFIED LAB
✦ सी.टी. स्कैन ✦ कलर डॉप्लर ✦ ऑडियोमेट्री
✦ पैथोलॉजी ✦ इको कार्डियोग्राफी ✦ टी०एम०टी०
✦ ओ०पी०जी० ✦ आई एण्ड ईयर ✦ ई०ई०जी०
✦ एक्सरे (डिजिटल) ✦ अल्ट्रासाउन्ड ✦ पी०एफ०टी०

customercare.pdpl@lalpathlabs.com   www.paliwaldiagnostics.in

मुख्य शाखा लैब **परख** डायग्नोस्टिक सेन्टर
सी.टी. स्कैन, एक्सरे, अल्ट्रासाउन्ड व सभी पैथोलॉजी जाँचें
37/17 वेस्टकॉट बिल्डिंग कैम्पस, द मॉल, कानपुर
फो.: 0512-2363605, 2304005, 9919406571

साउथ ब्रान्च
मातृ छाया बिल्डिंग
621/37, W-2 बर्रा
निकट सचान गेस्ट हाउस
फोन: 9335093357, 9838900770

सिटी ब्रीफ

महिला जनसुनवाई आज सर्किट हाउस में

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी की अध्यक्षता में महिला उत्पीड़न से जुड़ी घटनाओं की समीक्षा एवं महिला जनसुनवाई का आयोजन 6 अगस्त को दोपहर 1:30 बजे सर्किट हाउस, कानपुर के सभागार में किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर जनसुनवाई और समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाएगी, जिसमें महिलाओं से संबंधित समस्याओं को सीधे सुना जाएगा और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि आयोग की यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जिसके माध्यम से पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता प्रदान की जा सकेगी।

आनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर हड़पी रकम

कल्याणपुर। रावतपुर के केशवपुरम गायत्री पार्क कैंपस निवासी अतींद्र भट्टाचार्य के मुताबिक अक्टूबर 2024 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हे वाट्सअप काल कर आन लाइन ट्रेडिंग कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। शातिर ने फर्जी ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाकर निवेश के नाम पर उससे 1 लाख 52 हजार रुपए हड़प लिए। घटना के संबंध में पीड़ित ने न्यायलय की शरण ली थी। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि साइबर सेल की मदद से मामले की जांच की जा रही है।

पति ने बिना तलाक लिए की दूसरी शादी

कानपुर। कैंट की महिला ने पति पर उसे बगैर तलाक दिए दूसरी शादी करने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई है। लाल कुर्ती तोपखाना निवासी संध्या देवी के अनुसार जून 2010 में बर्रा विश्व बैंक निवासी वीरेंद्र उर्फ नीरज से उसकी शादी हुई थी। 2014 से उसका पति से घरेलू हिंसा का मामला कोर्ट में चल रहा है, जो विचाराधीन है। इस बीच उन्हें जानकारी हुई कि पति वीरेंद्र ने किसी दूसरी महिला से शादी कर ली है। आरोप है कि इस काम में पति, ससुरालियों के साथ शादी करने वाली युवती भी दोषी है। थाना प्रभारी अरविंद राय ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर महिला के आरोपों की जांच की जा रही है।

पुराने विवाद में युवक को राड से पीटा

कानपुर। चकेरी के काशीराम कालोनी फेस-टू सनिगवां निवासी मुजमिल के अनुसार बीती तीन अगस्त को काम करके ऑटो से घर जा रहे थे। रास्ते में ऑटो से उतरकर पैसे देने लगे, तभी पुराने विवाद में पड़ोसी अर्पित, वंदन, आदित, छोटू, रोहन व अमित समेत 8-10 युवक दूसरे ऑटो से आए और उतरकर उससे गाली-गलौज कर पीटने लगे। आरोपियों ने लोहे की राड से मारापीटा। जिससे उनके गंभीर चोटें आई। हो-हल्ला होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

खारजा नहर में मिला युवक का शव

कानपुर। दादानगर के नौरैयाखेड़ा स्थित खारजा नहर में मंगलवार सुबह 35 वर्षीय युवक का शव उतराता मिला। सूचना पाकर पहुंची गोविंदनगर पुलिस ने जांच-पड़ताल की। इसके बाद गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया गया। पुलिस शव की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। नहर के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि युवक के बारे में कोई जानकारी नहीं है। गोविंदनगर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि नहर में शव बहकर आने की भी संभावना है।

कई मोहल्लों में और सड़कों पर फिर भरा पानी

दूसरे दिन भी तेज बारिश से फिर जलभराव, सड़कों पर रेंगी गाड़ियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मंगलवार को फिर हुई तेज बारिश से शहर के कई मोहल्ले फिर जलमग्न हो गए। लेकिन, सोमवार की अपेक्षा पानी तेजी से निकला। करीब 2 घंटे की तेज बारिश के बाद पानी धीमे हुआ और सड़कों से पानी निकलना शुरू हो गया। खराब सड़कों और गड्ढों में भरा पानी परेशानी का सबब बना रहा। कई जगह नालों की सिल्ट तक उतराने लगी। घनी आबादी वाले मोहल्लों के साथ ही नवविकसित क्षेत्रों के घरों व दुकानों में भी पानी घुस गया। मर्दनपुर में रॉयल सिटी में बारिश से जलभराव हो गया। यहां लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो गए।

गड्ढे बने परेशानी के सबब: जीटी रोड सहित पूरे शहर की सड़कों के छोटे-बड़े गड्ढे भी इस बारिश के मौसम में परेशानी का सबब बने हुए हैं। जीटी रोड में तेजाब मिल कैंपस मोड़ से जरीब चौकी की तरफ, अनवरगंज डाकखाना के पास, द्वारिकापुरी ढाल से गुमटी रोड, कोकाकोला चौराहे से गोल चौराहे की तरफ, रावतपुर मेट्रो स्टेशन, गीतानगर, गुरुदेव चौराहे से कल्याणपुर मेट्रो स्टेशन तक जगह-जगह गड्ढों में पानी भरा रहा। इससे वाहन सवारों को आवागमन में दिक्कत हुई। कई दुपहिया वाहन सवार इन गड्ढों में जाकर गिर भी गए।

शहर के दिल मालरोड पर भी जलभराव। अमृत विचार

सबसे पॉश इलाके बिरहाना रोड में भी पानी भरा। अमृत विचार

यहां जलभराव

- गांधीनगर, कौशलपुरी, शास्त्रीनगर, विजयनगर, गांधीग्राम, दहेली सुजानपुर, जाजमऊ, आचार्य नगर, कुली बाजार, पनकी, गंगागंज, अंबेडकरनगर, महाबलीपुरम, गोविंदनगर, चावला मार्केट, नौघड़ा कपड़ा बाजार, किदवईनगर आदि।

बीच सड़क गिरा पेड़

जूही खलवा पुल से बारिश का पानी तो निकल गया लेकिन मंगलवार सुबह मिलिट्री कैंप चौराहा के पास एक बड़ा पेड़ बीच सड़क पर गिर गया। इससे बारादेवी से अफीमकोठी को जोड़ने वाला मार्ग बाधित हो गया। दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर मार्ग बंद किया।

सीसामऊ टैपिंग प्वाइंट का गेट चौड़ा करें

- नगर आयुक्त ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण
- यशोदा नगर चौराहे के पास संपवेल बनाने को कहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बारिश में शहर के जलभराव की स्थिति जानने के लिए मंगलवार को नगर आयुक्त सुधीर कुमार अधिकारियों के साथ निरीक्षण पर निकले। सीसामऊ टैपिंग प्वाइंट पर मुख्य अभियंता ने नगर आयुक्त को बताया कि यहां जल निकासी गेट की चौड़ाई केवल एक मीटर होने से अधिक बारिश होने पर आसपास के क्षेत्र में जलभराव हो जाता है। गेट से जल निकासी ठीक से नहीं हो पा रही। इस पर नगर आयुक्त ने गेट को 2.5 मीटर चौड़ा कराने के निर्देश दिए। इस कार्य में 71 लाख की अनुमानित लागत से प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। प्रस्ताव को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) योजना में सम्मिलित करने को कहा। नगर आयुक्त को परमट में स्थिति सामान्य मिली। वीआईपी रोड से बिरहाना रोड तक के मार्ग पर साफ-सफाई, जल निकासी व ट्रैफिक मूवमेंट की स्थिति की समीक्षा की। आरबीआई नाले में जलभराव की गंभीर स्थिति मिली। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि संपर्क नाला का निर्माण कराया जाए। यशोदा नगर चौराहे के समीप संपवेल का निर्माण कराया जाए। इसके माध्यम से पानी को पंप कर सीओडी नाले में भेजा जाए। मुख्य अभियंता को प्रस्ताव बनाने को कहा।

सीसामऊ टैपिंग प्वाइंट का निरीक्षण करते नगर आयुक्त। अमृत विचार

जेडएसओ सफाई के बाद दोपहर तक करें मॉनीटरिंग

- **कानपुर।** नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कई वार्डों का निरीक्षण कर कूड़ा उठान, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण व कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया। सुबह 6 बजे से 10 बजे तक वार्ड संख्या 26, 24, 62, 58 एवं 28 में अधिकारी पहुंचे और डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की समीक्षा की। कहा कि जोनल स्वच्छता अधिकारी एवं रवीश विभाग की टीम दोपहर 12 बजे तक नियमित मॉनिटरिंग करें। देखें कि वार्डों में कूड़ा संग्रहण एवं नालियों की सफाई हो रही है या नहीं। जोन 2 स्थित जाजमऊ चौराहे पर निरीक्षण के दौरान अनधिकृत अतिक्रमण, ठेले एवं अस्थायी दुकाने लगी पाई गईं। नगर निगम प्रवर्तन दल ने सभी को हटा दिया। जोन-3 अंतर्गत मेट्रो स्टेशन के पर फूलमण्डी क्षेत्र में क्षेत्रीय नागरिकों ने गंदगी की शिकायत की, इसपर नगर आयुक्त ने पर्यावरण अभियंता, जोनल अभियंता जोन-3 एवं जोनल स्वच्छता अधिकारी को सफाई कराते हुए फूलमंडी को कहीं और स्थानांतरित करने निर्देश दिए। राम गोपाल चौराहे के पास ग्रीनबेल्ट और बेनाझाबर में भी सफाई की गई।

कार-टेंपो की टक्कर में चालक की मौत, दो घायल

कानपुर। कैंट में झाड़ी बाबा पुल के पास तेज रफ्तार कार चालक ने टेंपो में सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कार सहित भाग निकला। गंभीर अवस्था में टेंपो चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार टेंपो में सवार दो सवारियां भी घायल हुईं, जिन्हें परिजन इलाज के लिए ले गए। कार चालक का पता लगाया जा रहा है।

उन्नाव के नरेंद्रनगर छोटा चौराहा निवासी 61 वर्षीय विमल कुमार कानपुर से उन्नाव के बीच टेंपो चलाते थे। परिवार में पत्नी सुशीला देवी, बेटा अमित कुमार और दो बेटियां हैं, जो शादीशुदा हैं। अमित के अनुसार सुबह छह बजे पिता घर से टेंपो चलाने निकले थे। उन्नाव स्टैंड पर सवारियां बैठाकर सुबह सात बजे फूलबाग के लिए आ रहे थे। शुक्लागंज पुल पार करके वह ढलान पर थे, तभी सामने से आए तेज रफ्तार कार चालक ने टक्कर मार दी। ठोकर लगने पर टेंपो पलट गया। सवारियों में चीख-पुकार मच गई। तभी चालक ने कार की गति तेज कर दी और भाग निकला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची कैंट पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को खबर दी। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने चालक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार दो सवारियां भी घायल हुई हैं। कार और चालक के बारे में पता किया जा रहा है।

कारोबारी से 3.63 लाख का फ्राड

- राजकोट के मैक्स पाली पैक कंपनी का प्रतिनिधि बताकर की ठगी
- मोबाइल स्विचऑफ मिलने पर कारोबारी को ठगी का हुआ अहसास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। साइबर ठग फ्राड के नए-नए तरीके अजमा रहे हैं। नौबस्ता में बोरी बनाने वाले कारोबारी को माल सप्लाई का झांसा देकर साइबर ठगों ने तीन लाख ठग लिए। जब कारोबारी ने माल के लिए संपर्क किया तो मोबाइल स्विचऑफ मिलने पर ठगी का अहसास हुआ। इस पर पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। नौबस्ता पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ठगी की जांच शुरू की है।

किदवईनगर के वाई-ब्लाक निवासी सलिल त्रिपाठी की मां बारादेवी पैकेजर्स के नाम से फर्म है। सलिल के अनुसार बीती 24 जुलाई को उनके पास एक अंजान व्यक्ति की कॉल आई। उसने अपना नाम मैहुल बताया। बताया कि गुजरात के राजकोट से मैक्स पाली पैक कंपनी से है और बोरी बनाने का कपड़ा (पीपी फैब्रिक) की आपूर्ति करता है। बातचीत में उसने माल सप्लाई की बात कही और फोन पर ही 3.63 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। उसने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया था। पैसे भेजने के लिए उसने राजकोट के मैरोड स्थित एचडीएफसी बैंक का अकाउंट नंबर दिया।

उन्होंने दो बार में तीन लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए। बाकी रकम माल मिलने के बाद भुगतान करने की बात कही। रुपये ट्रांसफर करने के बाद उन्होंने उसी नंबर पर संपर्क करने की कोशिश की तो वह लगातार स्विचऑफ बताता रहा। इस पर ठगी का अहसास होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी शरद तिलारा ने बताया कि जांच कर रुपये वापस कराने का प्रयास किया जा रहा है।

खाते से दो बार में 1.10 लाख रुपये उड़ाए

कानपुर। गोविंदनगर में परचून दुकानदार के खोए मोबाइल से साइबर ठगों ने 1.10 लाख रुपये उड़ा लिए। मैसेज आने पर दुकानदार को ठगी की जानकारी हुई। गोविंदनगर पुलिस से शिकायत की है। रतनलालनगर निवासी परचून दुकानदार मुकेश गुप्ता के अनुसार बीती एक अगस्त को उनका मोबाइल गिर गया था, जिसकी ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद चार अगस्त को बैंक खाते से रुपये निकालने पहुंचे तो जानकारी हुई कि उनके खाते दो बार में रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। दुकानदार के अनुसार न तो उनके पास एटीएम है और न ही ऑनलाइन बैंकिंग करते हैं। इसके बाद भी खाते से कैसे रुपये निकल गए। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से की। गोविंदनगर थाना प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि दुकानदार का रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

बारिश से 70 से अधिक क्षेत्रों में बिजली संकट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 6-6 घंटे बिजली गुल होने से 2 लाख लोग हुए परेशान, शाम को पानी भी नहीं आया

अमृत विचार। शहर में दो दिन से हो रही बारिश के कारण कई क्षेत्र के हजारों लोगों को बिजली संबंधित समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को 100 से अधिक क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था गड़बड़ा गई थी, जबकि मंगलवार को 70 से अधिक क्षेत्रों में बिजली संबंधित समस्या होने से करीब दो लाख लोग परेशान हो गए। कुछ क्षेत्रों में बिजली बारिश से पहले ही गुल हो गई थी, जो बारिश रुकने के बाद भी नहीं आई।

शहर के बाबूपुरवा, योंगेद्र विहार, गोविंद नगर, गंगागंज, नवाबगंज, साकेत नगर, रतन लाल नगर, बर्रा दो, बंबा रोड कल्यानपुर, बर्रा विश्व बैंक सी ब्लाक, किदवई नगर के ब्लाक, आवास विकास हंसपुरम, बारासिरोही, यशोदा नगर, आर्य नगर, कर्नलगंज, खलासी लाइन, शिवकटरा, जूही, श्याम नगर, देहली सुजानपुर, पीएसी मोड व सीसामऊ बाजार समेत 70 से अधिक क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था गड़बड़ा गई। इनमे से कई क्षेत्रों में दोपहर से लेकर शाम तक बिजली पांच से छह घंटे तक नहीं रही। बिजली नहीं आने के कारण हजारों लोगों को पीने के पानी की दिक्कत हुई।

केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक सीसामऊ फीडर की फीडर की बिजली एचटी लाइन पोल से टच होने, रूपम फीडर की बिजली तेज बारिश में एचटी जंपर क्षतिग्रस्त होने, गुजैनी के सीपीडब्लूडी फीडर की बिजली तेज बारिश में एचटी लाइन पर पेड़ की डाल आने, यादव मार्केट फीडर की बिजली वितरण ट्रांसफार्मर में तकनीकी समस्या आने से गुल हो गई। जूही खलवा में पेड़ गिरने से पोल व तार टूटने, गोविंद नगर के नंदलाल में तीन वितरण ट्रांसफार्मर के एचटी जपंर में फॉल्ट होने से बिजली संबंधित व्यवधान हो गया था। इसके अलावा न्यू साकेत नगर फीडर में एचटी लाइन पर पेड़ की डाल गिरने, विश्व बैंक बर्रा के ए,बी व सी फीडर की बिजली वितरण ट्रांसफार्मर की एचटी केबिल में फॉल्ट होने, सनिगवां फीडर की बिजली एचटी लाइन पर पेड़ गिरने और उस्मानपुर फीडर की बिजली इन्सुलेटर क्षतिग्रस्त होने से कुछ समय के लिए बाधित हो गई थी, जिसको समय रहते दुरस्त कराकर आपूर्ति बहाल की गई।

सीसामऊ बाजार में बिजली मरम्मत का कार्य।

जूही खलवा पुल पर पेड़ गिरने से रास्ता हुआ बंद, टूटे बिजली के तार।

प्लाट दिलाने के नाम पर हड़पे 27 लाख रुपये, रिपोर्ट दर्ज

कल्याणपुर संवाददाता। पनकी में शातिर ने फर्जी दस्तावेज के सहारे बुजुर्ग से लाखों की रकम हड़प ली। मामले की जानकारी होने पर पीड़ित ने आरोपित के खिलाफ पनकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हनुमंत विहार खाड़ेपुर के योगेन्द्र विहार निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग राकेश कुमार पाण्डेय के मुताबिक पनकी सी ब्लाक निवासी सुशील शुक्ला ने 38 लाख में उन्हें पनकी में एक सौ वर्ग गज का प्लाट दिलाने की बात कही। प्लाट पसंद आने के बाद राकेश ने उनसे 27 लाख रुपये ले लिए। लेकिन रजिस्ट्री कराने के नाम पर वह टालमटोल करने लगा। आरोप है कि फरवरी 2024 को जांच कराने पर प्लाट किसी अन्य के नाम पर निकला। जिसपर उन्होंने जब राकेश से अपनी रकम वापस मांगी, तो उसने रुपए देने से इन्कार कर दिया। पनकी थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

प्लाट के नाम पर हड़पी रकम

कल्याणपुर। बिल्हौर के लालपुर सैबसू गांव निवासी देवीचरण के मुताबिक जनवरी 2020 में उन्होंने वीएलसीएल के मालिक बिजेंद्र सिंह चौहान से दो लाख 94 हजार का नरामऊ में एक प्लाट लिया था। जिसकी रजिस्ट्री कराने की बात पर बिजेंद्र टालमटोल करने लगा। जिससे तंग आकर उन्होंने जब अपनी रकम वापस मांगी तो बिजेंद्र सिंह चौहान उन्हें धमकाने लगा। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दालमिल करोबारी से हड़पी लाखों की रकम

कल्याणपुर संवाददाता। पनकी में एक दालमिल कारोबारी से 334 बोरी माल लेकर गए लखीमपुर के दंपती ने लाखों की रकम हड़प ली। पीड़ित कारोबारी ने आरोपित दंपती के खिलाफ पनकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुराना सीसामऊ निवासी महेश कुमार कुकरेजा की पनकी इंडस्ट्रीयल एरिया साइड दो में सोनी इंडस्ट्रीज के नाम से दालमिल है। महेश के मुताबिक लखीमपुर खीरी स्थित कुंती ट्रेडर्स फर्म के संचालक संजय गुप्ता व उनकी पत्नी अनीता ने सितंबर 2023 ने फर्म से 334 बोरी चने की दाल ली थी। जिसकी कुल कीमत 7,67,680 रुपये थी। तीन चेक दंपती ने उन्हें दी थीं लेकिन दंपती ने इन चेकों के भुगतान पर रोक लगवा दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो दंपती ने थोड़ा और समय देने की बात कही लेकिन रकम नहीं दी।

पति के सामने ही पत्नी ने फांसी लगा दी जान

- 20 मिनट में दरवाजा तोड़कर पति कमरे में पहुंचा तो सांसें थम चुकी थीं
- मायके जाने पर अड़ी थी महिला, परिजनों ने प्रताड़ना का आरोप लगाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेंडी में मायके जाने की जिद पर अड़ी महिला का पति से विवाद हुआ। इसके बाद उसने कमरे का दरवाजा बंद कर पति के सामने फांसी लगा ली। पत्नी को बचाने के लिए दरवाजा तोड़ने में पति को करीब 20 मिनट लग गए। तब तक पत्नी की सांसे थम चुकी थीं। परिजनों का कहना है कि दोनों ने प्रेम विवाह किया था, फिर भी आएदिन कलह होती थी। मायके वालों ने प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

भीमसेन निवासी कुलदीप वर्मा का चार साल पहले फतेहपुर के रुसी गांव निवासी प्रभा उर्फ राधा से प्रेम विवाह हुआ था। उनके एक बेटी यशी और बेटा यशु है। कुलदीप सीमेंट लोडिंग का काम करता है। बड़े भाई दिलीप ने बताया कि उनके बीच छोटी-छोटी बातों पर विवाद होता था। इसी कारण वह अलग रहने लगे। राधा अक्सर मायके जाने के लिए झगड़ती और कुलदीप शराब पीकर विवाद करता था। सोमवार को भी उसने मायके जाने के लिए कलह किया था। इसके बाद दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। कुलदीप ने करीब 20 मिनट दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंचा तो राधा की मौत हो चुकी थी। राधा की मां शियादुलारी, बहन सपना ने बताया कि कुलदीप शराब के नशे में मारपीट करता था। सचेंडी थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी देते परिजन।

कई बार राधा ने किया आत्महत्या का प्रयास

- कुलदीप की चचेरी बहन राखी ने बताया कि भाभी राधा विवाद कर मायके चली जाती थी। वह तीन बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थीं, लेकिन बचा लिया गया। आत्महत्या से बचाने के बाद का राधा का एक वीडियो भी दिखाया। जिसमें वह ससुरालीजनों कह रही है कि कितनी बार बचाओगे, एक न एक दिन फांसी लगा लूंगी। मेरे होने का नहीं मेरे जाने का एहसास होगा। वीडियो ने वह हर हाल में खुदकुशी करने की धमकी दे रही है।

कार्रवाई | दो या उससे अधिक शिकायतों पर होगी जांच, फिर होगी कार्रवाई

अब भूमाफिया और भ्रष्ट अफसरों का बचना मुश्किल

ऑपरेशन महाकाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जमीनों पर कब्जा, घूसखोर और वसूलीबाजों पर अब पुलिस के ऑपरेशन महाकाल की सीधी निगरानी होगी। कमिश्नरेट पुलिस ने भूमाफिया, वसूलीबाजों और भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ यह ऑपरेशन शुरू किया है। पहले फेज में आम शिकायतों पर भूमाफिया, वसूलीबाजों और गलत संलिप्तता पर सरकारी कर्मचारियों की पहचान की जाएगी। पहला फेज पांच अगस्त से पांच सितंबर तक चलेगा। दूसरा फेज 10 सितंबर से शुरू होगा। इसके तहत कार्रवाई होगी। जिसमें रिपोर्ट दर्ज करना, अवैध संपत्ति की जब्ती और सतर्कता जांच होगी।

ऑपरेशन महाकाल में भूमाफिया श्रेणी के उन्हीं लोगों पर कार्रवाई होगी, जिनके खिलाफ दो या उससे अधिक प्रार्थना पत्र अलग-अलग लोग देंगे। जबकि वसूलीबाज के खिलाफ कार्रवाई के लिए दो प्रार्थना पत्र मिलना जरूरी होगा। व्यक्तिगत मामले इस ऑपरेशन में शामिल नहीं होंगे। उसे व्यक्तिगत रूप से संबंधित जोन के डीसीपी को दिया जा सकता है। शिकायत करने वाले का नाम, नंबर गोपनीय होगा। एडीसीपी सेंट्रल राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि शिकायत के लिए निर्धारित व्हाट्सएप नंबर 9454400688 पर कॉल न करें। सिर्फ मैसेज भेजें, ओके लिखकर आएगा।

शिकायत पर इन बिंदुओं पर होगी जांच

- पांच साल में थाना स्तर पर प्राप्त आईजीआरएस प्रार्थना पत्र
- थाना का भूमि विवाद और थाना दिवस रजिस्टर।
- ऐसे व्यक्ति जिनके खिलाफ जमीन कब्जाने की रिपोर्ट हो आदि

इस तरह बनेगी लिस्ट

- पांच साल में दर्ज मामलों की समीक्षा की जाएगी
- भूमाफिया पोर्टल पर मौजूद लिस्ट की समीक्षा होगी।
- राजस्व, पुलिस, नगर निगम, केडीए से ली जाएगी जानकारी
- एसीपी लिस्ट बनाकर 15 अगस्त तक एडीसीपी को देंगे
- एलआईयू थाना स्तर पर अपनी गोपनीय सूचना देगी

हर जोन में समीक्षा समिति बनेगी

थाना प्रभारी, सर्किल के सीओ से मिली लिस्ट की समीक्षा के लिए हर जोन में समीक्षा समिति बनाई जाएगी। समिति के अध्यक्ष संबंधित जोन के एडीसीपी और मेंबर जोन के एसीपी होंगे। थाना प्रभारी एसीपी की समीक्षा के बाद लिस्ट बनाकर दस दिन में समिति को देंगे।

क्यों पड़ी ऑपरेशन मकाकाल की जरूरत

एक साल में आम शिकायतों की समीक्षा के बाद पता चला कि जनता, जमीन कब्जाने वाले, वसूलीबाज गैंग और उनका सहयोग करने वालों से बेहद परेशान है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनता की शिकायतों के आधार पर ऑपरेशन महाकाल शुरू किया गया है। इससे भूमाफिया और भ्रष्टाचार का नेटवर्क ध्वस्त होगा।

10 सितंबर से शुरू होगा दूसरा फेज

- आम शिकायतों के आधार पर वसूली गैंग की बनाई जाएगी लिस्ट

घर में घुसकर लाठी डंडों से पीटा

कानपुर। सीसामऊ में घर के बाहर से अवैध दुकान हटवाने से नाराज दबंगों ने घर में घुसकर युवक को लाठी-डंडों से जमकर पीटा।

सीसामऊ मुख्य बाजार स्थित एक घर की देखरेख रामनरेश करते है। रामनरेश के अनुसार घर के बाहर लगने वाले अवैध ठेलों को मकान मालिक के कहने पर हटवा दिया था। ठेला लगाने वालों से आतिफ खान व भीमा वसूली करते थे। वसूली बंद होने से गुस्साए आतिफ, भीमा दो अगस्त की रात आए अपने मकान मालिक से पांच हजार रुपये हर सप्ताह दिलाने की बात कही। बम से उड़ाने की धमकी दी। विरोध पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीटा व ईंट-पत्थर चलाए। सीसामऊ थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है।

सिटी ब्रीफ

अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष आएंगे

कानपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी बुधवार को शहर में रहेंगे। वह नई दिल्ली से सुबह 6 बजे वंदे भारत ट्रेन से चलकर सुबह 10 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेंगे। वह किदवई नगर साईट नंबर वन स्थित होटल रॉयल आर्किड में दोपहर 12 बजे पत्रकार वार्ता करेंगे। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे तक एपीजे अब्दुल कलाम यूथ स्टार्टअप अवार्ड 2.0 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे। यहां से वह दोपहर 3 बजे अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री अनस उस्मानी के शास्त्री नगर स्थित आवास पर पहुंचेंगे। शाम 4 बजे कर्नलगंज के रहमानी मार्केट में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

कानपुर। सचेंडी में आउटर पर ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई। युवक रावतपुर में रहने वाले अपने चाचा के यहां आ रहा था। हादसे की सूचना पर जालौन निवासी परिजन पहुंचे और शव की शिनाख्त की। जालौन के गोहन बिजदुआ निवासी रामजी का 21 वर्षीय बेटा अंकुश बाथम रविवार को रावतपुर गांव में रहने वाले अपने चाचा के यहां आ रहा था। अंकुश को उसके मामा रामजी ने गोद लिया था। उसके तीन सगे भाई जॉनी, विष्णु व कन्हैया और मां गुड्डी देवी हैं। विष्णु के अनुसार सचेंडी पुलिस ने थाने में हादसे की सूचना दी थी। वहां से प्रधान फिर परिजनों को बताया गया। सचेंडी पहुंचे भाई का शव देखा तो हादसे की जानकारी हुई। उसने बताया कि अंकुश का शव आउटर पर मिला था। उसके हाथ-पैर शरीर से अलग थे, सिर पर चोट थी। विष्णु के अनुसार यह भी हो सकता है कि धक्कामुक्की में भाई गिरा हो।

कूड़े का निस्तारण की योजना

कानपुर। नगर आयुक्त नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आईसी एक्टिविटी के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार शुरू किया गया। अपार्टमेंट, होटल रेस्टोरेंट से बल्क वेस्ट जनरेट होता है। परिसर के अंदर ही गीले कूड़े के निस्तारण एवं कंपोस्ट बनाए जाने की कार्रवाई शुरू की गई। नगर निगम तकनीकि रूप से इसकी शुरुआत कर रहा है।

पनकी में नया समानांतर पुल 164 करोड़ रुपये से बनाया जाएगा

कालपी रोड को भौंती से जोड़ने वाले मार्ग पर बनाया जाएगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

पनकी धाम पुल का फुटपाथ टूट रहा है। अमृत विचार

- शासन ने दी मंजूरी, पीडब्ल्यूडी और सेतु निगम ने शुरू की तैयारी

अमृत विचार। शहर से भौंती, सचेंडी, कानपुर देहात, झांसी या इटावा आदि जाने और आने वालों के लिए यह खास खबर है। उनको अब पनकी धाम स्टेशन पुल पर लगने वाले जाम में फंसकर अधिक समय नहीं गवाना पड़ेगा क्योंकि यहां पर पुराने पुल के समानांतर नए पुल का निर्माण किया जाएगा। शासन से पीडब्ल्यूडी और सेतु निगम को अनुमति मिल गई है। इसकी लागत करीब 164 करोड़ रुपये होगी। दो लेन का यह पुल करीब 800 मीटर लंबा होगा।

शहर से करीब दो लाख से अधिक वाहन कालपी रोड होते हुए भौंती हाइवे की तरफ जाते हैं। इन वाहनों को कालपी रोड से भौंती हाईवे पर पहुंचने के लिए करीब 50 वर्ष पुराने पनकी धाम स्टेशन पुल से होकर गुजरना पड़ता है। इस पुल पर जाम लगता है साथ ही इसकी स्थिति भी खराब होने लगी है।

इसलिए लोक निर्माण विभाग ने समानांतर एक नए पुल के निर्माण के संबंध में शासन को प्रस्ताव तैयार कर भेजा था, जिसको शासन ने सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि नए पुल के निर्माण के लिए अनुमति मिल गई है, पुल का निर्माण सेतु निगम करेगा। शासन ने पुल की डीपीआर मांगी है।

इसलिए जरूरी है पुल

- शहरी क्षेत्र से भौंती, झांसी, आगरा, दिल्ली की ओर जाने और कानपुर-इटावा-दिल्ली हाइवे पर पहुंचने के लिए कानपुर-कालपी मार्ग पर स्थित पनकी रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का उपयोग किया जाता है। दो लेन के इस पुल को चौड़ा करने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है। इस क्षेत्र में शहर की सभी औद्योगिक इकाइयां, स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड का स्टाक यार्ड, गंगागंज बाटलिंग प्लांट, इंडियन ऑयल का बरौनी - पनकी तेल, गैस पाइपलाइन का मुख्य डिपो, न्यू ट्रांसपोर्टनगर व रक्षा उत्पादों की बड़ी फैक्ट्रिया आदि शामिल है, जिसकी वजह से इस मार्ग पर यातायात का दबाव अधिक रहता है।

टैरिफ बम: बाजार व प्रोडक्ट डिमांड सर्वे रोका निर्यातकों ने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के बयान से शहर के निर्यातक परेशान
- कहा अब स्थिति सामान्य होने पर ही कारोबार होगा

अमृत विचार। ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के बयान से शहर के निर्यातक परेशान हैं। सबसे अधिक प्रभावित शहर के छोटे निर्यातक हैं। उनका कहना है कि हालिया घोषित टैरिफ के बाद वे लोग बाजार में सर्वे कर ही रहे थे और उस पर नए बयान से सबकुछ रुक गया है। निर्यातकों ने कहा कि वे लोग अब निर्यात बाजार की स्थिति सामान्य होने पर ही बाजार व प्रोडक्ट डिमांड सर्वे पर काम करेंगे। इस बीच वे दूसरे देशों के साथ कारोबार करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका की ओर से बार-बार टैरिफ पर बयानबाजी बाजार को धीमा कर रही है। टैरिफ की घोषणा के बाद ट्रंप का हालिया बयान निर्यातकों को भयभीत कर रहा है। अब निर्यातक स्थिति सामान्य होने तक रुके हुए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर से रोजाना हो रही टैरिफ को लेकर बयानबाजी से निर्यात कारोबार प्रभावित हो रहा है। जैसे ही शहर के निर्यातक टैरिफ को लेकर आपना सर्वे कार्य शुरू करते हैं अमेरिका की ओर से बयान आ जाता है। इससे निर्यातक यह नहीं समझ पा रहे हैं कि उन्हें करना क्या है।

–असजद नफीस, निर्यातक

इस वक्त अमेरिका के साथ कारोबार करना काफी मुश्किल हो रहा है। पॉलिसी बदल रही है या फिर उस पर थकरनाक बयान आ रहे हैं। हालात को देखने के बाद अब हम लोग वहां के कारोबारियों के साथ क्या बात करें यह भी समझ नहीं आ रहा है। इसलिए फोकस अलग किए हुए हैं।

–मोहम्मद मजहर, निर्यातक

यदि टैरिफ और बढ़ता है तो शहर के कारोबार को भारी नुकसान हो सकता है। नए उत्पादों पर इस वजह से हम लोगों ने काम करना बंद कर दिया है। अब एक या दो महीने बाद ही अमेरिका के खरीदारों से पुख्ता बात हो सकेगी।

–मोहम्मद एहसान, निर्यातक

मुद्दा यह है कि वहां से टूट रहे कारोबार की भरपाई कहां से होगी। शहर के निर्यातक सिर्फ इसी मुद्दे पर फंसे हुए हैं। लगातार हो रही बयानबाजी से निर्यातक और अधिक डरा हुआ है। यही स्थिति अमेरिका के खरीदारों की भी है।

–मोहम्मद हसीमुद्दीन, निर्यातक

गंगा में पानी बढ़ा, 5 दिनों में और बढ़ेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उत्तरकाशी में बादल फटने से शहर में भी तेजी से आएगा पानी
- पहाड़ों व मैदानी इलाकें में लगातार हो रही बारिश का असर

गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। अमृत विचार

अमृत विचार। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश का असर शहर में भी पड़ा है। बीते दो दिनों से तेजी से गंगा नदी में पानी बढ़ा है। जिससे बैराज से पानी के डिस्चार्ज का आंकड़ा बढ़ गया है। दो दिनों में ही 50 हजार क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज बढ़ा है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार उत्तरकाशी में बादल फटने का असर शहर में भी होगा।

आने वाले दिनों में गंगा नदी में तेजी से पानी बढ़ने की संभावना है। हालांकि इसमें 5 दिन लगेंगे। इसको देखते हुए अधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार की बात करें तो गंगा के अपस्ट्रीम पर 113.050 मीटर पानी दर्ज किया गया। वहीं, डाउनस्ट्रीम में 112.680 मीटर पानी रहा। पीछे से तेजी से पानी आने की वजह से बैराज से मंगलवार को 1 लाख 53 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। हरिद्धार और फिर नरोरा डैम से तेजी से पानी आने की वजह से डिस्चार्ज बढ़ा है। मंगलवार को शुक्लागंज में 111.15 मीटर पर पानी दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में गंगा चेतावनी बिंदु तक पहुंच सकती हैं, इससे निचले क्षेत्रों में पानी घुसने की संभावना बढ़ेगी।

लोस. अध्यक्ष से मिले व्यापारी, स्वदेशी का समर्थन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करते व्यापारी।

- कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स का प्रतिनिधिमंडल मिला

अमृत विचार। कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के पदाधिकारी मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष से मिले। इस दौरान कैट से जुड़े व्यापारियों ने स्वदेशी का पुरजोर समर्थन किया। इसके अलावा व्यापारियों ने कारोबार संबंधी समस्याएं भी बताईं।

लोकसभा स्पीकर के कॉन्फ्रेंस रूम में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपने जो भी समस्याओं से अवगत कराया है उन सभी का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि बदलते हुए आर्थिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए व्यापारियों को अपने स्तर को ऊंचा उठाना होगा। हम सभी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को दोहराते हुए कहा कि 'व्यापारियों को देश और अपने हित मे अब स्वदेशी समान बेचना और खरीदना चाहिए।' मुलाकात के दौरान में कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव पंकज अरोड़ा, प्रदेश महासचिव अशोक वाजपेई, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता सहित कई व्यापारी शामिल हुए।

मेट्रो के कार्य की वजह से लगा जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

दक्षिण क्षेत्र में लगा जाम। अमृत विचार

- दादानगर पुल के पास कार्य से गोविंद नगर, फजलगंज व विजय नगर रहा जाम

अमृत विचार। बारिश में शहर में जाम की समस्या विकराल होती जा रही है, जिसमे प्रतिदिन फंसकर हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जाम में फंसने के कारण किसी की सामग्री समय पर नहीं पहुंच पा रही है और कोई समय पर अपने दफ्तर और कार्यालय या फैक्ट्री नहीं पहुंच रहा है।

मंगलवार को नंदलाल चौराहा और चावला मार्केट में दिनभर जाम की स्थिति बनी रही और गोविंद नगर पुल पर वाहन रेंग-रेंग कर चले। दादा नगर पुल से विजय नगर की ओर मेट्रो के कार्य की वजह से जाम के हालात रहे। कई वाहन विजय नगर की ओर लगे जाम से बचने के लिए फजलगंज फैक्ट्री एरिया की ओर से निलकर गोविंद नगर पुल और फजलगंज चौराहा की ओर निकले, जिसकी वजह से जाम की स्थिति और विकराल हो गई। आलाम ये रहा कि बारिश के मौसम में लोग जाम में फंसकर भीगते नजर आए और शहर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था को कोसा। इसके अलावा गोविंद नगर और बर्रा, गुजैनी, दबौली आदि क्षेत्र से हैलट, कार्डियोलॉजी व उर्सला अस्पताल जाने वाले मरीजों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं, शाम को हुई बारिश के कारण चावला मार्केट, नंदलाल, गोविंद नगर पुल, सीटीआई, दादा नगर पुल व विजय नगर की ओर जाम के हालात और विकराल हो गए, जिसको यातायात पुलिस कर्मी खुलवा सके।

कर्मचारियों को अत्याधुनिक तकनीक सिखाना जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

ट्रेनिंग प्रोग्राम को संबोधित करते एनएसआई की निदेशक प्रो सीमा परोहा।

अमृत विचार। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मंगलवार से तीन दिवसीय कस्टमाइज्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू हुआ। इस दौरान बेहतर उत्पादन के तरीकों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। यूनिट में कार्यरत कर्मचारियों को अत्याधुनिक तकनीक से अवगत कराने पर विशेषज्ञों की ओर से जोर दिया गया। कहा गया कि इससे कम समय पर अधिक उत्पादन होता है।

कस्टमाइज्ड ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत संस्थान की निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चीनी मिलों में कार्यरत कर्मियों की तकनीकी कुशलता को बढ़ावा देना, उनको आधुनिक तकनीकों से परिचित करवाना, चीनी मिलों के संचालन में सुधार करना और चीनी निर्माण सुविधाओं में गुणवत्ता का बेहतर पालन सुनिश्चित करना है। प्रतिभागियों को आधुनिक इथेनॉल उत्पादन की विधियों, वाष्पीकरण प्रौद्योगिकी में वर्तमान विकास के बारे में, तथा भाप की खपत को कम करने में मदद करने संबंधी विधियों से परिचित करवाना है। चीनी निर्माण प्रक्रिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को कैसे एकीकृत किया जा रहा है इस पर विशेष सत्र आयोजित किया जायेगा।

एसीएमओ पर लगा 1.60 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डॉ.सुबोध प्रकाश का निलंबन आदेश जारी किया गया
- प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन ने की कार्रवाई

अमृत विचार। शहर में वर्ष 2003 से जमे एसीएमओ डॉ.सुबोध प्रकाश को प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन ने दोषी पाते हुए निलंबन की कार्रवाई की है। निलंबन आदेश मंगलवार को यहां आ गया। एसीएमओ पर एक करोड़ 60 लाख 47 हजार रुपये का भ्रष्टाचार करने का आरोप है, जिसके संबंध में उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने एसीएमओ डॉ.सुबोध प्रकाश पर कार्रवाई के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए थे। आरोप है कि डॉ.सुबोध ने अपने पद का दुरुपयोग कर जेएम फार्मा को लाभ पहुंचाया।

एसीएमओ डॉ.सुबोध प्रकाश पर आरोप है कि जेम पोर्टल के जरिये 23 अक्टूबर 2024 को स्पष्ट तकनीकी कमियों के बावजूद नियम विरुद्ध तरीके से फर्म को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आचार्य नगर की जेएम फार्मा के कई प्रपत्र अधूरे होने के बाद भी सफल फर्म घोषित किया। 25 नवंबर 2024 में सामग्री की आपूर्ति का समय 15 दिन का निर्धारित था जो 10 दिसंबर 2024 को पूरा हो रहा था, लेकिन निर्धारित समय में क्रयादेश के सापेक्ष फर्म द्वारा आपूर्ति पूरी नहीं किये जाने के बाद भी बिना मुख्य चिकित्साधिकारी के लिखित आदेश के मनमाने तरीके से एकाधिकार दिखाया और 15 दिसंबर 2024 (रविवार) को अवकाश के दिन फर्म को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से क्रयादेश में आपूर्ति करने का अतिरिक्त समय बढ़ाया। बिल पर दिये गये बैच नम्बर से भिन्न बैच नम्बर की सामग्री प्राप्त करने और जेम पोर्टल पर ऑनलाइन जनरेट किया। 27 दिसंबर 2024 को सीएमओ को प्रस्तुत निरीक्षण आख्या के जवाव में एसीएमओ ने बताया कि एक करोड़ 60 लाख 47 हजार की बिड के सापेक्ष आपूर्ति किया गया सामान अधोमानक पाये जाने के कारण बिड को निरस्त कर दिया गया है। इसके बाद बिना सीएमओ की अनुमति के संबंधित फर्म को एक जनवरी 2025 और 11 जनवरी 2025 को आपूर्ति किये गये सामानों के बिल नियम विरुद्ध जनरेट किए। शासनादेशों के विपरीत भ्रष्टाचार में लिप्त फर्म को अनियमित भुगतान कराये जाने के प्रयास किया। भ्रष्टाचार के आरोप में प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन ने डॉ. सुबोध प्रकाश को निलंबन की अवधि में महानिदेशक कार्यालय लखनऊ से संबंध किया है।

तैयारी बैठक | घरों में परिवार के सबसे छोटे बच्चों से ध्वजारोहण कराकर सोशल मीडिया में अपलोड करेंगे

तिरंगा यात्रा में दिखेगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यशाला में मौजूद क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, शिवराम सिंह आदि।

अमृत विचार। हर घर तिरंगा अभियान के जरिए भाजपा राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने में जुट गई है। पार्टी 10 से 15 अगस्त तक विभिन्न आयोजन करेगी। भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक घर, फैक्ट्री, दुकान, कारखाना, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सार्वजनिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहराने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। मंगलवार को केशव नगर भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में हर घर तिरंगा अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भाजपा कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, दक्षिण जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह सहित अन्य नेताओं ने इस अभियान को केवल झंडा फहराने तक सीमित न मानते हुए इसे राष्ट्रभक्ति का जनआंदोलन करार दिया। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने संगठन के जिला एवं मंडल पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है। पार्टी कार्यकर्ता इसे घर घर तक पहुंचाएं। पार्टी कार्यकर्ता प्रत्येक मंडल में युद्ध वीरों, शहीदों, देश की सेवा में प्राण निछावर करने वाले पुलिस कर्मियों के घरों पर जाकर उनके परिजनों को सम्मानित करेंगे। भाजपा दक्षिण मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान का जिलामंत्री जसविंदर सिंह को संयोजक एवं केपी सिंह चौहान, अंकित गुप्ता को सह संयोजक बनाया गया है। प्रमुख रूप से पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, राम बहादुर यादव, गणेश शुक्ला, विनोद मिश्रा, जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी, पंकज द्विवेदी, अर्जुन बेरिया, राजन चौहान, संजय कटियार , अनुराग शुक्ला, वीरेंद्र दिवाकर, रमाकांत शर्मा, शिवम मिश्रा ,तेज बहादुर यादव,अंकुर गुप्ता, अन्वेष शुक्ला , सहित सभी मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

मंडलों में 7 और 8 को कार्यशालाएं

- दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के लिए सभी मण्डलों में 7 और 8 अगस्त को कार्यशालायें होंगी। 10, 11 व 12 अगस्त को मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा में कार्यकर्ता सुरक्षा बलों एवं बलिदानियो के साथ-साथ रक्षा उपकरणों के प्ले कार्ड लेकर आगे आगे चलेंगे। इसके बाद 12 से 14 तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों, स्वतंत्रता आंदोलनो से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानो के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 13 से 15 तक घर-घर जाकर लोगों से अपने घर, फैक्ट्री, दुकान, कारखाना, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सार्वजनिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में तिरंगा फहराने की अपील करेंगे। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा।

उत्तर जिले की भी कार्यशाला

भाजपा कानपुर उत्तर जिले की हर घर तिरंगा अभियान की कार्यशाला जिला कार्यालय नवीन मार्केट में हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने की। मुख्य अतिथि ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को आजादी के बाद देश पर लगा हुआ कलंक धारा 370 को मोदी जी ने हटाकर देश के गौरव को बढ़ाया। जिला मीडिया प्रभारी भाजपा अनुराग शर्मा ने बताया कि 6 अगस्त से 8 अगस्त के बीच मंडलों की कार्यशालाएं संपन्न होंगी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मानते हुए जिला स्तर पर प्रदर्शनी, मौन जलूस और गोष्ठी का आयोजन होगा। बैठक में अवधेश सोनकर, शिवांग मिश्रा, रोहित साहू, संतोष शुक्ला ,जितेंद्र, अनुराग शर्मा, रंजीता पाठक, जनमेजय सिंह रहे।

सपा कार्यालय में पंडित जनेश्वर मिश्र की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा की गई।

बेरोजगारी पर ध्यान न दिया तो जन जागरण अभियान

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित जनेश्वर मिश्र की जयंती पर श्रद्धांजलि का सभा का आयोजन किया। नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि पंडित जनेश्वर मिश्र ने डॉक्टर लोहिया की नीतियों से प्रेरणा लेकर युवाओं को संघर्ष की ओर प्रेरित करते किया और संदेश देते रहे कि जिंदा कौमे पांच साल तक इंतजार नहीं करती हैं। आज देश में बेरोजगारी से जनता परेशान है, नौकरी न मिलने से लोगों का शिक्षा से मोह भंग हो रहा है। महंगाई और महंगी शिक्षा से बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं, लेकिन सरकार चुनावी रणनीति में व्यस्त रहकर जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। कहा कि सरकार ने बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान न दिया तो युवा पीढ़ी कॉलेजो में जन जागरण अभियान चलाएगी। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, आनंद शुक्ला, शबाब अबरार, महेंद्र सिंह, परमवीर गंभीर, अर्पित त्रिवेदी, दीपक खोटे, शादाब आलम, अरमान खान, रमेश यादव, शिवकुमार वाल्मीकि, केके मिश्रा समेत आदि लोग रहे।

सिटी ब्रीफ

योग में प्रवेश की अंतिम तिथि 7 अगस्त

कानपुर। सीएसजेएमयू में इंटरमीडिएट पास युवा योग के पाठ्यक्रम में प्रवेश हासिल कर सकेंगे। प्रवेश के लिए विवि की ओर से अंतिम तिथि को बढ़ाकर 7 अगस्त कर दिया गया है। कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ रामकिशोर ने बताया कि विश्वविद्यालय में बीएससीसी-योग, एमएससी योग, एमए योग और पीजी डिप्लोमा इन योग के कोर्स उपलब्ध हैं। बीएससी योग में प्रवेश के लिए किसी भी शाखा से इंटरमीडिएट होना अनिवार्य है, जबकि एमएससी-योग के लिए किसी भी स्ट्रीम से बीएससी और एमए योग के लिए किसी भी स्ट्रीम से बीए अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि बीएससी की फीस 27200 रुपये प्रतिवर्ष है। एमए योग तथा एमएससी. योग की फीस 37200 रुपये निर्धारित की गई है।

युवाओं की डेस्क शुरू

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से युवाओं के लिए संशोधन डेस्क शुरू कर दी गई है। इस डेस्क में युवाओं के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कराए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे युवा जो अपने ऑनलाइन आवेदन नहीं भर पा रहे हैं वे विभाग की शुरू की गई सुविधा पर आकर अपना पंजीकरण करा सकेंगे।

केस्को कर्मियों को दिए सुरक्षा उपकरण

कानपुर। केस्को मुख्यालय में प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन ने मंगलवार को लाइन पर कार्यरत विद्युत कर्मियों को विद्युत सुरक्षा उपकरण वितरित किए। उपकरण में सेंसर युक्त हेलमेट, दस्ताने, जूते, बेल्ट व हार्नेस, ब्रास अर्थ चेन, एलटी नीयॉन टेस्टर, टूलकिट व रेडियम युक्त सुरक्षा जैकेट थे। प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल के मुताबिक विद्युत कर्मियों को इन उपकरणों के प्रयोग व रख-रखाव के संबंध में प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया ताकि दुर्घटनाओं की आशंका को न्यूनतम किया जा सके।

आज यहां नहीं आएगी बिजली

कानपुर। शहर के संजय नगर सबस्टेशन के मदारपुर और दुर्गा मंदिर क्षेत्र में बुधवार को लाइन शिफ्टिंग का कार्य होगा, जिसके कारण दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक बिजली नहीं रहेगी। इसके अलावा सरसैया घाट के डीएवी कॉलेज और डीएम फीडर की जर्जर एलटी लाइन हटाने के कारण सुबह 10 बजे दोपहर साढ़े 12 बजे तक, तिलक नगर व तिकोनिया पार्क में बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक, दबौली के संपूर्ण उपकेंद्र में सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक, सनिगवा में सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक, ग्वालटोली में सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक, यशोदा नगर में सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक और गौतम विहार, न्यू बारासिरोही व आसपास के क्षेत्र में सुबह 10 बजे से शाम को चार बजे तक बिजली गुल रहेगी।

मेडिकल कालेज के आवासों में भरा पानी

कानपुर। बारिश के कारण शहर के कई क्षेत्रों में जलभराव होने के साथ ही जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कुछ आवासों में भी बारिश का पानी भर गया, जिसके कारण स्वास्थ्य कर्मियों और डॉक्टरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवास में रहने वाले स्वास्थ्य कर्मियों का आरोप है मेट्रो द्वारा ठीक से कार्य नहीं किए जाने की वजह से आवासों के अंदर जलभराव की समस्या हो रही है। इस संबंध में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला से शिकायत की गई है। प्राचार्य प्रो.संजय काला के मुताबिक इस संबंध में मेट्रो को पत्र लिखकर दुरस्तीकरण की मांग की जाएगी।

पूरे शहर में लागू होगा स्काडा सिस्टम, कंपनी हुई फाइनल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

237 करोड़ से होगा स्काडा सिस्टम का काम

14 सबस्टेशन में अभी लागू है ये सिस्टम

82 और सबस्टेशनों को सिस्टम से लैस करेंगे

02 साल में कार्य पूरा करने का लक्ष्य है

- मेगा विन कंपनी को मिला टेंडर सर्वे कर कार्य की शुरुआत करेगी

अमृत विचार। शहरवासियों को बिजली संबंधित समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसलिए पूरे शहर को अब स्काडा सिस्टम से लैस किया जाएगा। बोर्ड की बैठक में केस्को की इस योजना को मंजूरी मिल गई है और इसके साथ ही बचे हुए 82 सबस्टेशनों को स्काडा सिस्टम से लैस करने के लिए कंपनी भी फाइनल हो गई है। इस कार्य के लिए मेगा विन नाम की कंपनी को टेंडर मिला है। कंपनी के प्रतिनिधि सर्वे कर कार्य की शुरुआत केस्को की अनुमति से करेंगे।

शहर में केस्को के सात लाख 30 हजार उपभोक्ता हैं, जिनको अभी 96 सबस्टेशनों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इनमें से अभी स्काडा सिस्टम से सिर्फ 14 सबस्टेशन ही लैस हैं, जिनमे ट्रायल के रूप में स्काडा लागू किया गया था। जो केस्को अधिकारियों के मुताबिक काफी सफल रहा है। इसलिए केस्को अधिकारियों ने स्काडा सिस्टम को बाकी बचे हुए 82 सबस्टेशनों में भी लागू करने की योजना तैयार की है। सिस्टम लागू करने में आने वाले खर्च का आकलन भी कर लिया है। केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन के मुताबिक मेगा विन कंपनी बचे 82 सबस्टेशनों को स्काडा सिस्टम से जोड़ने का काम करेगी। इस प्रस्ताव को बोर्ड की बैठक में रखा गया था, जिसपर अनुमति मिल गई है। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक 237 करोड़ रुपये सभी सबस्टेशन स्काडा युक्त होंगे। कंपनी को दो साल में कार्य पूरा करना है।

ये सबस्टेशन स्काडा सिस्टम से जुड़े हैं

- वर्तमान में शहर के फूलबाग, कंपनीबाग, झाड़ी बाबा, मालरोड, सीएसए, सरसैयाघाट, भैरवघाट, आरबीआई, म्योर मिल, आरपीएच ओल्ड, आरपीएच न्यू, बीएस पार्क, जीआईसी व खास बाजार सबस्टेशन को स्काडा सिस्टम से जुड़े हुए हैं।

फॉल्ट खोजने में होगी आसानी

- स्काडा सिस्टम सभी सबस्टेशनों में लागू होने के बाद भूमिगत या ओपन फॉल्ट खोजने में लाइनमैन या कर्मचारियों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। फॉल्ट होने पर उसकी जानकारी लाइनमैनों के पास होगी। केस्को मीडिया प्रभारी के मुताबिक स्काडा सिस्टम के माध्यम से केस्को अपने सभी सबस्टेशनों को एक ही नियंत्रण कक्ष से जोड़ सकता है, जिससे बिजली वितरण प्रणाली को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। यह सिस्टम बिजली चोरी का पता लगाने और उसे कम करने में मदद करता है।

कर्मचारियों की सुरक्षा और दक्षता में सुधार

- प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल के मुताबिक स्काडा सिस्टम फॉल्ट का पता लगाने और मरम्मत करने की प्रक्रिया को तेज करता है, जिससे बिजली कटौती की अवधि कम होती है। यह सिस्टम दूरस्थ रूप से सबस्टेशनों की निगरानी और नियंत्रण करने की क्षमता प्रदान करता है, जिससे कर्मचारियों की सुरक्षा और दक्षता में सुधार होता है। बिजली वितरण प्रणाली के बारे में वास्तविक समय में जानकारी प्रदान करेगा, जिससे निर्णय लेने में आसानी होती है।

डीपीएस बर्रा में मौजूद छात्र-छात्रा पदाधिकारी।

अलंकरण वितरण समारोह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली पब्लिक स्कूल बर्रा में अलंकरण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कानपुर परिवर्तन मंच के प्रशासनिक अध्यक्ष आरके तिवारी, संरक्षक देवेन्द्र पारिख, संस्था के मुख्य सदस्य संदीप जैन व फेज़ खालिद मुख्य रूप से मौजूद रहे। अलंकरण वितरण समारोह में विद्यालय के संस्थापक आलोक मिश्रा ने युवाओं को एकाग्रता और लक्ष्य निर्धारण का मंत्र दिया। प्रधानाचार्या जयंती मित्रा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में विद्यालय में गठित चारों सदनों के कप्तानों ने शपथ ग्रहण कर अपने-अपने सदनों के ध्वज प्राप्त किए। ब्लू बेल्स सदन के कप्तान कौशिक पटेल व खुशी सिंह ने मुख्य अतिथि से बैज व ध्वज प्राप्त किया।

ड्रोन और एंटी ड्रोन सिस्टम पर मिलकर करेंगे अनुसंधान

सीएसजेएम विश्वविद्यालय और त्रिपाठी एयरोटेक के बीच समझौता किया गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

एमओयू करते सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक और त्रिपाठी एयरोटेक के अधिकारी।

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) ने रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान के लिए त्रिपाठी एयरोटेक एंड वेपन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड से समझौता किया है। यह सहयोग भारतीय वायु सेना की पहल और 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन के तहत स्वदेशी रक्षा तकनीकों, विशेषकर ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

विश्वविद्यालय में हुए समझौते के दौरान कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक व त्रिपाठी एयरोटेक की ओर से प्रबंध निदेशक राजीव त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए। समझौते के दौरान बताया गया कि त्रिपाठी एयरोटेक ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीकों के विकास पर कार्य कर रही है। अब यह विशेषज्ञता विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमता से जुड़कर एक नई तकनीकी का निर्माण करेगी। यह साझेदारी देश की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक प्रणालियों के संयुक्त विकास की दिशा में कार्य करेगी। इसके अलावा छात्रों और शोधार्थियों को नवाचार और व्यवहारिक अनुभव के अवसर भी प्रदान करेगी। यह समझौता सीएसजेएम विश्वविद्यालय को रक्षा अनुसंधान और स्वदेशी तकनीकी नवाचार में एक नई पहचान देगा और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक ठोस पहल सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर बृष्टी मित्रा ने किया। कंपनी के निदेशक शांतनु त्रिपाठी, प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार, यूआईईटी के निदेशक डॉ. आलोक कुमार, डॉ. विशाल अवस्थी, डॉ. प्रवीण भाई पटेल, डॉ. अजीत श्रीवास्तव, डॉ. गौरव पांडे रहे।

करौली शंकर का किया पूजन

कानपुर। समाचार पत्र विक्रेता संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने करौली शंकर महादेव का जन्मदिन मनाया। करौली शंकर धाम में करौली शंकर महादेव का पूजन किया। पदाधिकारियों ने सरसैया घाट से करौली धाम आए सभी कावड़ियों का माल्यार्पण किया। शंकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा, मोर्चा के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, संयोजक रमेश बाजपेई, भारत मिश्रा, राजेश शुक्ला, विकास यादव, बुल्ला यादव, राम नरेश, प्रदीप त्रिपाठी आदि थे।

डिजिटल डॉक्टर क्लीनिक शुरू की गई।

डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक शुरू

कानपुर। प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य पहल के तहत ओब्डू ग्रुप के सहयोग से मंगलवार को चकरपुर मंडी में डिजिटल डॉक्टर क्लिनिक की शुरुआत हुई। इस अवसर पर ओब्डू ग्रुप के सीईओ संजय कुमार ने कहा कि हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे।

अवर हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन का स्थापना दिवस मनाया गया। अमृत विचार

जरूरतमंद 21 महिलाओं को सिलाई मशीनें दीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किदवई नगर के-ब्लाक स्थित अग्रसेन भवन में मंगलवार को अवर हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन ने छठवें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। विधवा, तलाकशुदा और अति जरूरतमंद 21 महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से सिलाई मशीन वितरण कीं। अध्यक्ष आदित्य पोद्दार ने बताया इस कार्य के लिए 85 आवेदन फॉर्म जमा हुए थे, जिसमें 16 लाभार्थियों को बुलाकर उनसे सवाल-जवाब और सिलाई मशीन चलवा कर देखी, उसके बाद निर्णायक मंडल ने 21 महिलाओं को चयनित किया। पिछले साल 150 संस्थाओं को सम्मानित किया गया था। महासचिव सुरभि द्विवेदी व प्रमुख सचिव विनीता अग्रवाल ने बताया कि सात अनाथ कन्याओं का विवाह फाउंडेशन द्वारा धूमधाम के साथ किया जाता है। इस दौरान सुपर्णा मिश्रा, कृतिका जायसवाल, विनायक पोद्दार, राम गोपाल तुलस्यान, गोपाल तुलस्यान, अनिरुद्ध पोद्दार, गिरिराज अग्रवाल, अनिल जैन, अजय मित्तल, वेद अग्रवाल, ओमप्रकाश रहे।

मरीज अधिक और डॉक्टर कम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

बाल रोग विभाग में निरीक्षण करते देवेंद्र प्रताप सिंह। अमृत विचार

- हैलट के बाल रोग विभाग में मजिस्ट्रेट ने किया निरीक्षण

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत हैलट अस्पताल में सिर्फ कानपुर ही नहीं, बल्कि 17 से 18 जिलों के मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। बाल रोग विभाग में भी बीमार बच्चों की भीड़ रहती है। लेकिन यहां पर मरीजों की तुलना में स्टाफ और डॉक्टरों की कमी है। सीडब्ल्यूसी के मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह को निरीक्षण के दौरान यह पता चला।

हैलट अस्पताल के बाल रोग विभाग का मंगलवार को सीडब्लूसी के महानगर मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह ने टीम के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती बच्चों की संख्या देखी और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वार्ड में वेंटिलेशन की सुविधा नहीं होने पर वेंटिलेशन का कार्य कराने के निर्देश दिए। एनआईसीयू के 24 और पीआईसीयू के 20 बेड पर भर्ती बच्चों के उपचार की जानकारी ली। साथ ही बेड की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। यहां सौ बेड ऑक्सीजन युक्त होने पर प्रशंसा की। थैलेसीमिया वार्ड में पंजीकृत बच्चों की जानकारी ली। विभागाध्यक्ष डॉ.एसके गौतम ने बताया कि वार्ड में थैलेसीमिया के 221 बच्चे पंजीकृत हैं, जिनको नियमित रूप से प्रति माह आना होता है। ऐसे में मजिस्ट्रेट ने बच्चों के इलाज पर चिंता जताते हुए थैलेसीमिया वार्ड को बड़ा करने के निर्देश दिए। कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य सेवा गुणवत्ता को बढ़ाना और बाल रोग विभाग को आधुनिक तकनीकों से लैस करना है। कर्मचारियों की कमी दूर करने पर भी जोर दिया, ताकि बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र कुमार गौतम ने मजिस्ट्रेट को बताया कि तीन महीने में पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन आ जाएगी। तब बीमार बच्चों का बेड पर ही अल्ट्रासाउंड हो सकेगा। इस दौरान वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.अरुण कुमार आर्या, आरोग्य दर्पण के सीईओ रामप्रकाश वर्मा, मैट्रन राजकुमारी खरवार और स्टॉफ नर्स आदि रहे।

आयोजन

महापौर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पहुंचीं मंत्री रजनी तिवारी

राज्यमंत्री ने हरियाली तीज पर गाए गीत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

प्रमिला सभागार में आयोजित कार्यक्रम में गीत गातीं मंत्री रजनी तिवारी। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर निगम मुख्यालय स्थित प्रमिला सभागार में मंगलवार को महापौर प्रमिला पांडे ने हरियाली तीज कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पहुंचीं उच्चशिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने ने गीत गाए साथ ही महापौर के साथ मिलकर नृत्य किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना बताता है कि यहां महिलाएं कितनी सजग हैं।

कार्यक्रम में महिलाओं ने झूला झूला और पूर्वांचल के कजरी गीत गाए। मंत्री रजनी तिवारी और महापौर ने भी गीत गाए, साथ ही नृत्य भी किया। रेलिया बैरंग पिया को लिए जाए रे, सावन का महीना पवन करे शोर जैसे गीतो पर कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं झूमती रहीं। इस अवसर पर महिला पार्षद विद्या देवी, आरती त्रिपाठी, नीलम शुक्ला, वंदना शर्मा, आरती गौतम, नित्या वाजपेई, पूर्व पार्षद निर्मला मिश्रा, भाजपा महिला मोर्चा, उत्तर की जिलाध्यक्ष सरोज सिंह, दक्षिण जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी, पुष्पा तिवारी, मंजू त्रिपाठी व अन्य मौजूद रहीं।

टीएसएच में ईडब्ल्यूएस बच्चों का प्रशिक्षण सत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जानकारी देते पदाधिकारी।

अमृत विचार। आर्थिक कमजोर (ईडब्ल्यूएस) के बच्चों को निशुल्क खेल प्रशिक्षण के लिए टीएसएच में छठे प्रशिक्षण सत्र की प्रक्रिया चालू हो गई है। प्रेसवार्ता में नगरनिगम के इंटरनल ऑडिटर सुचित अग्रवाल, टीएसएच के डायरेक्टर ऑपरेशंस पीके श्रीवास्तव और मुख्य क्रिकेट कोच शशिकांत खांडेकर ने यह जानकारी दी।

छठे सत्र के आवेदन पत्रों का वितरण 25 जुलाई से चालू है। सात अगस्त से चयन ट्रायल होगा। 13 अगस्त से नए प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत होगी। संस्थान में बच्चों को दस प्रमुख खेल बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, जूडो, कबड्डी, कराटे, तैराकी, शूटिंग, टेबल टेनिस और ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण निशुल्क होगा। बैठक में इंटरनल ऑडिटर, आईटी विशेषज्ञ अशुतोष विक्रम सिंह, यूपी टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष संजीव पाठक, उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स संघ के सचिव डॉ. देवेश दुबे, ऑडी स्टेडिया कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के एमडी राजीव गर्ग और ट्रांस स्टेडिया के प्रतिनिधि रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम RAHUL से बदलकर RAHUL NISHAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-DHEERENDRA KUMAR NISHAD ADD-BENSING PURWA BAHUVAN MADAR MANJHA PURE AJAB DIST-GONDA-271504 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम MAIRAJ से बदलकर MAIRAJ KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MAINUDDIN ADD-TURANTI PURWA VIJAY GARHWA POST-PURE BASALAT DIST-GONDA-271603 (U.P)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी द्वारा कराई गई भारतीय जीवन बीमा निगम मे पालिसी संख्या 218341640 के पालिसी बांड मे प्रार्थिनी का नाम इनामुल निशा दर्शाया गया है, जबकि आधार कार्ड एवं बैंक खाता मे प्रार्थिनी का नाम अमीना अंकित है। दोनों नाम मेरा ही है। **प्रार्थिनी इनामुल निशा उर्फ अमीना पत्नी तकरार अली निवासिनी ग्राम मंगलनगर, पोस्ट-भैरमपुर, जिला-गोंडा (उप्र)**

सूचना

यह कि मैरे पुत्र मो. आलम का चाल चलन सही न होने कारण उससे संबध विच्छेद करते हुए चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब उसके द्वारा किए गए किसी कार्य से मेरी कोई जिम्मेदारी नही है वह अपने कार्यो का स्वंय जिम्मेदार होगा। **नविशेर शेख पुत्र रफीक निवासी निस्तौली थाना ठठिया जनपद कन्नौज**

सूचना

मेरा नाम प्रांजलि त्रिपाठी से बदलकर प्रांजल त्रिपाठी हो गया है। मुझे प्रांजल त्रिपाठी नाम से जाना पहचाना/लिखा जाएगा। **प्रांजल त्रिपाठी पुत्र डा. पाटेश्वरी प्रसाद त्रिपाठी, 87 धुसाह, बलरामपुर।**

सूचना

मैने अपना नाम (IRAFAN) इरफान से बदलकर (MOHD IRFAN) मो0 इरफान रख लिया अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **मो0 इरफान पुत्र श्री सुलेमान पता-4/82 रामनगर-4 बाराबंकी उत्तर प्रदेश**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्राची जैन आयु लगभग 31 वर्ष पत्नी रजत जैन निवासी ए-41, वैदेही नगर कालोनी तहसील सदर जिला अयोध्या सशपथ बयान करती हूं कि मेरे हाई स्कूल प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम DILIP KUMAR JAIN दर्ज़ है। जबकि मेरे पिता के आधार कार्ड में पिता का नाम DILEEP KUMAR JAIN दर्ज़ है। मेरे हाई स्कूल प्रमाण पत्र में एवं पिता के आधार कार्ड में दर्ज दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानी प्राची जैन के पिता का नाम है तथा दोनों नाम सत्य एवं सही है। अतः मेरे पिता का नाम आधार कार्ड के अनुसार ही मान्य होगा।
शपथी – प्राची जैन पत्नी रजत जैन, पता उपरोक्त

सूचना

मैं **सौम्य तिवारी** (Saumy Tiwari) **पुत्र विनय कुमार तिवारी, निवासी- एकता नगर कल्ली पश्चिम, रायबरेली रोड, जिला लखनऊ, उ0प्र0**, मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम Saumya Tiwari अंकित है जबकि आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम Saumy Tiwari अंकित हैं, जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा सही नाम Saumy Tiwari अंकित किया जाय।

सूचना

मैं **अरुण कुमार मिश्रा, पुत्र राज कुमार मिश्रा, निवासी 3/96 गांधी नगर, शुक्लागंज नेतुआ, गंगाघाट, जिला उन्नाव,** यह सूचित करता हूँ कि मेरे पुत्र अकुल मिश्रा की हाईस्कूल (10वीं) की अंकपत्र (मार्कशीट) रोल नंबर 1241126321 की मूल प्रति दिनांक 17.01.2025 को रास्ते में गिरकर गुम हो गई है। यदि किसी को यह दस्तावेज़ प्राप्त हो तो कृपया उपरोक्त पते या मोबाइल नंबर 8707080655 पर संपर्क करें।

सूचना

मैं, **सुनील शर्मा, पुत्र स्व. रामशंकर शर्मा, निवासी कंचन नगर बी, शुक्लागंज, थाना गंगाघाट, जिला उन्नाव,** यह घोषित करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र जीतेश शर्मा एवं पुत्रवधू तान्या शर्मा को उनके गलत आचरण, अमर्यादित व्यवहार एवं पारिवारिक विवादों के चलते अपने सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य, लेन-देन एवं व्यवहार से मेरा तथा मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं रहेगा।

सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मैंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UP Board) से हाईस्कूल (10वीं) वर्ष 2009, रोल नंबर: 1936301 तथा इंटरमीडिएट (12वीं) वर्ष 2011, रोल नंबर: 0747018 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मेरी हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की मूल मार्कशीट (Original Marksheet) कहीं गुम/खो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिली है। यदि किसी व्यक्ति को यह दस्तावेज प्राप्त हो तो कृपया नीचे दिए गए पते या मोबाइल नंबर पर संपर्क करें। ANIL KUMAR HAUSHILA PRASAD HARIJAN BASTI, SHAHGARH, AMETHI, 227411, मोबाइल नंबर: 7985275480, 8948095992

CORRECTION OF NAME

I Shalini Maurya (incorrect name) (Daughter's High School Marksheet). Residing at Saryou Nagar, Bahraich (dehat), Uttar Pradesh - 271801. Here by declare that there is a mistake in my daughter's High School Report card. So I want to correct it as Shalini Devi (correct name). Adhar number (6056 5545 8524) W/O. Nirmal Kumar Maurya.

सूचना

मेरा पुत्र सत्यजीत उर्फ सचिन भदौरिया व पुत्रवधू शालू का शादी के बाद से चाल चलन अच्छा नहीं रहा। ससुराली जनों के कहने पर वह मुझे व मेरी पत्नी को प्रतिदिन प्रताडित करता है। जिससे पूरा परिवार तनाव में है इसलिए हम लोग सत्य जीत उर्फ सचिन व पुत्रवधू शालू को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। इनके द्वारा किए गये लेन देन से हम लोग जिम्मेदार नहीं होगें। **सुरेश सिंह भदौरिया पुत्र विश्वनाथ सिंह, प्रवंचना पत्नी सुरेश भदौरिया, निवासी- 637 अजीत नगर फेड्स कालोनी इटावा, मो0- 9045791204**

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I ALOK KUMAR DWIVEDI S/O VED PRAKASH DWIVEDI R/O 18, PACHAUR, FARRUKHABAD, TALGRAM RURAL, KANNAUJ, UTTAR PRADESH-209731 declare that name of my my minor son have been wrongly written as AYUSH DWIVEDI in my minor son namely AYUSHMAN ALOK DWIVEDI aged 16 years in his aadhaar card No. 2701 0696 5276. The actual name of my minor son is AYUSHMAN ALOK DWIVEDI which may be amended accordingly.

न्यूज ब्रीफ

युवक की संदिग्ध हालात में हुई मौत

नवाबगंज उन्नाव अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के कोट झलोतर गांव निवासी बालचंद्र उर्फ गुड्डू (40) पुत्र स्व. भगवानदीन खेती के साथ मजदूरी कर परिवार पालता था। उसकी पत्नी की 5 साल पहले मौत हो गई थी। वह घर पर बड़ा बेटा सर्वेश (14), सुधीर (12) व बेटी रश्मि के साथ रहता था। सोमवार रात अचानक हालत बिगड़ने के बाद उसकी मौत हो गई। प्रधान की सूचना पर अचलगंज थानाक्षेत्र के जमुका गांव निवासी साढू बिंदा प्रसाद व अन्य परिजन पहुंचे। चर्चा रही कि युवक ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। बेटे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसकी हार्टअटैक से मौत होने की पुष्टि हुई। बालचंद्र माता-पिता की इकलौती संतान था। वहीं पहले मां अब पिता की मौत से तीनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ईओ ने देखी कान्हा गौशाला, दिए निर्देश

शुक्लागंज (उन्नाव)। बारिश व संभावित बाढ़ को देखते हुए नगर पालिका ईओ मुकेश मिश्रा ने मंगलवार दोपहर चंपापुरवा नेतुआ मार्ग स्थित कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सक डॉ. लाल बहादुर व एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला भी उनके साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान ईओ ने गौशाला में रह रहे संरक्षित गौवंश की स्थिति का जायजा लिया और मातहत कर्मचारियों को साफ-सफाई और सुरक्षा के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान किसी भी गौवंश को खुले में भीगने न दिया जाए। सभी पशुओं को टिनशेड के नीचे सुरक्षित रखा जाए, खासकर नवजात व छोटे गौवंश पर विशेष निगरानी रखी जाए।

चोरी की 6 बाइकों के साथ दो चोर दबोचे

उन्नाव अमृत विचार। सदर कोतवाली के अपराध निरीक्षक राजेश यादव ने बताया कि वह दरोगा अंजनी सिंह व फोर्स के साथ मंगलवार को कोतवाली क्षेत्र के पीडी नगर मोड़ के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे। तभी अलग-अलग बाइक से आए दो युवकों को पुलिस ने रोका तो उन्होंने भागने का प्रयास किया। दोनों के पास बाइक के कोई प्रपत्र नहीं थे। इस पर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम विकास पुत्र स्व. सिद्धनाथ साहू निवासी सम्भरापुर अचलगंज व कमलेश उर्फ कमल कान्त गुप्ता पुत्र स्व. तेजबली उर्फ सपरी निवासी मलकासिम सरायं हसनगंज हाल पता पांडेय चौराहा के पास न्यू इन्द्रानगर सदर कोतवाली बताया। उन्होंने दोनों बाईकों के चोरी करने की बात कबूल की। उनकी निशानदेही पर सदर कोतवाली क्षेत्र के सुनसान निराला नगर इलाके में पांनी की टंकी से कुछ दूर झाड़ियों में छिपाकर रखी गई चार चोरी की बाइकें भी बरामद कीं।

विज्ञान संगोष्ठी में दिव्यांशी प्रथम व अदिति रहीं द्वितीय

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कालेज उन्नाव में हुआ। जिसमें जिले की करीब 40 छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रथम स्थान पर डा. जीनाथजी दयाल बालिका इंटर कॉलेज की दिव्यांशी पुत्री सुनील मिश्रा व दूसरे स्थान पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नवाबगंज की आदिति पुत्री श्रीकांत सिंह रही। जिन्हें स्मृतिचिन्ह व प्रमाणपत्र देकर के सम्मानित किया गया।

प्रमाणपत्र व स्मृति चिह्न देते निर्णायक मंडल के सदस्य व प्रधानाचार्या। अमृत विचार

क्वांटम युग का आरम्भ, सम्भावनाएं व चुनौतियां विषय पर आयोजित प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डीएसएन महाविद्यालय के डॉ. अमित अवस्थी, डॉ. हेमंत सेंगर व प्रो. पवन श्रीवास्तव रहे। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मोती नगर उन्नाव की प्रधानाचार्य दीपशिखा मिश्रा की देखरेख में हुई प्रतियोगिता में जिले के करीब 40 छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें निर्णायक मंडल ने अलग-अलग मूल्यांकन करते हुए प्रथम व द्वितीय स्थान के लिए छात्राओं को चुना। बाद में प्रधानाचार्य ने बताया कि चयनित छात्राओं को राज्य स्तर की प्रतियोगिता में उन्हें प्रतिभाग करना है।

छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम के बारे में दी जानकारी

उन्नाव। विवेकानंद सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज मोती नगर में मंगलवार को एसपी दीपक भूकर के निर्देश पर सीओ सिटी सोनम सिंह, प्रभारी साइबर बृजेश शुक्ला, इंस्पेक्टर क्राइम राजेश मिश्रा, तरुण कुमार व कुंती अग्रवाल ने विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को मोबाइल से होने वाले साइबर क्राइम के विषय में जानकारी दी। साथ ही बच्चों को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, पुलिस 112, फायर एक्सीडेंट एंबुलेंस 102/108, महिला सहायता 1090 व चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 आदि के बारे में भी बताने के साथ इन आपराधिक मामलों से बचने के उपाय बताए। पुलिस अधिकारियों के साथ प्रबंधक नवीन भारतीय, प्रधानाचार्या रत्ना पांडे, वरिष्ठ अध्यापक व कार्यालय प्रमुख रजी, संतोष, सह प्रबंधक पारस भारतीय आदि मौजूद रहे।

बच्चों को साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देते अधिकारी। अमृत विचार

बी-फॉर्मा व डी-फॉर्मा का ओरिएंटेशन प्रोग्राम

उन्नाव अमृत विचार। जी कॉलेज ऑफ फार्मेसी उन्नाव में बी-फार्मा व डी-फार्मा के नव प्रवेशित छात्रों के लिए एक भव्य और प्रेरणादायक 'ओरिएंटेशन प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को कॉलेज के परिवेश, शिक्षा प्रणाली, अनुशासन व भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया गया। संस्था के अध्यक्ष अनिल वर्मा ने कहा कि फार्मेसी ऐसा पेशा है जो समाज की सेवा करने व लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का अवसर देता है। यह कार्यक्रम डॉ. पीके जैन, जी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के नेतृत्व व प्रज्ञेश पांडेय के कुशल प्रबंधन के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी संकाय सदस्य, कर्मचारी व वरिष्ठ छात्र उपस्थित रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सुयश यादव ने दी।

झमाझम बारिश से टापू बने मोहल्ले घुटनों तक भरा पानी, हालात बदतर

निकास न होने से कई मोहल्लों में गहराई समस्या, जनजीवन अस्तव्यस्त

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। पिछले दो दिनों से हो रही लगातार झमाझम बारिश ने नगर पालिका की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। मंगलवार दोपहर एक बार फिर तेज बारिश के चलते शुक्लागंज के कई मोहल्लों में भीषण जलभराव हो गया, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

कंचन नगर बी की गली में जलभराव।

कंचन नगर, कंचन नगर बी, सर्वोदय नगर व कृष्णा नगर में हालात सबसे खराब हैं। यहां लगभग सौ से अधिक घरों के सामने घुटनों तक गंदा पानी जमा हो गया है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश रुकने के कई घंटे बाद भी गलियों में पानी भरा रहा। कंचन नगर बी की अधिकतर गलियों में तो बारिश से पहले भी जलभराव की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर पालिका को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। जिससे हर बारिश में लोगों को जलभराव का दंश झेलना पड़ता है। महिलाएं-बच्चे घरों में कैद होकर रह गए हैं, जबकि बुजुर्गों और मरीजों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, पोनी रोड मुख्य मार्ग पर भी घुटनों तक पानी भर गया, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और दुकानदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश थमने के बाद भी पानी का निकास न होने से लोगों में नाराजगी है।

गंगा के जलस्तर में आई मामूली गिरावट

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। लगातार बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी के चलते गंगा का जलस्तर 111 मीटर से ऊपर पहुंच गया था, जिससे चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ने की आशंका बनी हुई थी। हालांकि मंगलवार को इसमें दो सेंटीमीटर की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 111.250 मीटर रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद जलस्तर में हल्का उतार-चढ़ाव जारी रहा और मंगलवार शाम छह बजे यह घटकर 111.230 मीटर पर आ गया। शुक्लागंज क्षेत्र में गंगा का चेतावनी बिंदु 112 मीटर और खतरे का निशान 113 मीटर निर्धारित है। हालांकि जलस्तर अब भी चेतावनी बिंदु के नजदीक बना हुआ है। जल आयोग का कहना है कि जलस्तर में उतार-चढ़ाव का क्रम अभी कुछ और दिन जारी रह सकता है। वहीं प्रशासन भी स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए है और तटीय क्षेत्रों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

मकान का छज्जा गिरा, बच्ची की मौत

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। नगर के अंबेडकर नगर मोहल्ले में मंगलवार को एक जर्जर मकान के छज्जा गिरने से हादसे में छह वर्षीय बच्ची बच्ची की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब तीन दिन से हो रही लगातार बारिश के चलते एक चालीस साल पुराने जर्जर मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। छज्जे के नीचे खड़ी बच्ची मलबे में दब गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जाह्नवी।

मकान का गिरा पड़ा छज्जा व लगी भीड़। अमृत विचार

गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर नगर में रहने वाले अजय श्रीवास्तव के भांजे अरुण सक्सेना का पूरा परिवार एक जर्जर मकान में रहता है। अरुण मूल रूप से जालौन जिले के बबीना गांव के निवासी हैं और वर्तमान में पत्नी प्रीती, आठ वर्षीय बेटी शिवन्या और छह वर्षीय जान्हवी उर्फ नैना के साथ अंबेडकर नगर में रहकर जाजमऊ स्थित एक फैक्ट्री में काम करते थे। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बारिश थमने के बाद छोटी बच्ची नैना जो एलकेजी की छात्रा है। वह घर के बाहर छज्जे के नीचे कटोरी से पानी पी रही थी। तभी अचानक ऊपर से जर्जर छज्जा गिर पड़ा और वह उसके मलबे में दब गई। शोर सुनकर परिजन दौड़े और उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर भागे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, लेखपाल अशोक सैनी और अवनीश तिवारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। नायब तहसीलदार ने बताया कि यदि परिजन पीएम कराते हैं तो दैवीय आपादा के तहत चार लाख आर्थिक सहयोग राशि शासन की तरफ से मिलती है, पोस्टमार्टम होने के बाद रिपोर्ट के साथ आख्या शासन को प्रेषित की जायेगी, उसके बाद परिजनों को आर्थिक सहयोग राशि चेक स्वरूप दी जायेगी। फिलहाल परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है।

सीएम के एक्सप्रेस-वे से जाने की सूचना पर पुलिस रही मुस्तैद

औरास उन्नाव। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के औरैया में बाढ़ का जायजा लेकर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे से होकर लखनऊ जाने की खबर प्रशासन को मिली। इस पर सीओ हसनगंज अरविंद चौरसिया औरास थाना का पुलिस बल व स्वास्थ्य विभाग की टीम एक्सप्रेस-वे के किमी 269 गहाखेड़ा स्थित टोल प्लाज़ा कट के पास पहुंच गए और मुख्यमंत्री के काफिले का इंतजार करने लगे। सीएम के औरैया से निकलने की सूचना जिला प्रशासन को मिलते ही पुलिस एक्टिव मोड में आ गई और एंबुलेंस के साथ पुलिस वहां पहुंच गई। हालांकि आधे घंटे बाद सूचना मिली कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से लखनऊ रवाना हो गए हैं।

लखनऊ में डंपर की टक्कर से पिता-पुत्र की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। माखी थानाक्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी पिता-पुत्र की लखनऊ के काकोरी थानाक्षेत्र में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। सोमवार देररात हादसा उस समय हुआ जब पिता बेटे के साथ लखनऊ के ट्रामा सेंटर में भर्ती पत्नी को देख कर लौट रहा था।

माखी थानाक्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी धर्मपाल रावत (46) की पत्नी सियादुलारी के पेट में गांठ थी। इसी से बीते डेढ़ माह से उसका लखनऊ के ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा था। बीती 28 जुलाई को उसका ऑपरेशन हुआ था। सोमवार को धर्मपाल अपने छोटे बेटे गोविंद (26) के साथ अस्पताल में रुके थे, जहां से देररात एक बजे पिता-पुत्र लखनऊ से गांव लौट रहे थे। तभी लखनऊ जिला की सीमा क्षेत्र स्थित काकोरी-मोहान मार्ग पर दौलीखेड़ा मोड़ के पास तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों गंभीर घायल हो गए। धर्मपाल के बड़े बेटे गौतम कुमार ने बताया कि काकोरी पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। गौतम के मुताबिक पिता और भाई की मौत की जानकारी अभी मां को नहीं दी गई है। माखी एसओ योगेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना लखनऊ में हुई है। वहीं पोस्टमार्टम कराया गया है।

वाहन की टक्कर से चचेरे भाई घायल, हुए रेफर

औरास उन्नाव। औरास थानाक्षेत्र के बहादुरपुर खंदारी गांव निवासी आकाश पुत्र मकरंद व उसका चचेरा भाई पटटू पुत्र कन्हैयालाल किसी काम में सीमऊ गांव आए थे। वहां से दोनों चकलवंशी-संडीला मार्ग से घर जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें सीमऊ गांव के बीच टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक गिरकर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी औरास में भर्ती कराया गया।

कराटे में कृष्ण, रौनक, करन रहे प्रथम

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार। कस्बे के श्याम लाल इंटर कॉलेज में मंगलवार को तहसील व जिला स्तरीय माध्यमिक विद्यालय करा‍टे बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कालेज के प्रधानाचार्य डॉ. अनूप सिंह, सचिव जिला खेल समिति नवीन सिन्हा, जिला व्यायाम शिक्षिका निशा सिंह तोमर, जिला व्यायाम शिक्षक पुरुषोत्तम यादव, प्रधानाचार्य माधुरी लता, कीड़ाध्यक्ष धर्मेश प्रताप सिंह ने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

प्रमाणपत्र के साथ बच्चों को उत्साहवर्धन करते शिक्षक व अन्य। अमृत विचार

प्रतियोगिता में जीजीआईसी नवाबगंज, जीआईसी चमरौली, श्यामलाल इंटर कॉलेज, एबीसी इंटर कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय हसनगंज व जनसार समेत अन्य माध्यमिक विद्यालयों के करीब दो दर्जन बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 0 से 14, 14 से 17, 17 से 19 वर्ष के आयु वर्ग के अलग-अलग भार वर्ग में कृष्ण, रौनक, करन, आदित्य पांडे, पल्लवी, दिव्यांशी, प्रीति, महक, रिमझिम, नंदिनी, प्रीति पांडे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें मेडल व प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इन प्रतिभागियों को अगस्त में होने वाली मंडल करा‍टे प्रतियोगिता में उन्नाव की ओर से प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन में करा‍टे एसोसिएशन आफ उन्नाव के जनरल सेक्रेटरी अंकित कुमार व प्रेसिडेंट रवि चौरसिया, कैप्टन संतोष तिवारी, संदीप मिश्रा, प्रेम प्रकाश, श्याम नारायण, धीरज सिंह, हिमांशु, मुस्कान करा‍टे कोच, पिंकल करा‍टे कोच, गोविंद करा‍टे कोच, लक्ष्मी करा‍टे कोच ने अग्रणी भूमिका निभाई।

पुण्यतिथि पर याद किए गए 'छोटे लोहिया'

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। समाजवादी आंदोलन मे 'छोटे लोहिया' के नाम से जाने वाले स्व. जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिसमें उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया गया।

जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने स्व. जनेश्वर मिश्र के जीवन व उनके विचारों का स्मरण करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र जनसंघर्ष के प्रहरी और संसद के अद्भुत वक्ता रहे। उन्होंने वंचितों, किसानों, मज़दूरों व पिछड़ों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उनका जीवन, विचार व संघर्ष आज भी समाजवादी आंदोलन की प्रेरणा हैं। हम सभी समाजवादी उनके अधूरे सपनों को साकार करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुधीर रावत, जिला उपाध्यक्ष शिवशंकर वर्मा, साधु यादव, नरेंद्र लोधी, राहुल अग्निहोत्री, अंकित यादव, लकी यादव, जिला सचिव रामबहादुर यादव, सदर विधानसभा अध्यक्ष मनीष सैनी, गुड्डू शुक्ला, ओमप्रकाश पासवान, राजेंद्र यादव, राहुल गौतम, नितिन पटेल, वीरेंद्र यादव, मुकेश रावत, मनजीत यादव, प्रेम यादव, पंकज लोधी, अनमोल सिंह, योगेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने खातों में रिफंड कराए 1.9 लाख

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। साइबर ठगों के विरुद्ध जारी अभियान के तहत सदर कोतवाली पुलिस ने दो पीड़ितों के खाते में उनसे फ्राड कर उड़ाई गई 1.9 लाख की धनराशि रिफंड कराई है। मेहनत की कमाई वापस मिलने से पीड़ितों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बता दें कि बीती 23 जुलाई को सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अकरमपुर निवासी रजत ने आनलाइन साइबर पोर्टल पर फर्जी रिश्तेदार बनकर अपनी बीमारी का हवाला देते हुये आनलाइन पेमेंट एप के माध्यम से 99 हजार की ठगी होने की शिकायत की थी। इस पर सदर कोतवाली की साइबर टीम ने कार्रवाई शुरू की। मंगलवार को साइबर टीम ने पीड़ित के खाते में फ्राड कर उड़ाई गई धनराशि रिफंड कराई। वहीं सदर कोतवाली के ही मोहल्ला दरोगाबाग निवासी रिजवान मोहम्मद के खाते से धोखाधड़ी से 10 हजार का फ्राड हुआ था। उसने 12 जुलाई को साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत की थी। जिसमें उसने बताया था कि किसी व्यक्ति ने उसके खाते से 10 हजार की धोखाधड़ी कर ली है। शिकायत पर सक्रिय हुई कोतवाली की साइबर क्राइम टीम ने बैंक से समन्वय स्थापित कर ट्रैक से धनराशि को ब्लॉक कराया। इसके बाद मंगलवार को रिजवान के खाते में भी फ्राड की गई धनराशि वापस कराई गई। इसमें कोतवाल अवनीश सिंह, अपराध निरीक्षक राजेश यादव व महिला आरक्षी सोनिया शर्मा की प्रमुख भूमिका रही। सीओ सिटी सोनम सिंह ने बताया कि साइबर अपराध की शिकायत पर पुलिस टीम ने तकनीकी रूप से प्रभावी कार्रवाई की है। बताया कि ऐसे मामलों में तुरंत सूचना देना जरूरी होता है। तभी समय रहते धनराशि को सुरक्षित किया जा सकता है। उनके मुताबिक सदर कोतवाली पुलिस ने वर्ष-2025 में 8.10 लाख रुपये की रिकवरी कराई है।

गंगाघाट पुलिस ने भी रिफंड कराए 1 लाख

शुक्लागंज। बीती 25 मार्च को गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सीताराम कालोनी निवासी अवनीश गुप्ता पुत्र दिनेश चंद्र ने गंगाघाट पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर अपने साथ गूगल-पे के माध्यम से अलग- अलग 2.96 लाख रुपये के फ्राड होने की बात बताई थी। पुलिस शिकायत का संज्ञान लेकर केस दर्ज कर साइबर अपराधियों की तलाश में जुटी और मंगलवार को फ्राड की गई धनराशि में 1 लाख रुपए पीड़ित के खाते में रिफंड कराए। इसमें कोतवाली प्रभारी प्रमोद मिश्रा व अपराध निरीक्षक फूल सिंह का योगदान रहा।

सेहत की बात

स्वच्छता का नहीं रखा जा रहा कोई ख्याल, गंदे हाथों से भी बना रहे हैं फास्ट फूड

फास्ट फूड सड़कों पर परोस रहा खुलेआम बीमारियां

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

अमृत विचार। हर शहर, कस्बा, गांव व चौराहों पर आपको खुले में मोमोज, फिंगर, वेज कबाब, रोल सहित तमाम फास्ट फूड सड़क किनारे स्थित दुकानों पर मिल जाएंगे। खासकर शाम को इन दुकानों में आपको खासी भीड़ भी दिखेगी। खुले में बिक रही खानपान की वस्तुओं से सैकड़ों लोग बीमार हो रहे हैं। इस ओर संबंधित विभाग के किसी अफसर की निगाह नहीं पड़ रही है।

बता दें कि आज के इस दौर में बच्चे हों गया युवा सभी सुबह से ही सड़क किनारे लगी दुकानों में छोला भठूरा व पानी पूरी से लेकर कबाब पराठा, चाऊमीन, चाट, बर्गर व अन्य फास्ट फूड खाने का आदी हो गया है। जहां दिन में वह चाय-समोसे के साथ छोला-भठूरा पसंद कर रहे हैं तो शाम होते ही चाऊमीन, बर्गर, चाट, मोमोज व फिंगर आदि फास्ट फूड को भी खासा पसंद कर रहा है। लेकिन, इन खानपान की वस्तुओं की बिक्री करने वाले दुकानदार इन्हें बनाने में किसी भी प्रकार की साफ-सफाई व मानकों का पालन नहीं करते हैं। जिससे लोग खुद के साथ परिजनों को भी गंभीर बीमारियों की ओर ले जा रहे हैं। इससे अस्पतालों में पेट, लीवर, किडनी व गुर्दे संबंधित तमाम बीमारियों के मरीज भी बढ़ रहे हैं। क्षेत्रीय निवासी अवधेश सिंह फौजी कहते हैं कि बाहर की वस्तुऐं खाने से बचना चाहिए। खासकर चाउमीन, कबाब पराठा, मोमोज व बर्गर आदि बीमारियां बढ़ाते हैं। 80 फीसदी से अधिक बीमारियां फास्ट फूड खाने से हो रही हैं। समाजसेवी नागेंद्र सिंह सेंगर ने कहा कि हर हाल में रोड किनारे लगी फास्ट फूड की दुकानों पर सफाई से संबंधित जागरूकता अभियान व खाद्य विभाग के अधिकारियों को छापेमारी कर स्वच्छता के लिए प्रेरित करना चाहिए।

फास्ट फूड की दुकान पर मौजूद ग्राहक।

सड़क किनारे लगे ठेलों पर नहीं रहती सफाई

सड़क किनारे लगने वाले तमाम फास्ट फूड के ठेलों व पटरी दुकानदार सफाई का ध्यान नहीं रखते। इन दुकानों पर गंदे हाथों से यह व्यंजन तैयार कर लोगों को परोसे जा रहे हैं। साथ ही सफाई न रहने से इन दुकानों पर मक्खियों की भी अधिकता रहती है जो बीमारियों का प्रमुख कारण हैं। यह दुकानदार व्यंजन बनाने में घटिया क्वालिटी के तेल व रिफाइंड का भी प्रयोग करते हैं।

चिकित्सक की सलाह

सफीपुर सीएचसी में तैनात फिजीशियन डॉ. बृजेश सिंह कहते हैं कि मोमोज, फिंगर व चाऊमीन आदि में पड़ने वाला केमिकल व उसकी चटनी नुकसानदायक होती है। बाहर के व्यंजन खाने से सभी को बचना चाहिए। ऐसे फास्ट फूड से पेट में संक्रमण होते हैं जो बड़ी व गंभीर बीमारियों का रूप ले लेते हैं।

रोजगार मेले में 125 छात्रों ने दिए साक्षात्कार

उन्नाव अमृत विचार। डीएसएन कॉलेज उन्नाव में मंगलवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। जिसमें 125 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कंपनियों के लिए साक्षात्कार में भाग लिया। मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियों टाटा मोटर्स, पुखराज हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, ब्राइट फ्यूचर लखनऊ, स्टार ग्रुप ऑफ मैनपावर, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन व सुपर हाउस शामिल रहीं। मेले में छात्रों ने विभिन्न पदों के लिए अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया और कंपनियों के प्रतिनिधियों के समक्ष साक्षात्कार दिया। प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव, संयोजक डॉ. अनिल साहू ने बताया कि भविष्य में और भी बड़े पैमाने पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिला सेवायोजन अधिकारी प्रीति चंद्रा, सहायक सेवायोजन अधिकारी आस्था सिंहा, डॉ. विनय तिवारी, डॉ. प्रिंस, डॉ. तूलिका रानी, डॉ. एमएल यादव, डॉ. विपिन सिंह, कार्यालय अधीक्षक आशीष शुक्ला व संजय मिश्रा आदि रहे।

बीईओ ने विद्यालयों का किया निरीक्षण

शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार। सिकंदरपुर सरोसी ब्लॉक क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों का मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी जगदीश श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल भवनों की छतों की स्थिति का जायजा लिया और जहां-जहां पानी जमा मिला, वहां तत्काल साफ-सफाई कराई गई। उन्होंने सैदापुर, भिटवा, सन्नी और बलवंतखेड़ा प्राथमिक विद्यालयों का दौरा कर भवनों की दशा देखी। बीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों के भवन जर्जर अवस्था में हैं, उन्हें निष्प्रयोज्य घोषित किया जाए, ताकि बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा बनी रहे और उन कक्षाओं का प्रयोग न किया जाए।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहम्मद आरिफ पुत्र मोहम्मद सलीम निवासी मोहल्ला-हटिया कस्बा व परगना व तहसील बांगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनांक 04-08-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला कस्बा बांगरमऊ का एक किता प्लाट विक्रेता श्री विनय श्रीवास्तव पुत्र प्रेमप्रकाश श्रीवास्तव निवासी 43/ख प्रिय दर्शनी नगर शहर व जिला उन्नाव से दिनांक 16-08-2013 को रजिस्टर्ड बैनामा से खरीद कर भवन का निर्माण करवा लिया है। कुल क्षेत्र 92.94 वर्ग मीटर भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब-प्लाट ललित कुमार आदि पश्चिम-प्लाट मुकिर उत्तर-मकान जसवन्त सिंह दक्षिण-रास्ता कच्चा चौड़ा 20 फिट प्रार्थी अपने उपरोक्त भवन को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र, रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को कर की अदायगी के लिए आवेदनकर्ता के पक्ष में पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बांगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी (नगर पालिका परिषद,बांगरमऊ उन्नाव)

अमृत विचार

बुधवार, 6 अगस्त 2025

अगर आप सच बोलते हैं तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नहीं है। - मार्क ट्वेन

आपदा और आफत

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने की भयावह घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी आपदा बनकर आई है। अथाह जल राशि के तेज वेग के साथ बहकर आए मलबे में पलक झपकते ही सारा इलाका तबाह हो गया। मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। बाजार, बस्ती, इंसान और मवेशी सभी बह गए। पहाड़ों पर पिछले कुछ समय से बादल फटने की बढ़ती घटनाएं लगातार विचलित कर रही हैं। ऐसे प्राकृतिक हादसे अधिकतर मानसून की बारिश में ही होते हैं। बादल फटने का मतलब होता है, सीमित अंतराल और दायरे में अचानक काफी भारी बारिश होना। इसके पीछे भौगोलिक और परिस्थितिजन्य कारणों के अलावा विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, अवैध निर्माण, जंगलों की आग, पेड़ों की अंधाधुंध कटान और कचरा जलाने को जिम्मेदार ठहराते हैं। वजह कुछ भी हो, बादल फटने से जीवन और संपत्ति का जिस तरह बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, उसे देखते हुए जरूरी हो गया है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय खोजने के साथ लोगों को पहले से अलर्ट करने वाले इंतजाम खोजने ही पड़ेंगे। हालांकि बरसात का मौसम केवल पहाड़ों के लिए आफत भरा है, ऐसा भी नहीं है।

मुसीबत मैदानी इलाकों में भी कम नहीं है, जहां कुछ घंटे की बारिश में सारा विकास धुल जाता है, जगह-जगह पानी भर जाता है। कहीं सड़क तो कहीं पुल-पुलिया बह जाती है। सब कुछ डूब जाता है। नाले-नाली और रोड के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। यह कहानी हर साल की तब है, जब शहरों में जल निकासी को लेकर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सीवेज लाइन, नालियां बनाई जाती हैं। हर बार दावा किया जाता है कि अबकी बारिश में जलभराव नहीं होगा। फौरी तौर पर लगता भी है कि समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन जरा सा ज्यादा पानी बरसने पर जल निकासी के प्रबंध पूरी तरह फेल हो जाते हैं या नाला-नाली की सफाई में हुई लापरवाही की भेंट चढ़ जाते हैं। एक और बड़ी बेपरवाही यह भी है कि हर कहीं नगर निगम, पालिका या जल, विद्युत और सड़क निर्माण विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इसके चलते सड़कें बनते ही फिर खोद दी जाती हैं। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को बर्बाद होने का यह भी बड़ा कारण है। दरअसल, शहरों में नई और ऊंची इमारतें तो धड़ल्ले से बन रही हैं, लेकिन ड्रेनेज मैनेजमेंट या सिस्टम को लेकर कोई खास काम नहीं हो रहा है, जबकि हर शहर की आबादी, रियायशी इलाकों और कम से कम आगे के 30 सालों की परिस्थिति आकलन करके योजना तैयार की जानी चाहिए। वर्ना बादल फटने जैसी घटना तो कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा कही जा सकती है लेकिन शहरों को डुबाने का गुनाह तो हमारा ही है। बाढ़ से निपटने के लिए जल निकासी की मजबूत व्यवस्था बनाने के लिए अगर जिम्मेदार गंभीर नहीं होंगे तो बरसात का मौसम आफत बनकर जन-जीवन की मुश्किलें बढ़ाता ही रहेगा।

प्रसंगवश

वनाधिकार कानून के पालन में पिछड़ा राजस्थान

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान 19 साल बाद भी वनाधिकार कानून के पालन करने और आदिवासियों को उनकी जमीन का हक देने में पीछे है। अपने लचर प्रदर्शन के कारण वह टॉप 10 में भी नहीं है। प्रदेश के आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। देश में वनाधिकार कानून 2006 को लागू हुए 19 साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान में आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक, राजस्थान में इन 19 सालों में केवल 51,766 वन अधिकार पट्टे ही वितरित किए गए हैं, जिनमें से 49,215 व्यक्तिगत और मात्र 2,551 सामुदायिक अधिकार हैं।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि यहां के आदिवासी अब भी अपने कानूनी अधिकार पाने में बहुत पीछे हैं, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य आदिवासियों को कानूनी हक देने में काफी आगे बढ़ चुके हैं। देश में वनाधिकार के पट्टों के लिए दावों के निपटारे में सबसे अधिक 65 प्रतिशत दावों को मंजूरी देकर ओडिशा पहले पायदान पर है। वहीं केरल में 64.69 प्रतिशत और त्रिपुरा में 63.79 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। चौथे नंबर पर झारखंड है, जहां 55.95 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे वितरित कर दिए गए हैं। अपने लचर प्रदर्शन के कारण राजस्थान टॉप 10 में भी नहीं है।

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का उद्देश्य आदिवासी समुदायों और वन्य-वन (ओटीएफडी) के साथ हुए अन्याय को दूर करना, उनकी भूमि पर स्वामित्व, आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत करना है। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों की अस्वीकृति की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 13 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है। यह आबादी राज्य के अधिकांश दक्षिण जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और चित्तौड़गढ़ में निवास करती है। वन अधिकार अधिनियम एक अहम कानून है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक अधिकार और व्यक्तिगत अधिकारों के संदर्भ में आदिवासी समुदायों और ओटीएफडी के अधिकारों की रक्षा की जाए। राजस्थान सरकार के आंकड़ों के अनुसार, उसे कुल 99,506 दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 43,326 खारिज कर दिए गए हैं। वहीं अब तक 40,015 स्वीकृत किए गए हैं और 16,165 लंबित चल रहे हैं।

वहीं राजस्थान में 310,151 एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिया गया है, जो सुनने में एक बड़ा आंकड़ा लगता है। पर यह उन आदिवासियों के लिए बहुत कम है, जो राजस्थान में पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं। महाराष्ट्र में 38.32 लाख एकड़ और मध्य प्रदेश में 23.67 लाख एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या आदिवासियों के जीवन, उनकी संस्कृति और परंपराओं की कोई अहमियत है? क्या यही है जनजाति सशक्तिकरण, जिसका वादा सरकारें करती हैं?

वहीं राजस्थान में आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों की स्थिति भी चिंताजनक है। 2022-23 में जहां 2.36 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं 2023-24 में यह घटकर 1.68 लाख रह गई। इस बारे में आदिवासी संगठन पूछते हैं कि यह गिरावट क्या प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर बजट की कमी की वजह से हो रही है? केंद्र सरकार के अनुसार, देश भर में बैकलॉग के 1.15 लाख एसटी पद भरे जा चुके हैं, लेकिन राजस्थान में इसका कोई स्वतंत्र डाटा उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार की यह चुप्पी आदिवासियों के अधिकारों की ओर गंभीरता की कमी को दर्शाती है। केरल में ट्राइबल प्लस योजना के तहत आदिवासियों को अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। वहीं राजस्थान में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं हुई है।

हिरोशिमा की राख से उठते कुछ सवाल

हिरोशिमा दिवस आज

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945, इतिहास में यह तारीख उस भयावह क्षण के रूप में अंकित है, जब विज्ञान की शक्ति ने मानवता की सीमा लांघ दी थी और विनाश का नया अध्याय शुरू हुआ था। यही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के शांत और सांस्कृतिक शहर हिरोशिमा पर 'लिटिल ब्वाय' नामक परमाणु बम गिराया था। उस एक विस्फोट ने लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों की जान ले ली थी और लाखों अन्य को पीड़ा, विकलांगता, कैंसर, मानसिक संताप और सामाजिक बहिष्करण के लंबे दौर में धकेल दिया था। हिरोशिमा केवल एक शहर नहीं था, जो जलकर राख हुआ, वह मानव विवेक, चेतना और सहअस्तित्व की अवधारणा पर लगा एक ऐसा स्थायी घाव था, जो आज भी रिस रहा है।

हर साल 6 अगस्त को मनाया जाने वाला 'हिरोशिमा दिवस' पूरी दुनिया को यह याद दिलाता है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियां नियंत्रण से बाहर होती हैं तो वे मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। हिरोशिमा पर गिराया गया बम कोई आम हथियार नहीं था। वह लगभग 15 किलोटन यानी 15 हजार टन टीएनटी विस्फोटक के बराबर शक्ति रखता था और उसकी विभीषिका ने केवल शहर की इमारतों को नहीं बल्कि वहां की मिट्टी, जल, वायु और मानव शरीर तक को रेडियोधर्मी विकिरण से बुरी तरह प्रभावित किया। बम विस्फोट के तुरंत बाद लगभग 80 हजार लोग मारे गए और वर्ष के अंत तक यह संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई। वहां की संतानों में जन्म दोष, कैंसर, मानसिक विकार और सामाजिक कलंक के ऐसे दाग लगे, जो पीढ़ियों तक नहीं मिट सके।

परमाणु बम से बच निकले लोगों को जापान में 'हिबाकुशा' कहा गया। इन लोगों ने केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, सामाजिक तिरस्कार और मानसिक आघात भी सहा। जिन लोगों ने त्रासदी झेली, उन्हें अक्सर हीन दृष्टि से देखा गया। यही त्रासदी कुछ ही दिन बाद, 9 अगस्त को नागासाकी में भी दोहराई गई, जब अमेरिका ने 'फैट मैन' नामक बम गिराया और एक बार फिर करीब 70 हजार लोगों की जानें चली गईं। उन दो हमलों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध भले ही समाप्त हुआ, लेकिन मानवता की चेतना पर जो चोट पड़ी, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। उन बम हमलों ने वैश्विक राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया। उसके बाद युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं रह गया बल्कि एक ऐसी होड़ में तब्दील हो गया, जिसमें विनाश की क्षमता को ही शक्ति का मानक माना जाने लगा।

हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के बाद परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हुई। अमेरिका के बाद सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बनाए और धीरे-धीरे यह शस्त्र राजनीतिक शक्ति और रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक बन गया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) जैसे प्रयासों के बावजूद परमाणु खतरा कम नहीं हुआ। कुछ देशों ने इन संधियों को स्वीकार नहीं किया, कुछ ने औपचारिकता निभाई और कुछ ने गुपचुप परमाणु जखीरा बढ़ाया।

भारत ने 1974 में 'स्माइलिंग बुद्धा' के नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया और 1998 में पोखरण-2 द्वारा स्वयं को परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' यानी पहले हमला नहीं करने की नीति अपनाई, जो एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र की पहचान है, लेकिन पाकिस्तान, जिसने 1998 में अपने परमाणु परीक्षणों से ताकत दिखाई, बार-बार इस नीति को चुनौती देता रहा है। भारत-पाक के बीच जब-जब तनाव बढ़ा, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो, बालाकोट स्ट्राइक हो या पुलवामा अथवा पहलगाम जैसे आतंकी हमले, विश्व समुदाय ने परमाणु टकराव की आशंका के साथ चिंताओं का इजहार किया।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां दी गई हैं, इस बात को स्पष्ट करती है कि परमाणु बम केवल संग्रहालय की वस्तु नहीं हैं। उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, चीन का परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने का प्रयास हमें बार-बार इस सच्चाई से अवगत कराते हैं कि हिरोशिमा जैसे दृश्य दोहराए जाने की आशंका कभी भी पैदा हो सकती है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी, जैविक हथियारों और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब परमाणु हथियारों का अस्तित्व एक ऐसा छिपा हुआ विस्फोटक है, जो केवल एक गलत निर्णय, एक तकनीकी विफलता या एक गलतफहमी से ही धरती को विनाश के गर्त में धकेल सकता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हम अब परंपरागत युद्धों की नहीं बल्कि 'साइबर स्पेस', 'ड्रोन स्ट्राइक्स' और 'परमाणु धमकी' जैसे अस्थिर और अनिश्चित युद्धों के युग में प्रवेश कर चुके हैं वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिए 'ट्रीटी ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' पारित की गई।

> आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है।

आमने सामने

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंत चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रभावी विपक्ष बनने के लिए उन्हें ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले कुछ दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। नड्डा ने विपक्ष पर 'अराजक' होने का भी आरोप लगाकर कहा- राज्यसभा में सभापति की अनुमति से बोल रहे सदस्यों को बाधित करना लोकतंत्र नहीं है।

स्त्री-स्वास्थ्य नीतिगत दोलन का शिकार

जय प्रकाश पांडेय
स्वतंत्र लेखक

हम एक ऐसी राष्ट्र-कल्पना में जी रहे हैं, जिसकी सांस्कृतिक चेतना स्त्री को मातृ रूप में प्रतिष्ठित करती है, किंतु विडंबना यह है कि राष्ट्र की यही मातृ रूपा प्रतीक-संरचना, स्वयं उसी स्त्री की अवहेलना में अपनी जड़ें खोजती है। परिणाम स्वरूप, जहां 'माता' शब्द ध्वनि की पवित्रतम आवृत्ति में गूंजता है, किंतु जब उसी 'मां' के हीमोग्लोबिन की चर्चा आती है, तो नीति-पत्रों की गलियों में 'अस्थायी सुझाव' का बोर्ड लटकता दिखता है। इस प्रकार यह प्रतिकात्मक राष्ट्रवता अपने आदर्श से ही पहला विचलन प्राप्त करती है और यह चेतना, जो मां को पूज्य मानती है, उसी मां की वास्तविक सामाजिक उपस्थिति से मुंह मोड़ लेती है।

स्त्री-स्वास्थ्य का विमर्श भारत में आज भी एक ऐसी नीतिगत दोलन अवस्था में है, जहां जनसंख्या नियंत्रण और मातृत्व प्रोत्साहन दो परस्पर-विरोधी ध्रुव नहीं, बल्कि दो वैकल्पिक आंकड़े हैं, जिनके बीच स्त्री की देह एक अनुपस्थित इकाई की तरह झूलती रहती है। जिस शरीर को राज्य, जनसंख्या रेखाओं के ग्राफ़ में नियोजित करता है, उसी शरीर की थकान, पीड़ा और पुनर्निर्माण का कोई स्वतंत्र विमर्श नहीं है। विडंबना यह है कि इस अपूर्ण और लक्ष्य केंद्रित विमर्श को ही हम 'स्वास्थ्य नीति' के नाम से स्वीकृति देते हैं, मानो किसी भी संस्थान की उपस्थिति मात्र ही उसकी न्याय संगतता का प्रमाण हो।

हमें बताया जाता है कि नीतियां मौजूद हैं- जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्र धनुष और हम सहर्ष मान भी लेते हैं, क्योंकि योजनाओं के नाम बड़े सुंदर और श्रद्धास्पद होते हैं। पर थोड़ी देर में समझ आता है कि इन सभी योजनाओं की परिधि वहीं तक है जहां तक स्त्री की देह मातृत्व के लिए उपयोगी मानी जाती है। नीति मानो यह संकेत देती है- 'हम तुम्हारी तब तक चिंता करेंगे, जब तक तुम्हारे भीतर कोई जननात्मक संभावना पल रही हो, उसके बाद तुम्हारा शरीर हमारी दृष्टि से बाहर, तुम्हारा निजी मामला है'। किशोरावस्था, रजोनिवृत्ति, मानसिक स्वास्थ्य या वृद्धावस्था, ये सब स्त्री-जीवन के ऐसे चरण हैं, जो नीति की दृष्टि में शायद 'अवकाश प्राप्त विषय' माने जाते हैं। उनकी चर्चा करना न तो चुनावी भाषणों में उपयुक्त होता है, न बजट की घोषणाओं में शोभनीय। यही कारण है कि स्त्री के संपूर्ण जीवन-चक्र को समझने की कोई संस्थागत जिज्ञासा नहीं बन पाती।

स्त्री के जीवन चक्र को जब तक नीतिगत संरचनाओं में खंडित कर अर्थात किशोरावस्था, मातृत्व, रजोनिवृत्ति और वृद्धावस्था जैसी अवस्थाओं में पृथक-पृथक वर्गीकृत कर देखा जाएगा, तब तक कोई भी स्वास्थ्य कार्यक्रम समग्र नहीं हो सकेगा। यह दृष्टिकोण स्त्री को एक निरंतर जीवंत सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अवसरानुकूल हस्तक्षेप की इकाई के रूप में परिभाषित करता है। राज्य की योजनात्मक दृष्टि यदि देह के केवल उन पक्षों को संबोधित करती है जो प्रजनन-उपयुक्त हैं, तो यह एक वैचारिक अपूर्णता है। एक ऐसी अधूरी संरचना जो भीतर से रिक्त है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 का एक सूक्ष्म पर गहनतः त्रासद आंकड़ा संकेत करता है कि देश की लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच से वंचित हैं। यह कोई आकस्मिक सामाजिक विचलन नहीं, बल्कि एक दीर्घ कालिक नीतिगत विमुखता का संस्थागत प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि स्त्री की जैविक आवश्यकता को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य विमर्श में 'सुविधा' से आगे नहीं देखा गया।

यह उपेक्षा केवल तत्काल असुविधा नहीं लाती, यह आने वाले वर्षों की रक्तहीन संभावनाओं को जन्म देती है। किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है। यह दर केवल शरीर की नहीं, नीति की भी रक्ताल्पता को प्रकट करती है। यदि इन्हीं आंकड़ों को राष्ट्र की स्वास्थ्य-आधारशिला माना जाए तो कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी अगली पीढ़ियां पहले से ही रक्तहीन हैं- शारीरिक रूप से भी और नीति की कल्पना में भी।

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में आज भी 42% से अधिक प्रसव घरों में सम्पन्न होते हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में कोई प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं होता। यह परिघटना 'स्वावलंबन' की किसी प्रेरक कथा का संकेत नहीं देती, बल्कि यह सुव्यवस्था की अनुपस्थिति की एक सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थायी अवस्था का द्योतक है। दूसरी ओर राजस्थान, जहां प्रतिवर्ष बालिका सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों की योजनाएं स्वीकृत की जाती हैं, वहां केवल 28.6% महिलाएं ही प्रसवोत्तर देखभाल तक पहुंच प्राप्त कर पाती हैं। क्या यह मान लिया गया है कि शिशु के जन्म के क्षण भर बाद ही आत्मचिकित्सा में स्वयंसिद्ध हो जाती है? झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति इस विमर्श को और गहरा करती है। वहां स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक पहुंचना आज भी 'पहाड़ चढ़ने' के तुल्य है। यह कोई भाषिक प्रतीक नहीं, अपितु भौगोलिक सत्य है। इन क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका, अपनी मूल अवधारणा से विचलित हो, अब संसाधन-वितरण की अपेक्षा सांस्कृतिक संकोच के हस्तांतरण में अधिक सक्रिय दिखती हैं। वस्तुतः यह मात्र आंकड़े नहीं, सामाजिक चेतावनियां हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना, उस संरचनात्मक उपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत है, जो दशकों से स्वास्थ्य को कल्याण नहीं, अनुदान की तरह देखती रही है।

> किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय व्यापार और नीति पर प्रभाव

प्रो. रिपुदमन सिंह
अर्थशास्त्री

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही रूस से ऊर्जा और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाना, पहली नजर में भारत के लिए एक झटका है। एक मुक्त व्यापार समझौता जो भारतीय उत्पादों को दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक अधिक पहुंच की अनुमति देता है और साथ ही, अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोलता है, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। 2024-25 (अप्रैल में) अमेरिका को भारत का निर्यात 86 बिलियन डॉलर था, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक था। अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करना भारत के हित में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर व्यापार पर भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों और ऊर्जा तथा सैन्य उपकरणों पर रूस के साथ व्यवहार का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने के पीछे मुख्य कारणों के रूप में उद्धृत किया। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जुर्माना कैसा होगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अतीत में ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में खटास पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण जरूरी है। हाल के परिदृश्य के पीछे किसी एक कारक को चिन्हित करना मुश्किल है। भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का मुद्दा, प्रतिशोध के रूप में अपने पहले कार्यकाल से ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाया जाता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लम्बे समय से यह शिकायत करते रहे हैं कि भारत जैसे देश यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध को आंशिक रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने दोहराया है कि वह अपनी राष्ट्रीय और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अगर इसका मतलब सस्ता रूसी तेल खरीदना है, तो वह यही करेगा।

वर्तमान में रूस से भारत का तेल आयात लगभग 35-40 प्रतिशत है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है। इसके अलावा, भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों को अमेरिका सहित सभी व्यापारिक समझौतों से बाहर रखने पर अड़िग है। इससे अमेरिका नाराज है, लेकिन यह एक लक्ष्य रेखा है, जिसे भारत पार नहीं करना चाहेगा। इन क्षेत्रों को खोलने से भारत के अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले किसान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सामने आ जाएंगे, जिसका उनकी आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। फिर यह तथ्य भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करने के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर सहमति बनाने के लिए उन्होंने और उनकी व्यापार वार्ता ने ही काम किया था। भारत सरकार ने इस तथ्य का खंडन किया है, जिससे डोनाल्ड ट्रंप और भी नाराज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दावों ने भारतीय सत्ता पक्ष को भी नाराज कर दिया है, क्योंकि इससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक मौका मिल गया है।

टैरिफ के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टैरिफ का भुगतान आयातक करते हैं। इसलिए, भारतीय आयातों पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका में उन लोगों द्वारा किया जाएगा जो भारतीय सामान आयात कर रहे हैं। यानी भारतीय सामान उनके लिए और महंगे हो जाएंगे। यही भारत के लिए असली समस्या है। बैंक ऑफ बड़ौदा के शोध के अनुसार, वृहद स्तर पर, टैरिफ और उनका भारतीय निर्यात पर पड़ने वाला प्रभाव भारत के सकल घरेलू उत्पाद पर केवल 0.2 प्रतिशत की कमी लाएगा। इसलिए, यदि भारत का विकास अनुमान 6.6 प्रतिशत था, तो ये टैरिफ, यदि लगाए जाते हैं, तो विकास दर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न होगी। वस्त्र, कीमती हीरे, ऑटो पार्ट्स, चमड़े के उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

सोशल फोरम

मीना आपा

मीना आपा के भीतर कोई चंचल-शोख़ और मन की उड़ान भरती कोई बेफ़िक्र लड़की रही होगी...शायद कभी...क्या पता। उनके चुनिंदा मज़ाहिया किरदार देखें तो बरबस उनके शरारती रूप पर यक़ीन करने का जी हो जाता है। पूरी दुनिया की कई ख़ूबसूरत, बेमिसाल, नायाब अभिनेत्रियों के जीवन पर बहुधा मैंने किसी अभिशाप का साया देखा है।

यूनुस खान
ब्लॉगर

सख्त हक़ीक़त ये है मीना के जीवन पर उदासी का ग्रहण इतना गहरा था कि वो लड़की कहीं बिला गयी। हिरा गयी। और देखिए तो...ऐसे किरदारों में वो ख़ूब खिलीं- जहां कुछ छूट रहा है, जहां हथेली में से रेत की तरह ख़त्म हो रहा है कुछ। वीरान और उजाड़ दुनिया के किरदार, जिनके हिस्से में उनके मन का आकाश नहीं आया। उस पर शाम के सूरज ने गुलाल नहीं बिखराया। उदास शामें, गुमसुम सुबहें और मनहूस रातों वाले किरदार।

'ये विखरी ज़ुल्फ़ें ये खिलता कजरा/ ये महकी चुनरी ये मन की मदिरा/ ये सब तुम्हारे लिए है प्रीतम/ मैं आज तुमको जाने ना दूंगी'।

....और सामने वाला हाथ झटककर चल देता है। एक स्त्री के वजूद, उसके अरमानों और उसकी तमन्नाओं को धता बताकर। ख़्वाब देखना कोई कुसूर नहीं। क्या रहे होंगे उनके ख़्वाब। और कैसे किरच-किरच बिखरे होंगे, क्या पता...

'पंछी से छुड़ाकर उसका घर/ तुम अपने घर पर ले आये
ये प्यार का पिंजरा मन भाया/ हम जी भर-भर कर मुस्काये
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से/ तुम कहने लगे आज़ाद रहो'

38 बरस की उम्र क्या होती है। सिर्फ़ 38 बरस। इन अड़तीस बरसों में कितने दिन बोझिल और उदास बीते होंगे मीना आपा के। तभी तो उनके लिखे में दर्द छलक-छलक पड़ता है।

आबला-पा कोई इस दश्त में आया होगा
वर्ना आंधी में दिया किस ने जलाया होगा।।

या फिर:

यूं तेरी रहगुज़र से दीवाना-वार गुज़रे
कांधे पे अपने रख के अपना मज़ार गुज़रे।।

मीना ये कहते हुए चली गयीं--

'राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगे ये जहां तन्हा'

आज 'नाज़' उनासी की होतीं पर अड़तीस की होकर चली गयीं।

-फेसबुक वाल से

स्वामी- रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा।)

कानपुर के पास स्थित ब्रह्मावर्त की महिमा पुराणों में, यहीं वाल्मीकि आश्रम में रहीं माता सीता, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की भी गवाह है यह भूमि

यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

कानपुर शहर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है, धार्मिक-पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल ब्रह्मावर्त, जिसकी महिमा पुराणों में वर्णित है। इसे बिठूर के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह क्षेत्र सृष्टि का केंद्र है, क्योंकि जल प्लावन के बाद सबसे पहले जल से प्रकट होने वाला भू-भाग यही था। पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं सृष्टि रचना पूर्ण करने के उपरान्त ब्रह्मेश्वर शिवलिंग स्थापित कर अश्वमेद्य यज्ञ किया और अश्वनाल को कीलित कर स्थापित किया। बिठूर के ब्रह्मेश्वर घाट में इसकी आज भी ब्रह्मा की खूंटी के रूप में पूजा-अर्चना होती है। बिठूर में ही महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। जहां बैठकर उन्होंने रामायण की रचना की थी। इसी आश्रम में श्रीराम द्वारा परित्याग किए जाने के बाद माता सीता ने निवास किया और लव और कुश नामक दो पुत्रों को जन्म दिया था। आश्रम में तीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर महर्षि वाल्मीकि का है, जिसमें उनकी पद्मासन मुद्रा में बैठे और दाएं हाथ में लेखनी लिए प्रतिमा स्थापित है। उनके पास ही भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

वाल्मीकि आश्रम में है स्वर्ग की सीढ़ी

- बिठूर में वाल्मीकि आश्रम ऊंचाई पर बना है। इसलिए यहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई हैं। इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ी कहा जाता है। आश्रम में माता सीता की रसोई के पास यह सीढ़ियां बनी हैं। यहां श्रीराम तथा उनकी सेना के साथ लव–कुश के युद्ध के प्रमाणों के साथ घटनास्थलों के नाम भी उस कालखंड की पुष्टि करते हैं, जैसे सीता परित्याग स्थल परियर, सेना के साथ रणभूमि में मिलन रणमेल या रमेल तथा महारण झील अथवा महान झील है। यह क्षेत्र आदि काल से ही मुनियों की तपस्थली तथा यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात रहा है। ब्रह्मा जी और मित्रसह के अश्वमेघ यज्ञ तथा पृथु द्वारा मनु महाराज से अश्वमेध यज्ञ की दीक्षा प्राप्त करने के साथ ही दुष्यंत पुत्र राजा भरत द्वारा गंगा तट पर 55 अश्वमेघ यज्ञ करने का उल्लेख श्रीमद्भागवत् के नवम् स्कन्ध में मिलता है। इससे प्रमाणित होता है कि ब्रह्मावर्त यज्ञ दीक्षा एवं यज्ञ करने का अति महत्वपूर्ण स्थान था।

महर्षि वाल्मीकि आश्रम

इन तथ्यों और अवशेषों से मिले प्रमाण

वाल्मीकि रामायण में उत्तरकाण्ड के पैंसठवें सर्ग के श्लोक 1 तथा 2 में उल्लिखित है कि श्रीराम के भाई शत्रुघ्न ने अयोध्या से लवणासुर को मारने के लिए सेना भेजने के बाद अकेले ही प्रस्थान किया और दो दिन यात्रा के उपरान्त तीसरे दिन वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। अयोध्या से बिठूर तक उस समय में घोड़े या अश्वरथ से 2 दिन का समय लगना पूर्णत: विश्वसनीय है। यही समयावधि सीता परित्याग की घटना में वर्णित है।

- श्रीमद्भागवत् के चतुर्थ स्कन्ध के 19वें अध्याय में राजा पृथु द्वारा मनु महाराज से ब्रह्मावर्त में अश्वमेध यज्ञ दीक्षा लेने का उल्लेख है।
- महाकवि विद्यापति द्वारा 13 वीं सदी में रचित भू परिक्रमा में बिठूर में बलराम जी के तीर्थ यात्रा में आने का उल्लेख मिलता है।
- भारत में सर्वप्रथम ताम्र निधियों की प्राप्ति बिठूर में ही हुई। इनका कालखण्ड 4000 वर्ष ईसा पूर्व तक आंका गया है।
- यहां रामायण काल के अस्त्र – शस्त्र भी मिले हैं, जिनमें से कुछ रामजानकी मंदिर में संग्रहीत हैं।
- महाराज मनु की संतान राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव की तपस्थली के स्मृति स्वरूप यहां ध्रुव टीला आज भी विद्यमान है, जिससे प्रागैतिहासिक काल तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

नाना साहब के नेतृत्व में लड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

- बिठूर का इतिहास आजादी की लड़ाई से भी प्रमुखता के साथ जुड़ा है। 1817 में पूना के पेशवा बाजीराव पेशवा द्वितीय को अंग्रेजों से हुए समझौते के कारण पेंशन लेकर बिठूर में निवास करना पड़ा। इसके बाद तमाम मराठी परिवार यहां बस गए। बाजीराव ने बिठूर में महल तथा कई इमारतें बनवाईं। 1851 में बाजीराव की मृत्यु के उपरान्त उनके दत्तक पुत्र धूंढू पन्त नाना साहब के रूप में विख्यात हुए। लेकिन अंग्रेजों ने नानाराव को पेंशन देने से मना कर दिया। अंग्रेज सरकार के इस रवैये के खिलाफ नाना साहब ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने की योजना बनाई। नाना साहब के नेतृत्व में बिठूर को केन्द्र बनाकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया।

पूर्व वैदिक काल की मान्यता रखता है ध्रुव टीला

घने जंगल में अकेले बैठकर कैसे पांच साल के बालक ध्रुव ने भगवान विष्णु की तपस्या कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, यह कहानी हम सभी ने सुनी है। बालक ध्रुव के समर्पण से सनातन सप्त ऋषियों ने अभिभूत होकर उन्हें विशाल अंतरिक्ष में ध्रुवपद (ध्रुव तारा) का सर्वोच्च पद प्रदान किया था। माना जाता है कि ध्रुव का जन्म बिठूर में हुआ था और जिस स्थान पर वह ध्यान के लिए बैठे थे, उसे ध्रुव टीला कहा जाता है। यह शांत स्थान गंगा नदी के किनारे स्थित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबे के भाले, कुल्हाड़ी, चाकू, मूर्तियां, तांबे के गोलाकार छल्ले और अन्य वस्तुएं मिली हैं। इतिहासकारों का मानना है कि ध्रुव टीला संभवत: पूर्व वैदिक काल का है। मान्यता है कि ध्रुवटीला राजा उत्तानपाद के राजकाल के दौरान का है। यहां ही ध्रुव का जन्म हुआ। 1822 में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में यहां से ताम्र आयुध बरामद हो चुके हैं। सभी ऐतिहासिक धरोहरें कोलकाता, लखनऊ और प्रयाग के संग्रहालय में संरक्षित हैं। ध्रुव टीला के बगल में एक प्राचीन दुर्गा मंदिर और भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु संत रामदास के सम्मान में एक आश्रम भी बनाया गया है।

लेखक
धर्म प्रकाश गुप्त
संयोजक सचिव
कानपुर पंचायत

प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

लेखक
अभिनेता
ललित तिवारी।

नैनीताल का रंगमंच कुमाऊनी संस्कृति और सभ्यता का आईना, और भारतीय अतीत के साहित्य व सामाजिक जीवन का अदभुत रूप है। नैसर्गिक पर्वतीय क्षेत्र का आकर्षण 141 वर्ष पहले कला प्रेमी बंगाली कलाकारों को यहां खींचकर लाया था, जिन्होंने वर्ष 1884 में नाट्य मंचन का शुभारंभ किया। इसी के बाद वर्ष 1900 में इंडियन क्लब की स्थापना हुई और स्थानीय लोग भी नाट्य मंचन में हिस्सा लेने लगे। 1900 में ही इंडियन एमेच्योर क्लब और 1910 में फ्रेंड्स एमेच्योर ड्रामेटिक क्लब खुला। इस दौर में ज्यादातर धार्मिक नाटकों का मंचन हुआ करता था। आजादी के काफी बाद 1980 के दशक में युगमंच की स्थापना हुई। नैनीताल का प्रसिद्ध यह रंगमंच समूह उत्तराखंड के सांस्कृतिक इतिहास, भूगोल और नाट्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।

नैनीताल का रंगमंच, सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने क्षेत्र की कलात्मक विरासत को समृद्ध किया है। कई स्थानीय कलाकारों को अलग पहचान दिलाई है। इनमें ललित तिवारी को जहां बॉलीवुड की राह मिली, वहीं निर्मल पांडे ने बैंडिट क्वीन

में विक्रम मल्लाह का शानदार किरदार निभाया। ज्ञान प्रकाश भी रंगमंच से टीवी धारावाहिक और बॉलीवुड में सक्रिय हैं, जबकि इदरीस मलिक रंगमंच के जरिए युवाओं की प्रतिभा निखार रहे हैं। मशहूर रंगकर्मी मिथिलेश पांडे कहते हैं कि नैनीताल के रंगमंच ने अभिनय ही नहीं बल्कि निर्देशन के साथ फिल्म मेकिंग और कला की अनेक वर्गों में प्रतिभाओं को स्थापित किया है।

मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान

सेहत के लिए संजीदा हो रहे समाज में मिट्टी के बर्तनों को हर घर की शान बनाने के अभियान में जुटी हैं, कानपुर की बिंदु सिंह। प्लास्टिक, एल्युमुनियम और नॉन स्टिक मुक्त रसोई बनाने के लिए सर्वोसार्थ माटी के बर्तनों को उन्होंने देश के हर कोने में पहुंचाने के साथ विदेशों में भी पसंदीदा बना दिया है। उनकी इस पहल ने मिट्टी के बर्तनों की मांग खत्म होने से परेशान कुम्हारों के जीवन में नया सवेरा ला दिया है। री-यूजेबल और डिस्पोजल दोनों तरह के बर्तनों के उन्होंने 360 से अधिक प्रोडक्ट तैयार किए हैं। कुम्हारों का पलायन रोकने के साथ बिंदु सिंह ने उन्हें शिक्षा देकर नयी टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया है, इससे नए उत्पाद गढ़ने और उन्हें आधुनिकता के सांचे में ढालने का काम आसान हो गया है। वह मिट्टी के बर्तनों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेलों और प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने के साथ ऑनलाइन बिक्री भी करती हैं। यही नहीं, जेल में निरुद्ध महिलाओं को मिट्टी के बर्तनों पर पेंटिंग करना सिखाकर जेल से बाहर आने पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए इको फ्रैंडली उत्सव और कौशल विकास के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों व संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित करती हैं। उनके निर्देशन में 200 से अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो बड़ी संख्या में कुम्हारों के परिवार और गांव भी जुड़े हैं।

बिंदु सिंह।

सुंगध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक

कन्नौज का पौराणिक नाम कन्याकुब्ज था। मिहिर भोज के समय में इसे महोदया नाम से भी जाना जाता था। कन्नौज कभी प्रमुख ऐतिहासिक नगर था, जिसे इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। गंगा नदी के तट पर स्थित यह नगर पुरातात्विक दृष्टि से प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। यह नगर इतना संपन्न था कि इसे राजा हर्ष, नागभट्ट द्वितीय जैसे राजाओं ने राजधानी बनाया। राजा हर्ष के बाद यहां कई राजाओं ने राज किया। वर्ष 554 में यह मौखरी वंश की राजधानी बना। छठी सदी में सम्राट हर्ष ने राजधानी बनाया। 647 में इसकी संपन्नता को धक्का लगा। लेकिन 715 ई. में यशोवर्मन काल में फिर से कन्नौज में संपन्नता का सूरज चमका। 815 में गुर्जर-प्रतिहारों ने इसे संवारा। 1080 गहरवारों के शासन में इसकी समृद्धि बढ़ी। मगर 1194 ई. में यहां के वीर राजा जयचंद्र की पराजय के बाद इसकी समृद्धि का सूरज अस्त हो गया। जयचंद्र के समय कन्नौज में धर्म-संस्कृति कैसी थी, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बंगाल के राजा को धर्म और सभयता के प्रचार-प्रसार के लिए कन्नौज से ब्राह्मणों को बुलाना पड़ा था।

राजा वेणु की सात पुत्रियां देवी के रूप में स्थापित

रामायण काल में कन्नौज के तेजस्वी व महापराक्रमी राजा वेणु हुए, जिनकी सात पुत्रियां थीं। इन सभी सातों पुत्रियों ने कठिन तप किया और वह देवी स्वरूप में परिवर्तित हो गईं। कन्नौज के अलग–अलग क्षेत्रों में इन सभी देवियों माता फूलमती, माता क्षेमकली, संदोहनी देवी, गोवर्धनी देवी, शीतला देवी, सिंह वाहिनी देवी और मौरारी देवी के मंदिर स्थापित हैं।

राजा जयचंद की मौत के बाद अस्त हो गया समृद्धि का सूरज

जयचंद की मौत के बाद कन्नौज गुलाम वंश के अधीन हो गया। तेहरवीं शताब्दी में मोहम्मद तुगलक ने कन्नौज को उजाड़ दिया। लुटेरों का बोलबाला हो गया। मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। कांस्य युग के समय के कई पूर्व ऐतिहासिक हथियार और उपकरण यहां मिले हैं। पुराणों में कन्नौज का अश्वतीर्थ के रूप में वर्णन किया गया है। वर्तमान में कन्नौज अपने परफ्यूम उद्योग के लिए जाना जाता है। कन्नौज में टैराकोटा से बनी चीजें और प्राचीन सिक्कों का मिलना बहुत आम बात है। यहां मौर्य और गुप्त वंश के समय की चीजों को भी देखा जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	80,710.25	24,649.55
गिरावट	308.47	73.20
प्रतिशत में	0.38	0.30

सोना 98,820 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,12,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, बुधवार, 6 अगस्त 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

मालवाहक गलियारे को महाराष्ट्र ने दी मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को नई स्टार्टअप एवं नवाचार नीति, नए मालवाहक गलियारे, भूमि सुधार और कुष्ठ रोगियों की देखभाल में लगे संगठनों को अनुदान बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 'महाराष्ट्र स्टार्टअप, उद्यमिता और नवाचार नीति-2025' को पूरे राज्य में कौशल विकास, नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मंजूरी दी गई है। मंत्रिमंडल ने पालघर जिले में स्थित वधावन बंदरगाह को बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग' (भरवीर स्थान) से जोड़ने वाले नए मालवाहक गलियारे को भी मंजूरी दी। इसकी योजना और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी गई है।

मेडिस्टेप हेल्थकेयर का आईपीओ 8 अगस्त को

नई दिल्ली। दवा कंपनी मेडिस्टेप हेल्थकेयर का 16.09 करोड़ का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आठ अगस्त को खुलकर 12 अगस्त को बंद होगा। मेडिस्टेप हेल्थकेयर ने कहा कि उसके शेयर 18 अगस्त को एनएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 37.44 लाख शेयर हैं, जिनकी कीमत 43 रुपये प्रति शेयर है। इससे कुल निर्गम का आकार 16.09 करोड़ बैठता है। सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 61.10 करोड़ होने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक गिरधारी लाल प्रजापति ने कहा, आईपीओ से प्राप्त राशि रणनीतिक रूप से हमारे विस्तार प्रयासों को समर्थन देगी।

वन97 कम्युनिकेशंस में अपना हिस्सा एंट ने बेचा

नई दिल्ली। उद्योगपति जैक मा की एंट फाइनेंशियल ने पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी पूरी 5.84% हिस्सेदारी 3,803 करोड़ में बेच दी है। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद घरेलू शेयर बाजारों में कंपनी के शेयर में गिरावट आई। एंट ग्रुप ने अपनी सहयोगी कंपनी एंटफिन (नीदरलैंड्स) होल्डिंग बीवी के माध्यम से नोएडा स्थित वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर बेच दिए हैं। एंट ग्रुप को पहले एंट फाइनेंशियल के नाम से जाना जाता था।

ब्याज दर पर बदलाव की संभावना कम

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा आज करेंगे तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

- 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का कर सकता है इंतजार

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है।

मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है। अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25% अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल 1% अंक की कटौती की जा चुकी है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही 1% अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं। रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।

एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 2% घटबढ़ के साथ 4% के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

रिजर्व बैंक के निर्णय से पहले बाजार में आई गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले बैंक और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। बीएसई का सेंसेक्स 308.47 अंक की गिरावट के साथ 80,710.25 अंक पर बंद हुआ। और एनएसई का निफ्टी भी 73.20 अंक की गिरावट के साथ 24,649.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी शामिल हैं। बीएसई का स्मॉलकैप 0.27 और मिडकैप 0.14% के नुकसान में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.02 प्रतिशत टूटकर 68.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर

- नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से मिला समर्थन, पीएमआई सूचकांक 60.5 रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसे नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया, उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है। भंडारी ने कहा, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है... जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी से चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

महिलाओं को लोन देने पर कवरेज बढ़ाएं बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्चुअल बैठक लेते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

- खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और महिला स्वरोजगार को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली बैठक

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमएफबीवाई के अंतर्गत किसानों का खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) की बहनों की तरक्की के लिए उन्हें लोन देने के संबंध में मंगलवार को बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि वे महिलाओं को लोन देने के लिए फोकस कर कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी ध्यान दें, ताकि बेहतर नतीजे मिल सकें। सिंह ने निर्णय लिया कि फसल बीमा में किसानों को सुरक्षा कवच देने के लिए 16-30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

शिवराज सिंह ने बताया कि देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं हैं। इनको अब तक 11 लाख करोड़ का लोन दिया जा चुका है। किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण 10.25 लाख करोड़ को पार कर गया है। बैंकों द्वारा अब 75% ऋण किसानों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, बैंकों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शीर्ष निर्यातक राज्य रहा गुजरात, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

गुजरात ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। कुल 9.83 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार यह जानकारी दी।

पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के बावजूद, गुजरात का निर्यात अन्य सभी राज्यों से काफी आगे रहा। यह दूसरे स्थान पर रहने वाले राज्य महाराष्ट्र (5,57,271 करोड़ रुपये) से लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये अधिक है। फियो के अनुसार, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का स्थान है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि गुजरात ने 2024-25 में, देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति फिर से स्थापित की है। फियो के अनुसार, गुजरात से होने वाले निर्यात में कुछ जिलों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसमें जामनगर 3.63 लाख करोड़ रुपये के साथ अगुवा बना हुआ है। इसका मुख्य कारण पेट्रोलियम और रिफाइनरी निर्यात है। जामनगर राज्य के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान देता है।

फियो निर्यातकों की सहायता के लिए अमेजन के साथ करेगा समझौता

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि वह घरेलू निर्यातकों को सीमापार व्यापार के माध्यम से विदेशी बाजारों तक पहुंचने में सहायता करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) ने कहा कि ई-कॉमर्स को लेकर परामर्श कार्यक्रम भी होगा। इसमें प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और भारत से ई-कॉमर्स निर्यात के लिए अनुकूल परिवेश को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार

मानसून सत्र : एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों के सांसदों ने किया हंगामा

- हंगामे के बीच लोस में पारित हुआ गोवा राज्य, अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुन: समायोजन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष को जवाब देते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.15 बजे दिनभर के लिए स्थगित हो गई। हंगामे के बीच ही 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

सदन की कार्यवाही स्थगन के बाद दो बजे पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने आवश्यक कागज प्रस्तुत कराए। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024' को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसमें गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। सदन ने कुछ मिनट के अंदर विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए शोर-शराबे के बीच ही विधेयक को मंजूरी दे दी। इस पर पिछले साल दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा हुई थी। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी दलों से शांत रहने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमने पर बैठक को बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पंद्रह मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

सदन की बैठक पूर्वाह्न11 बजे जब शुरू हुई तो बीते सप्ताह राज्यसभा में सदन के अंदर मार्शलों की जगह सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। उपसभापति हरिवंश और सरकार दोनों ने ही सदन में मार्शलों की जगह सीआईएसएफ की तैनाती संबंधी विपक्ष का दावा सिरे से खाारिज कर दिया। हरिवंश ने सदन को सूचित किया कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते सप्ताह राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने अफसोस जताया कि खरगे का वह पत्र मीडिया के पास पहुंच गया। इसी दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हरिवंश ने इन सदस्यों से शांत रहने और उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा आपको आसन का पक्ष सुनना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं और यह सवाल उठाया कि नारेबाजी करना, आसन के समक्ष आना और अन्य सदस्यों को बाधित करना कैसे लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है। खरगे ने कहा कि उन्होंने पत्र की जानकारी सदस्यों के हित में प्रेस नोट के जरिए साझा की। उन्होंने उन्होंने सवाल किया, सीआईएसएफ को सदन में लाया जा रहा है। क्या हम आतंकवादी हैं? इस पर उपसभापति ने कहा, वे सीआईएसएफ के कर्मी नहीं थे, वे संसद सुरक्षा सेवा के कर्मी थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पूछा कि जब नेता प्रतिपक्ष भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करते हैं या गलत जानकारी वाले पत्र लिखते हैं तो उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "सदन में केवल मार्शल ही आ सकते हैं और उस दिन केवल मार्शल ही मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए राजग ने प्रधानमंत्री को किया सम्मानित

- मोदी बोले- विपक्ष को सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस करने के फैसले पर हो रहा होगा पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी

राजग की संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को मंगलवार को एक साल के बाद संबोधित करते हुए स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में कई क्षेत्रों में ताकत से परे जाकर कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए। राजग की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी।

मंगलवार को हुई राजग की बैठक में मोदी को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके बेजोड़ साहस और अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई।

मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। यह तो बस शुरुआत है। अभी लंबा रास्ता तय करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि प्र 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह 6 साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को आतंकी हमले और सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस कराने के फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। मोदी ने याद दिलाया कि उन्होंने लोकसभा में अपने जवाब की शुरुआत इस बात से की थी कि वे 'भारत का रुख' प्रस्तुत करेंगे।

बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के काफिले पर हमला

कूचबिहार (प. बंगाल), एजेंसी

- टीएमसी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए बताया नाटक

प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को नाटक करार दिया।

कूचबिहार में एसपी कार्यालय के बाहर भाजपा की रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर थे। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न और एनआरसी लागू करने के प्रयास का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर धरना दिया। इनमें से अधिकतर अधिकारी के रास्ते में थे।

धर्मार्थ संस्था पर वाद के लिए अदालत की पूर्व अनुमति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत दायर की अपील की खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं से संबंधित प्रावधान के तहत वाद दायर करने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति आवश्यक है, क्योंकि यह कदम जनहित में और सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से शुरू किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कानूनी मुद्दों पर दिशा-निर्देश जारी किए और उस अपील को खारिज कर दिया, जो 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसाइटी द्वारा दायर की गई थी। इस अपील में सीपीसी की धारा 92 के तहत उस वाद की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी, जो सोसाइटी के खिलाफ दायर किया गया था। सीपीसी की धारा 92 सार्वजनिक धर्मार्थ या धार्मिक ट्रस्ट से संबंधित मुकदमों से संबंधित है और यह उन मामलों में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देती है, जहां कथित भरोसा तोड़ने या ट्रस्ट के प्रशासन के लिए अदालत के निर्देश की आवश्यकता होती है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, सीपीसी की धारा 92 के तहत दायर किया गया वाद विशेष प्रकृति का प्रतिनिधि वाद होता है, क्योंकि यह सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से और जनहित में दायर किया जाता है। मुकदमे को आगे बढ़ाने से पहले अदालत से 'अनुमति' प्राप्त करना एक प्रक्रियात्मक और विधायी सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करता है।

प्रदूषण बोर्ड पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए प्रतिपूर्ति और प्रतिपूरक हर्जाना लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारों को बरकरार रखा और कहा कि रोकथाम एवं निवारक उपाय पर्यावरणीय प्रशासन के अधीन होने चाहिए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल अधिनियम और वायु अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाना लगाने का अधिकार रखते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने सोमवार को दिए फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद हमारा मानना है कि जल और वायु अधिनियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करने वाले पर्यावरण नियामक यानी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संभावित पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए एक निश्चित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति या प्रतिपूरक हर्जाना लगा सकते हैं और वसूल सकते हैं या पूर्व-निर्धारित उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करना आवश्यक कर सकते हैं।

मप्र के कुबरेश्वर धाम में भीड़ के दौरान झड़प, दो की मौत

सीहोर, एजेंसी

- कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है कुबरेश्वर धाम
- क्षमता से अधिक लोगों के आने से फैली अव्यवस्था

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने के बाद कुछ लोगों में कथित तौर पर झड़प हो गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुनीता रावत ने दो लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ 5वें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

रोजगार आंकड़े जारी करने पर अफसर बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में रोजगार संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के निदेशक को बर्खास्त कर दिया। अमेरिका में नौकरियों संबंधी मासिक आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की पहले से ही नजर रहती है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस रिपोर्ट की निगरानी करने वाले अधिकारी को शुक्रवार को बर्खास्त किए जाने के बाद ये आंकड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं को खराब दिखाने के लिए जून के रोजगार संबंधी आंकड़ों में हेरफेर किया गया था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

ब्राजील अमेरिकी टैरिफ को देगा चुनौती

ब्रासीलिया। ब्राज़ील विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में नए लगाए गए अमेरिकी आयात शुल्क को औपचारिक रूप से चुनौती देने की तैयारी कर रहा है, साथ ही बातचीत के रास्ते भी खुले रखे हुए है। ब्राजील के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार से लागू होने वाले कॉफी, बीफ और पेट्रोकेमिकल्स सहित ब्राजील के कई वस्तुओं के निर्यातों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आया है।

पश्चिमी देशों को क्यों रास आता है

दुनिया में तेल का खेल

तेल जिसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पूरी दुनिया के लिए एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें तमाम देशों के राजनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हित शामिल हैं। रूसी तेल के आयात को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का यही एक बड़ा कारण है। दुनिया की ऊर्जा पर निर्भरता, तेल आधारित महंगाई और बाजार नियंत्रण के साथ राजनीतिक दबाव का प्रमुख जरिया होने के कारण ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश तेल के कारोबार पर अपना नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए आर्थिक प्रतिबंधों और निर्यात बाधित करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल करते हैं।

तेल का महत्व

- **आर्थिक** : तेल सबसे बड़ी कमोडिटी है और इसका उपयोग परिवहन, विनिर्माण, और बिजली उत्पादन सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- **राजनीतिक** : तेल भंडार वाले देशों का वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, तेल की कीमतें अक्सर देशों के बीच तनाव और सहयोग का कारण बनती हैं।
- **भू-राजनीतिक** : तेल की उपलब्धता और पहुंच अक्सर देशों के बीच संघर्ष और सहयोग का कारण बनती है, खासकर मध्य पूर्व और अन्य तेल समृद्ध क्षेत्रों में।

प्रमुख तेल उत्पादक

- वेनेजुएला, सऊदी अरब, कनाडा, ईरान और इराक जैसे देश सबसे बड़े तेल भंडार हैं और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में भूमिका निभाते हैं।

पश्चिमी देशों का रुख

- अमेरिका समेत पश्चिमी देश अर्थव्यवस्था, राजनीतिक दबाव और महंगाई पर नियंत्रण के लिए दुनिया भर में तेल के कारोबार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।
- अमेरिका जैसे देशों का विपरीत परिस्थितियों में अपने विशाल तेल भंडार खोलकर पूरी दुनिया में तेल कीमतों को नियंत्रित करने का पुराना हथकंडा है।
- प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण का भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस-ईरान जैसे देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उनका तेल निर्यात सीमित किया गया है।

रूस की ताकत बना तेल

- रूस की बजट आमदनी का 40% से अधिक हिस्सा तेल और गैस से आता है। युद्ध के समय यह आय हथियारों और सेना के खर्च में लगाई जा रही है।
- यूरोप द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद रूस ने भारत, चीन, तुर्किए जैसे देशों को रियायती दर पर तेल बेचना शुरू किया जिससे उसकी आय बरकरार रही।
- कई देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह रूस से रिश्ता नहीं तोड़ सके जैसे जर्मनी और हंगरी यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत में।

ओपेक

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसमें 13 देश शामिल हैं। ये दुनिया के तेल उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा नियंत्रित करता है और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तेल ने बनाया अर्थशक्ति

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने सॉवरेन वेल्थ फंड में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यूएई ने तेल के पैसे से दुबई और अबूधाबी को वैश्विक आर्थिक हब में बदल दिया। कुवैत-कतर जैसे छोटे देश प्रति व्यक्ति आय में उच्चस्तर पर है और कई सामाजिक कल्याण कार्यक्रम भी चला रहे हैं। नॉर्वे दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया है।

अमेरिका में विदेशी पर्यटकों को 15000 डॉलर का देना होगा बांड

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रुकने वालों के लिए बना नियम

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

मंत्रालय ने कहा, व्यापार या मौज मस्ती के लिए अस्थाई आगंतुक के रूप में वीजा आवेदक और मंत्रालय द्वारा चिह्नित ऐसे विदेशी जिनका वीजा अवधि से अधिक दिन ठहरने का इतिहास रहा है, अथवा निवेश के जरिए नागरिकता की पेशकश करने वाले व्यक्ति और ऐसे विदेशी जिन्होंने बिना आवश्यकता के नागरिकता प्राप्त की हो, वे इस प्रायोगिक कार्यक्रम के अधीन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के दायरे में आने वाले देशों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपींस सहमत

मोदी ने कहा- भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपींस तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है। मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है। भारत और फिलीपींस दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत-फिलीपींस के बीच नौ समझौतों पर हुए हस्ताक्षर।

दोनों देशों ने किए नौ समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और फिलीपींस ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है। मोदी ने कहा कि फिलीपींस भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

- मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपींस सरकार का आभार जताया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं।

फिलीपींस में त्वरित परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, आज जब फिलीपींस के राष्ट्रपति भारत में हैं, तब भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फिलीपींस में किसी नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा, व्यापार संबंधों को और मजबूत करने के लिए, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की जल्द समीक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करने का भी फैसला लिया है। मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और खनिज क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विषाणु विज्ञान से लेकर एआई और 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' (3-डी प्रिंटिंग) तक, संयुक्त अनुसंधान किए जा रहे हैं।

बांके बिहारी मंदिर का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना अध्यादेश का उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट के जज ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम
- सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे

उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय से मंगलवार को कहा कि बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के लिए अध्यादेश लाने का उसका उद्देश्य मथुरा के वृंदावन स्थित धार्मिक स्थल का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को झटका देते हुए सोमवार को कहा था कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारा विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई मंजूरी को स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गुप्त तरीके से अदालत पहुंचने के दृष्टिकोण की निंदा की थी और प्राचीन मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 लाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाया था। पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि 2025 के अध्यादेश का मंदिर प्रशासन के स्वामित्व के लंबित मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है। मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी और निर्देश पारित किए गए थे। कहा कि अध्यादेश मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए जारी किया गया था, जहां हर हफ्ते लगभग दो-तीन लाख श्रद्धालु आते हैं। इसके बाद पीठ ने नटराज से कहा कि उनकी दलीलें अच्छी हो सकती हैं, लेकिन यह तब दी जा सकती हैं जब अध्यादेश को चुनौती देने का मामला उच्च न्यायालय में भेज दिया जाए।

राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा

नटराज ने राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा जिसकी समीक्षा करने पर पाया गया कि यह 4 अगस्त को अदालत द्वारा दिए गए सुझाव के समान ही है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि उन्हें मंदिर के प्रशासन के मुद्दे पर आठ अगस्त तक प्रस्ताव और सुझाव देने की अनुमति दी जाए। याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 की वैधता को चुनौती दी है। पीठ ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त के लिए स्थगित कर दी तथा याचिकाकर्ताओं को इस मुद्दे पर अपने सुझाव देने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने 15 मई को श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारे को विकसित करने की उप्र सरकार की योजना का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। कोर्ट ने सरकार की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें कहा गया था कि श्री बांके बिहारी मंदिर की निधि का इस्तेमाल केवल मंदिर के आसपास पांच एकड़ भूमि खरीदने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनाये गये निरुद्ध क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) बनाने के लिए किया जाए।

दोषी एमपी-एमएलए पर ताउम्र पाबंदी पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सीजेआई करेंगे फैसला

आपराधिक मामलों में दोषी सांसदों और विधानसभा सदस्यों को स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने की मांग एक याचिका पर वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर फैसले के लिए सीजेआई बीआर गवई के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मंगलवार को इस मामले का उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर यह जनहित याचिका, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है, जो वर्तमान में दोषी विधायकों को सजा पूरी करने के बाद केवल छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकती है।

पीठ ने मामले की तात्कालिकता को स्वीकार किया और निर्देश दिया कि मामले को आगे के निर्देशों के लिए सीजेआई के समक्ष रखा जाए। इस याचिका पर अंतिम सुनवाई 20 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार जता चुकी है विरोध

फरवरी 2025 में केंद्र सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आजीवन अयोग्यता संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है, न्यायपालिका को इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। केंद्र ने जबाव में कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत किसी प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, लेकिन याची द्वारा सुझाए गए छह वर्ष के स्थान पर आजीवन शब्द का प्रयोग करने के लिए कानून को फिर से नहीं लिख सकता।

ब्राजील : पूर्व राष्ट्रपति जेयर को नजरबंद करने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। श्री बोल्सोनारों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कथित साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चल रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोमवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा कि बोल्सोनारो अदालत की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का उपयोग भी शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि बोल्सोनारो ने अन्य यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के लिए भाषण रिकॉर्ड किए थे। यह तीसरे पक्ष के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए साक्षात्कारों या सार्वजनिक या निजी भाषणों के दुरुपयोग पर रोक लगाने वाले आदेश का उल्लंघन है।

पलटवार: भारतीय सेना ने अमेरिका के चेहरे से मुखौटा उतारा

यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के ट्रंप के आरोपों के बाद पाकिस्तान को हथियार देने वाली पुरानी खबर साझा की

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से भारत की आलोचना और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच भारतीय सेना ने मंगलवार को अगस्त 1971 की एक समाचार क्लिप साझा की, जिसमें 1954 से पाकिस्तान को हथियार देने में अमेरिका की भूमिका को उजागर किया गया है। यह समाचार क्लिप सेना की पूर्वी कमान द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में साझा की गई।

पोस्ट में हैशटैग भारतीयसेना, पूर्वीकमान, विजयवर्ष, 'लिबरेशन ऑफ बांग्लादेश' और 'मीडिया हाइलाइट्स' के साथ ही इसमें नोफैक्ट्स (तथ्यजानें) हैशटैग के साथ 'इस दिन उस वर्ष' युद्ध की तैयारी - 05 अगस्त 1971 का भी उल्लेख किया गया है। यह समाचार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुआ था। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। इस खबर में तत्कालीन समय से पिछले लगभग दो दशकों में पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराने में अमेरिका की भूमिका के बारे में बताया गया था। इसका शीर्षक था, 'यूएस आर्म्स वर्थ डॉलर2 बिलियन शिप्ड टू पाकिस्तान सिंस 54' यानी '1954 से अब तक दो अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर और अधिक शुल्क लगाने की धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने मॉस्को के साथ नयी दिल्ली के ऊर्जा संबंधों की आलोचना को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

- 1954 से 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को की थी दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई

तत्कालीन रक्षामंत्री ने खोली थी पोल

खबर में तत्कालीन रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला का हवाला दिया गया है, जिन्होंने उस अवधि के दौरान आपूर्ति किए गए हथियारों के अनुमानित मूल्य के बारे में राज्यसभा को बताया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट नई दिल्ली द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर वाशिंगटन की बढ़ती आलोचना के बीच आया है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 13 .12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

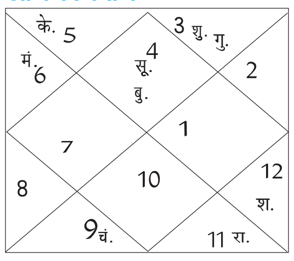

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।

चन्द्रबल और ताराबल

ताराबलअश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष – आज आपके कामकाज की सराहना होगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी दिन उत्तम है। निवेश के लिए नए अवसर मिल सकते हैं।

वृष – आपके लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आप संयम से काम लें। घर में किसी मुद्दे पर वाद-विवाद संभव है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा। पैसों की लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही से बचें।

मिथुन – आज के दिन आप नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता या नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। घर में खुशी का माहौल रहेगा और परवार के लोगों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए पुराने पूरे हो सकते हैं।

कर्क – आज का दिन मानसिक रूप से कुछ उतार-चढ़ाव वाला है। किसी पुराने दोस्त से गलतफहमी हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में नए अनुबंध मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और खान-पान का समय दुरुस्त रखें। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह – आजका दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा और लोग आपके सुझावों को अहमियत देंगे। साझेदारी में किया गया काम सफल रहेगा। आपको समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या – आज आप रचनात्मक और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। पेट संबंधी समस्याएं आज उभर सकती हैं।

तुला – आपका आज का दिन भाग्यशाली है। किसी खास आदमी से मुलाकात फायदा पहुंचाएगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन का आगमन होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ेगा।

वृश्चिक – आपको अपनी योजनाओं को लेकर गोपनीयता बरतने की जरूरत है। करियर में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। आज घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान का सहारा लें।

धनु – आजका दिन आपके लिए विशेष है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत मिलेंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे प्रभावित होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर – आपको धैर्य और समझदारी से आज आगे बढ़ना होगा। आपके कार्यों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में संयम रखने की जरूरत है। आज अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ – आपके विचारों में आज सकारात्मकता रहेगी। योजनाओं पर गंभीरता से काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन – आपका आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

सुडोकू-61

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 60 का हल

4	2	7	6	8	1	5	9	3
3	8	1	5	9	2	6	7	4
9	6	5	4	3	7	2	8	1
8	4	3	9	5	6	1	2	7
1	7	6	8	2	4	3	5	9
5	9	2	1	7	3	8	4	6
6	5	8	3	4	9	7	1	2
7	1	9	2	6	5	4	3	8
2	3	4	7	1	8	9	6	5

"जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। - सुनील गावस्कर

स्टेडियम

कानपुर, बुधवार, 6 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थके भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश रवाना

लंदन : ओवल में सीरीज बराबर करने वाली ऐतिहासिक जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद थी लेकिन भारतीय टीम के सदस्यों ने मंगलवार सुबह स्वदेश के लिए रवाना होने से पहले शांति से समय बिताने का फैसला किया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के कई सदस्य लंबी और थकाऊ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में नाटकीय जीत के 24 घंटे से भी कम समय बाद एमिरेट्स की उड़ान से रवाना हुए। टीम के सदस्य मंगलवार शाम को दुबई पहुंचेंगे और फिर भारत में अपने-अपने गृहनगरों के लिए उड़ान भरेंगे। अंतिम टेस्ट में जीत के सूत्रधार सिराज दुबई पहुंचने के बाद हैदराबाद के लिए अगली उपलब्ध उड़ान लेंगे। अर्शदीप सिंह और शारदुल ठाकुर भी स्वदेश लौटने वालों में शामिल हैं। कुछ ने इंग्लैंड में ही रुकने का फैसला किया है।

एशिया कप टीम में चुने जा सकते हैं गिल

नई दिल्ली : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन भारत की एशिया कप टीम में चयन की दौड़ में हैं जिसे अगस्त के तीसरे सप्ताह में चुने जाने की उम्मीद है। जायसवाल और टेस्ट कप्तान गिल व्यस्त कार्यक्रम के कारण पिछले कुछ टी20 मैचों में नहीं खेले हैं लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद एक महीने के आराम के कारण वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा में कल से

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है।

कनाडाई मबोको सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव अंतिम चार में

टोरंटो : शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मुकाबला रूस के कारेन या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

सब-जूनियर तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु : कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम ने उम्मीद से बढ़कर किया प्रदर्शन, पूरी श्रृंखला रही रोमांचक

लंदन, एजेंसी

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय युवा टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी, लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया।

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी, लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंद्वी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है।

भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था, लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां व अंतिम मैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी। एजेंसी

बड़े मौकों पर छूटे कैच

लंदन : यह सीरीज सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में भी शीर्ष पर रही। कुल 41 कैच छूट गए, जो गेंद-दर-गेंद के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से (2018 के बाद से) किसी भी सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। दोनों टीमों ने कैच छोड़ने की साख भी बना ली है। सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में शीर्ष चार सीरीज में से तीन भारत और इंग्लैंड के बीच हैं, जिनमें से अन्य दो तब हुई थीं जब भारत ने 2021/22 (37) और 2018 (32) में इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौरे पर, भारत ने 23 मौके गंवाए, जो एक सीरीज में उनके लिए सबसे ज़्यादा हैं - 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की तुलना में सात ज्यादा।

खराब रिव्यू

इस सीरीज में दोनों टीमों द्वारा अंपायर के फ़ैसलों को 63 बार चुनौती दी गई, जिनमें से 44 रिव्यू असफल रहे। इस तरह, 69.8% रिव्यू बर्बाद हो गए, जिससे पता चलता है कि अंपायरों ने ज्यादातर सही फैसले दिए। भारत ने 24 असफल रिव्यू लिए (जिसमें एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर कॉल के फैसले शामिल हैं), जो एक सीरीज में उनके लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, ड्रॉप कैच की तरह, 2018 के दौरे से शुरू होकर इंग्लैंड में हर सीरीज में भारत के असफल रिव्यु की संख्या भी बढ़ी है, जबकि इंग्लैंड के रिव्यू में सुधार हुआ है। गेंदबाजी करते समय एलबीडब्ल्यू फैसलों की समीक्षा करने की बात आती है, तो इन पांचों टेस्ट मैचों में दोनों टीमें मैदान पर लिए गए फैसले को केवल दो बार ही पलट सकीं।

करीबी श्रृंखलाएं : जब गेंद और बल्ले के संघर्ष व रणनीति की हुई परीक्षा

नई दिल्ली : भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पीटीआई भाषा ने पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

- **भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 :** संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।
- **भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 :** अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।
- **भारत बनाम श्रीलंका, 2015 :** इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी।
- **ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 :** यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाज़ थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था।
- **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 :** यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्कल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत मैच बचाने में सफल रहा।
- **न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 :** जैसे ही न्यूज़ीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।
- **भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 :** यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

पूरी सीरीज अपनी बारी का इंतजार करते रहे स्पिनर कुलदीप यादव। एजेंसी

सितारों के मर्जी से मैच चुनने पर लगाम संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर हमेशा से भारतीय क्रिकेट में मेगा स्टार संस्कृति के खिलाफ रहे हैं, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज के लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारत के मुख्य कोच को अब अपने हिसाब से टीम कल्चर बनाने का मौका मिल गया है। इंग्लैंड से श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर टीम में जरूर ऐसा माहौल बनाना चाहेंगे जिसमें सभी को बराबर माना जाए। समझा जाता है कि चयन समिति, गंभीर और भारतीय क्रिकेट के आला अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और श्रृंखला खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर एकमत हैं।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, खास तौर पर उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चुनने का कल्चर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा इसके यह मायने नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है लेकिन इसकी आड़ में खिलाड़ी अहम मैचों से बाहर नहीं रह सकते। इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185.3 ओवर डाले जिसके अलावा नेट्स पर गेंदबाजी और फील्डिंग अलग। उन्होंने फिटनेस के नये मानदंड कायम किए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढ़कर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल डाले। इससे यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कार्यभार प्रबंधन को अपनी सहूलियत के हिसाब से ढाल बनाया जाता है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में जीत के बाद अपने स्टाफ सदस्यों के साथ जमकर जश्न मनाया। एजेंसी

- कार्यभार प्रबंधन के अधिकार पर गौर कर सकता है बीसीसीआई

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन शब्द गायब हो जाएगा : गावस्कर

लंदन : भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। उन्होंने कहा, आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी : गंभीर

लंदन : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते-जाते रहें। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2-2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई।

उन्होंने कहा हमें बेहतर होते रहना है। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे। लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा शुभकानायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो।

जस्सी भाई की कमी खली, वह होते तो खास होता : सिराज

लंदन, एजेंसी

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज

(जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए।

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता : वॉन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे।

वॉन ने कहा बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा उन्हें बस एक साझेदारी की ज़रूरत थी। हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। फिलहाल ये ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीरीज के लिए अच्छी तैयारी है।

वनडे क्रिकेट | इंग्लैंड में युवा भारतीय ब्रिगेड के धमाकेदार प्रदर्शन से सीनियर खिलाड़ियों की चुनौती बढ़ गई

कोहली और रोहित की राह हुई मुश्किल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का बेहद कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोकना टीम में शामिल नए क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और देश तथा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने की निडरता का जश्न था। मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला।

वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए और साई सुदर्शन ने अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता की झलक दिखाई। लेकिन इस शानदार प्रयास का एक और आयाम भी है।

इससे सवाल उठता है कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा चोटों से जूझने वाले जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का क्या होगा। कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवतः ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलेंगे।

इसके बाद इन दोनों को जनवरी-जुलाई 2026 के बीच न्यूजीलैंड (स्वदेश) और इंग्लैंड (विदेश में) के खिलाफ छह एकदिवसीय मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन क्या ये मुकाबले 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की उनकी तैयारी के लिए हैं? क्या यह दिग्गज जोड़ी सिर्फ एक प्रारूप और आईपीएल के दम पर इतने लंबे समय तक खेलना चाहेगी? एक सूत्र ने बताया हां, इस पर जल्द ही चर्चा होगी। अगले विश्व कप (नवंबर 2027) के लिए हमारे पास अभी भी दो साल से अधिक का समय है।

कोहली और रोहित दोनों तब तक 40 के करीब हो जाएंगे इसलिए इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए एक स्पष्ट योजना होनी चाहिए क्योंकि हमने पिछला खिताब 2011 में जीता था। हमें समय रहते कुछ युवाओं को भी आजमाने की जरूरत है। कोहली और रोहित ने 2024 में विश्व कप जीत के साथ टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा पर दोनों का टेस्ट संन्यास काफी शांत रहा।

विराट कोहली व रोहित शर्मा। एजेंसी

घरेलू मैच खेलना है जरूरी

बीसीसीआई के मौजूदा नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होने पर घरेलू मैच नहीं छोड़ सकता है और घरेलू मुकाबले में नहीं खेलने पर उसे राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा सकता है। कोहली और रोहित के लिए मैच के समय की कमी है क्योंकि ये दोनों इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं और नवंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 और उसके बाद दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी से पहले सीमित ओवरों के क्रिकेट की कोई घरेलू प्रतियोगिता भी नहीं है। हालांकि कोहली और रोहित को उनके कद को देखते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से छूट मिल सकती है।